शर्मा हार्डवेयर
SHARMA HARDWARE
Sharma Gali, SJ Road
Athgaon, Guwahati-01
98648-02947
70025-06581

E-Paper : www.goodluckpublications.com, • www.vbslive.in
हिंदी दैनिक
गुवाहाटी, नई दिल्ली, शिमला और जम्मू से एकसाथ प्रकाशित

विकसित भारत समाचार

राष्ट्र निर्माण में प्रयत्नशील

वर्ष : 10 | अंक : 39 | गुवाहाटी | शनिवार, 2 सितंबर, 2023 | मूल्य : 10 रुपए | पृष्ठ : 12 | VIKSIT BHARAT SAMACHAR | Regd. RNI No. ASSHIN/2014/56526

कांग्रेस बांग्लादेशी मुसलमानों को लेकर व्यस्त है : भाजपा पेज 3
जी-20 शिखर सम्मेलन के दौरान चीन-पाकिस्तान सीमा पर गरजेंगे... पेज 4
अब वन डिस्ट्रिक्ट, वन कोऑपरेटिव बैक की दिशा में आगे बढ़ेगा... पेज 5
विपक्ष के हर झूठे नेरेटिव को जनता के बीच जाकर ध्वस्त करें ... पेज 8

जबरन वसूली मामले में डीएसपी समेत सात पुलिसकर्मी हिरासत में

पुलिस को चरित्र बदलने की जरूरत है : सीएम

गुवाहाटी। असम में पुलिस को अपना चरित्र बदलने की जरूरत है। यह बात असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने कथित जबरन वसूली मामले में सात पुलिसकर्मियों की हिरासत पर प्रतिक्रिया देते हुए कही। असम के सीएम हिमंत विश्व शर्मा ने कहा कि पुलिस को अपना चरित्र बदलने की जरूरत है। वे आम जनता से अनुचित मांगें करने की अपनी आदतों को जारी नहीं रख सकते। मालूम हो कि जबरन वसूली से संबंधित मामले में असम पुलिस की सीआईडी ने गुवाहाटी के उलुबाड़ी में अपने मुख्य कार्यालय से सात पुलिस कर्मियों को हिरासत में लिया है। एक सूत्र के अनुसार सभी अधिकारी बजाली जिले में तैनात थे। एक सुपारी व्यापारी की शिकायत के बाद अगस्त की शुरुआत में शुरू हुई जांच के कारण पुलिस अधिकारियों को हिरासत में लिया गया। सीआईडी ने 31 अगस्त को आरोपी पुलिस अधिकारियों के खिलाफ भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) की विभिन्न धाराओं के तहत एक आपराधिक मामला दर्ज किया गया है। आरोपियों को पूछताछ के लिए सीआईडी कार्यालय लाया गया और उम्मीद है कि उन्हें गिरफ्तार भी किया जाएगा। असम के डीजीपी जीपी सिंह ने कहा कि इन गंभीर आरोपों को उजागर करने के लिए सतर्कता और भ्रष्टाचार निरोधक निदेशालय को एक ट्रैप ऑपरेशन शुरू करने का काम सौंपा गया था, हालांकि शुरुआती प्रयास असफल साबित हुए क्योंकि फंसे हुए अधिकारियों ने सावधानी बरती। उन्होंने कहा कि बाद की जांच से संकेत मिला कि शिकायत का प्रथम दृष्टया आधार था। निष्कर्षों के आधार पर, विभिन्न धाराओं के तहत सीआईडी की ओर से मामला दर्ज किया गया था। मामले में शामिल धाराएं थीं 120बी (आपराधिक साजिश), 341 (गलत तरीके से रोकना), 342 (गलत तरीके से बंधक बनाना), 323 (जानबूझकर चोट पहुंचाना), 448 (घर में अतिक्रमण), 294 (अश्लील हरकतें और गाने), 379 (चोरी), 387 (जबरन वसूली), 427 (नुकसान पहुंचाने वाली शरारत), 506 (आपराधिक धमकी), और 307 (हत्या का प्रयास)। सीआईडी कार्यालय में लाए गए पुलिस अधिकारियों में डीएसपी (मुख्यालय) पुस्कल गोगोई, एसआई अनुप ज्योति पतिरी (प्रभारी अधिकारी, पाटाचारकुची पुलिस स्टेशन), एसआई देबोजीत गिरि, एएसआई शशांक दास और कांस्टेबल इंजमामुल हुसैन के साथ-साथ होम गार्ड दीपजॉय रॉय भी शामिल हैं। -शेष पृष्ठ दो पर

अतिक्रमण हटाने के विरोध में महिलाओं का अर्द्धनग्न प्रदर्शन

गुवाहाटी (हि.स.)। राजधानी गुवाहाटी के सिलसाको बील में आज अतिक्रमण हटाने पहुंची जिला प्रशासन की टीम के विरोध में प्रदर्शन कर रही कुछ महिलाएं अपने कपड़े फाड़कर अर्धनग्न हो गईं। ज्ञात हो कि जिला प्रशासन का नए सिरे से अतिक्रमण हटाओ अभियान का विरोध तेज हो गया है। अर्धनग्न विरोध प्रदर्शन की तस्वीरें और वीडियो इंटरनेट पर सामने आए हैं। जिसमें महिला प्रदर्शनकारी अभियान को रोकने के लिए अर्धनग्न होकर प्रदर्शन करती नजर आईं। प्रदर्शनकारी महिलाओं ने अभियान के विरोध में अपने कपड़े फाड़ दिए। महिलाओं ने कहा कि वे अपने घरों से -शेष पृष्ठ दो पर

आंदोलनकारियों के विरुद्ध होगी कार्रवाई : मुख्यमंत्री

गुवाहाटी (हि.स.)। मुख्यमंत्री डॉ हिमंत विश्व शर्मा ने कहा है कि राजधानी गुवाहाटी के सिलसाको बिल (झील) में अतिक्रमण कर रहे लोगों के साथ बीते 3 दिनों से जिला प्रशासन की बातचीत चल रही है। बातचीत के आधार पर जिला -शेष पृष्ठ दो पर

कॉम समुदाय की सुरक्षा सुनिश्चित करें : मेरी कॉम

इंफाल। मणिपुर में भड़की हिंसा अब तक थमने का नाम नहीं ले रही है। इस बीच, बॉक्सिंग स्टार एम सी मैरी कॉम ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह को एक पत्र लिखकर सुरक्षा सुनिश्चित करने का आग्रह किया है। दरअसल, मैरी कॉम ने हस्तक्षेप की मांग की है ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि सुरक्षा बल दोनों युद्धरत समूहों को मणिपुर के कोम गांवों में घुसपैठ करने से रोकें। गुरुवार को शाह को लिखे पत्र में उन्होंने कहा कि कोम समुदाय मणिपुर की एक स्वदेशी जनजाति है, जो अल्पसंख्यकों में सबसे छोटी जनजाति में से एक है। पद्म विभूषण से सम्मानित खिलाड़ी मैरी कॉम ने कहा कि हम सभी दो प्रतिद्वंद्वी समुदायों के बीच बिखरे हुए हैं। दोनों तरफ -शेष पृष्ठ दो पर

असम नामावली में विशेष संशोधन का ईसी ने दिया आदेश

गुवाहाटी। चुनाव आयोग (ईसी) ने असम चुनाव विभाग को विधानसभा और लोकसभा निर्वाचन क्षेत्रों के परिसीमन के बाद मतदाता सूची का विशेष सारांश पुनरीक्षण करने का निर्देश दिया है। आयोग ने रेखांकित किया है कि नए परिसीमित निर्वाचन क्षेत्रों में मतदाता पंजीकरण अधिकारियों (ईआरओ) को मतदाता सूची के पुनरीक्षण से पहले गहन पुनरीक्षण गतिविधियों और फील्ड मशीनरी के माध्यम से 100 फीसदी भौतिक सत्यापन करना होगा। राज्य के मुख्य निर्वाचन अधिकारी (सीईओ) अनुराग गोयल ने कहा कि नए मतदान केंद्र बनाए जाएंगे, जबकि पुराने केंद्रों की मैपिंग नए निर्वाचन क्षेत्रों के अनुसार की जाएगी और मतदाता सूची भी उसी के अनुसार तैयार करनी होगी। सीईओ ने कहा कि पूरी प्रक्रिया सॉफ्टवेयर की मदद से की जाएगी और इसलिए 30 नवंबर तक सुधार और नाम शामिल करने के लिए ऑनलाइन और -शेष पृष्ठ दो पर

পূৰ্বাঞ্চল কেশৰী
(असमीया दैनिक)
PURVANCHAL KESARI
(ASSAMESE DAILY)
GOOD LUCK PUBLICATIONS
House No. 30, D. Neog Path,
ABC, Guwahati - 781005
Mob: 94350 14771, 97070 14771

देश के विकास में बाधक है इलेक्शन : मुख्यमंत्री

गुवाहाटी (हि.स.)। मुख्यमंत्री डॉ हिमंत विश्व शर्मा ने कहा है कि देश में हर समय होने वाला इलेक्शन देश के विकास में बहुत बड़ा बाधक है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा वन नेशन वन इलेक्शन को लेकर दिखाई जा रही दूरदर्शिता देश के विकास के इतिहास में मील का पत्थर साबित होगा। मुख्यमंत्री डॉ शर्मा ने आज इस मुद्दे पर यहां मीडिया से बातचीत करते हुए कहा कि देश में हर समय कहीं न कहीं, कोई न कोई इलेक्शन हुआ करता है। जिस पर बहुत अधिक धन खर्च होने के साथ-साथ ही इस दरम्यान विकास के कार्य अवरुद्ध हो जाते हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद जैसे एक विज्ञ व्यक्ति की अगुवाई में बना यह कमीशन निश्चित ही एक कारगर -शेष पृष्ठ दो पर

असम देश के विकसित राज्य के नंबर एक या दो पर होगा : डॉ. शर्मा

नगांव चिकित्सा महाविद्यालय के नए वर्ष के लिए पाठ्यक्रम का शुभारंभ

नगांव (निस)। कोकराझाड़ व नलबाड़ी जिला के साथ साथ नगांव में भी नए शिक्षा वर्ष के लिए नगांव चिकित्सा महाविद्यालय के पाठ्यक्रम का शुभारंभ आज हुआ। इस अवसर पर आयोजित सभा में मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा उपस्थित थे। उन्होंने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि आज का दिन नगांव जिला के लिए बड़ी उपलब्धि है। असम चिकित्सा महाविद्यालय के इतिहास में नगांव जिला का भी नाम जुड़ गया। प्रथम चिकित्सा महाविद्यालय से आज तक की यात्रा एक ऐतिहासिक क्षण है। उन्होंनें कहा कि साल 1970 के बाद 2010 तक असम में कोई चिकित्सा महाविद्यालय की स्थापना नहीं हुई। वर्ष 2010 से 2020 तक असम में पांच चिकित्सा महाविद्यालय स्थापित हुए। उन्होंनें आगे कहा कि यह एतिहासिक यात्रा यहीं समाप्त नहीं होने वाली। आने वाले वर्षों में 9 ओर नए चिकित्सा महाविद्यालय स्थापित किए -शेष पृष्ठ दो पर

door graph
Premium Quality Hinges
S.S. Traders
Suppliers in : All kinds of Door Fittings Modular Kitchen & Accessories, etc.
D. Neog Path, Near Dona Planet ABC, G.S. Road, Guwahati - 05
97079-99344

बिन विवाह के पैदा हुए बच्चों को भी मिलेगा संपत्ति का हिस्सा : एससी

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार (1 सितंबर) को बड़ा फैसला सुनाते हुए कहा कि *अमान्य विवाह* के बच्चों को माता-पिता की संपत्ति में हिस्सा मिल सकता है। शीर्ष कोर्ट ने यह भी कहा कि अमान्य विवाह के बच्चे हिंदू कानून के तहत माता-पिता की संपत्ति में अधिकार का दावा कर सकते हैं। हिंदू कानून के अनुसार, शून्य या अमान्य विवाह में पुरुष और महिला को पति-पत्नी का दर्जा नहीं मिलता है। हालांकि, शून्यकरणीय विवाह में उन्हें पति और पत्नी का दर्जा प्राप्त है। शून्य विवाह -शेष पृष्ठ दो पर

इंडिया कोऑर्डिनेशन कमेटी में पवार-राउत समेत 13 को जगह

मुंबई। विपक्षी गठबंधन *इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इन्क्लूसिव अलायंस* (इंडिया) के नेताओं की औपचारिक बैठक खत्म हो गई है। मुंबई के ग्रैंड हयात होटल में हुई इस मीटिंग में अगले लोकसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) का मुकाबला करने के लिहाज से ठोस खाका तैयार करने, आगे की रणनीति बनाने एवं साझा कार्यक्रम तय करने तथा इस मोर्चे को कुछ ढांचागत स्वरूप देने समेत कई बिंदुओं पर चर्चा की -शेष पृष्ठ दो पर

जी 20 बैठक में 29 देशों की संस्कृति का समागम

नई दिल्ली (हि.स.)। आगामी जी20 देशों की बैठक के आयोजन स्थल पर संस्कृति मंत्रालय ने एक खास संस्कृति गलियारा तैयार किया है। इसमें 29 देशों की संस्कृति की झलक देखने को मिलेगी। *वसुधैव कुटुंबकम* के थीम पर आधारित भारतमंडपम में तैयार इस गलियारे में जी 20 देशों के साथ 9 आमंत्रित देशों की कलाकृतियों को प्रदर्शित किया जाएगा। इसके साथ उनकी विशिष्ट सांस्कृतिक वस्तुओं को डिजिटल रूप से भी प्रदर्शित किया जाएगा। प्रदर्शनी में जी20 सदस्यों और आमंत्रित देशों की मूर्त, अमूर्त और प्राकृतिक विरासत का विषयगत संकलन प्रदर्शित किया जाएगा, जिनकी एक विशिष्ट पहचान है। संस्कृति मंत्रालय के अधिकारियों के अनुसार इस प्रदर्शनी के लिए सभी 29 देशों से सांस्कृतिक वस्तुएं प्राप्त हुईं हैं, जिसे मेहमान कॉरिडोर में देख पाएंगे। भारत की ओर से इस सांस्कृतिक कॉरिडोर में मूर्त कैटेगरी में अत्यंत प्राचीन ग्रंथ महर्षि पाणिनि अष्टाध्यायी, डिजिटल रूप से भीमबेटका शिलालेख, अमूर्त कैटेगरी में योग, कुंभ मेला, वैदिक मंत्रोच्चारण, -शेष पृष्ठ दो पर

सुप्रभात

दंड का भय न होने से लोग अकार्य करने लगते हैं।

– आचार्य चाणक्य

न्यूज गैलरी

आभूषण की दुकान लूटने वाला अमेरिकी गिरोह पकड़ाया

वाशिंगटन (हि.स.)। अमेरिका में भारतीय व एशियाई लोगों की आभूषण की दुकानों को लूटने वाला गिरोह पकड़ा गया है। पुलिस ने इस गिरोह के 16 सदस्यों को गिरफ्तार किया है। गिरोह के सदस्य हथियारों से लैस होकर दुकानों में घुसते थे और वहां मौजूद लोगों के साथ हिंसा करके सामान लूट लेते थे। अमेरिका की संघीय कानून प्रवर्तन एजेंसी ने गिरफ्तार 16 लोगों को वाशिंगटन संघीय अदालत में पेश कर जानकारी दी कि इस वर्ष 7 जनवरी से 27 जनवरी के बीच आरोपितों ने कोलंबिया जिले में न्यू जर्सी, -शेष पृष्ठ दो पर

मोदी सरकार के लिए आसान नहीं है एक राष्ट्र, एक चुनाव की राह

नई दिल्ली। लोकसभा और राज्य विधानसभाओं के चुनाव एक साथ कराने के लिए कम से कम पांच संवैधानिक संशोधनों और बड़ी संख्या में अतिरिक्त इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन (ईवीएम) व पेपर ट्रेल मशीनों की जरूरत होगी, जिन पर *हजारों करोड़ रुपए* की लागत आएगी। अधिकारियों ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। संसद की एक समिति ने निर्वाचन आयोग सहित विभिन्न हितधारकों के परामर्श से एक साथ चुनाव कराने के मुद्दे की जांच की थी। अधिकारियों ने बताया कि समिति ने इस संबंध में कुछ सिफारिशें की हैं। उन्होंने कहा कि एक साथ चुनाव कराने के लिए *व्यावहारिक रूपरेखा और ढांचा* तैयार करने के लिए यह मामला अब विधि आयोग के पास भेजा गया है। अधिकारियों ने कहा कि एक साथ चुनाव कराने से सरकारी खजाने को भारी बचत होगी और बार-बार चुनाव कराने में प्रशासनिक और कानून व्यवस्था मशीनरी की ओर से किए जाने वाले प्रयासों की पुनरावृत्ति से बचा जा सकेगा। यह राजनीतिक दलों और उम्मीदवारों को -शेष पृष्ठ दो पर

अब बढ़ेगी छापेमारी और गिरफ्तारियां : खड़गे

नई दिल्ली। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने विपक्षी गठबंधन *इंडिया* के घटक दलों के नेताओं से अपील की कि वे आने वाने कुछ महीनों में प्रतिशोध की और कार्रवाई, छापेमारी तथा गिरफ्तारी के लिए तैयार रहें क्योंकि यह गठबंधन जमीन पर जितना मजबूत होगा, सरकार उसके खिलाफ कानून प्रवर्तन एजेंसियों का उतना ही ज्यादा दुरुपयोग करेगी। उन्होंने विपक्षी गठबंधन की तीसरी बैठक में यह आरोप भी लगाया कि भारतीय जनता पार्टी सभी एजेंसियों और संस्थाओं पर पूर्ण नियंत्रण चाहती है। खड़गे ने कहा कि हमारी पिछली दोनों बैठकों की सफलता इस आधार पर तय की जा सकती है कि प्रधानमंत्री ने अपने बाद के भाषणों में न केवल *इंडिया* पर हमला किया है, बल्कि हमारे प्यारे देश के नाम की तुलना एक आतंकवादी संगठन और गुलामी के एक प्रतीक से की। उन्होंने कहा कि हमें आने वाले महीनों में इस सरकार की प्रतिशोध की राजनीति के कारण होने वाले और हमलों, अधिक छापेमारी और गिरफ्तारियों के लिए तैयार रहना चाहिए। खड़गे ने कहा कि हमारे गठबंधन को जितनी अधिक मजबूती मिलेगी, उतना ही अधिक भाजपा सरकार हमारे नेताओं के खिलाफ एजेंसियों का दुरुपयोग करेगी। उसने महाराष्ट्र, राजस्थान, बंगाल में भी ऐसा ही किया है। पिछले हफ्ते -शेष पृष्ठ दो पर

CLASSIFIED

For all kinds of classified advertisements please contact

97070-14771
86382-00107

MURTI AVAILABLE

Available all kinds of Marble & White Metal Murties, Ganesh Laxmi, Radha Krishna, Bishnu-Laxmi, Hanuman, Maa Durga, Saraswati, Shivling, Nandi etc.
ARTCLE WORLD,
S-29, 2nd Floor, Shoppers Point, Fancy Bazar, Guwahati-01,
Ph. : 94350-48866, 94018-06952

मां ने बेटियों को पानी में डुबाकर मार डाला

कछार (हिंस)। जिले के सोनाई हातिखाल में पति से झगड़ा होने के बाद गुरुवार रात को एक मां ने अपनी दो मासूम बेटियों को कथित रूप से तालाब में डूबो कर मार डाला। शुक्रवार को इस खौफनाक हत्याकांड के सामने आने के बाद इलाके में सनसनी फैल गई। पुलिस ने हत्या के आरोप में मां को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने मामले की जांच पड़ताल शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार सोनाई हातिखाल में स्थानीय आजमीरा बेगम नामक महिला का गुरुवार की रात अपने पति बाबुल हुसैन से कथित तौर पर झगड़ा हो गया था। इसके बाद आजमीरा अपनी डेढ़ साल और तीन साल की बेटियों को लेकर एक तालाब के पास ले गई। बताया जा रहा कि महिला ने दो अपनी दोनों बेटियों को पानी में डुबाकर मौत के घाट उतार दिया। हत्या के बाद वह दोनों शवों को लेकर घर ले आ गई। शुक्रवार सुबह पति ने आजमीरा बेगम दोनों बेटियों के शव के पास बैठकर रोते देखा। पति के अनुसार, उसके पूछने पर पत्नी आजमीरा बेगम ने अपने पति के सामने बच्चियों की हत्या करने की बात कबूल की। घटना की सूचना मिलने पर पुलिस ने मौके पर पहुंच कर आरोपित मां आजमीरा बेगम को गिरफ्तार कर लिया और दोनों शवों को पोस्टमार्टम के लिए सिलचर मेडिकल कॉलेज भेज दिया है। पुलिस मामले की जांच पड़ताल करने में लगी है।

61 वर्षीया महिला के बलात्कार से फैली सनसनी

दरंग (हिंस)। दरंग के देवमरनै के निकटवर्ती बाघरबाड़ी के ग्राम सुरक्षा बल के एक अधिकारी पर एक 61 वर्षीय महिला के साथ दुष्कर्म करने का आरोप लगा है। आज पीड़िता द्वारा मंगलदै थाना में दर्ज कराई गई शिकायत के अनुसार आरोपित के घर में पीड़िता विवाहित महिला घरेलू सहायिका के रूप में काम करती थी। आरोपित ने उसे घर पर बुलाया और सन्नाटे का फायदा उठाकर उसके साथ दुष्कर्म किया। महिला ने इसकी शिकायत मंगलदै थाने में कराई है। हालांकि, समाचार लिखे जाने तक आरोपित के विरुद्ध पुलिस द्वारा कोई कार्रवाई नहीं की गई है।

प्रथम वाहिनी एसएसबी ने मनाया अपना 56वां स्थापना दिवस

गुवाहाटी (हिंस)। प्रथम वाहिनी सशस्त्र सीमा बल (एसएसबी), सोनापुर ने आज अपना 56वां स्थापना दिवस मनाया। वाहिनी क का गठन 1 सितंबर, 1968 को एक ग्रुप सेंटर सशस्त्र सीमा बल श्रीनगर, गढ़वाल के रूप में किया गया था और वर्ष 2002 में, ग्रुप सेंटर सशस्त्र सीमा बल श्रीनगर, गढ़वाल को प्रथम वाहिनी के रूप में फिर से डिजाइन किया गया था। 26 सितंबर, 2002 को, प्रथम वाहिनी को श्रीनगर, गढ़वाल से डीडीहाट, उत्तराखंड में स्थानांतरित कर दिया गया था। जुलाई 2009 में फिर से प्रथम वाहिनी को डीडीहाट से उत्तर प्रदेश के जिला महाराजगंज में स्थानांतरित कर दिया गया और 1 जून, 2018 को प्रथम वाहिनी को सोनापुर में अपने वर्तमान स्थान पर स्थानांतरित कर दिया गया। कार्यक्रम की शुरुआत में, अनुज कुमार, द्वितीय- कमान-अधिकारी, प्रथम वाहिनी ने शहीद स्मारक पर शहीदों को पुष्पांजलि अर्पित की। इसके बाद उन्हें गार्ड ऑफ ऑनर से सम्मान दिया गया। इस अवसर पर आरके भांबला, महानिरीक्षक, सीमांत मुख्यालय गुवाहाटी मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थे। इस अवसर पर प्रो डॉ. शंकरज्योति बासुमतारी, डीन, एलएनआईपीई गुवाहाटी, सोनम बोध, उप-महानिरीक्षक, सीमांत मुख्यालय गुवाहाटी, डॉ. शैलेंद्र कौर, उप-महानिरीक्षक (चिकित्सा), सीमांत मुख्यालय गुवाहाटी, दिसांता पांडे, स्टेट बैंक ऑफ इंडिया के शाखा प्रमुख, अन्य अधिकारियों, कर्मचारियों और स्कूली छात्र समारोह में शामिल थे। बल के कर्मियों, स्वयंसिद्धा सदस्यों और बच्चों के लिए मनोरंजक खेल कूद का आयोजन किया गया एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम का भी आयोजन किया गया।

पूसीरे में विद्युतीकरण कार्य जोरों पर

गुवाहाटी (हिंस)। जीवाश्म ईंधन पर निर्भरता को कम करने के लिए भारतीय रेलवे विश्व में सबसे बड़ा *ग्रीन रेलवे* बनने के लिए मिशन मोड में कार्य कर रहा है। पूर्वोत्तर सीमा रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी सब्यसाची डे ने बताया कि पूर्ण विद्युतीकरण के प्रयास में पूसी रेलवे ने शुद्ध शून्य कार्बन उत्सर्जन प्राप्त करने के अपने लक्ष्य के अंश के रूप में, 1788.584 आरकेएम (रूट किलोमीटर) का विद्युतीकरण हासिल किया है। जो इस नेटवर्क के कुल 4348 आरकेएम का 41.13 फीसदी है। इस जोन ने दिसंबर तक अपने संपूर्ण रूट किलोमीटर को विद्युतीकृत करने की योजना बनायी है। पूर्वोत्तर राज्यों में कुल 2975.23 किलोमीटर रूट का विद्युतीकरण किया जाना है। पूर्वोत्तर के कुल विद्युतीकृत रूट में से असम के 748.409 किलोमीटर और मेघालय के 9.58 किलोमीटर पहले ही विद्युतीकृत किए जा चुके हैं। मेघालय को पहली बार 15 मार्च को इलेक्ट्रिक ट्रेन मिली। इसके अलावा पूसी रेलवे के क्षेत्राधिकार के अधीन बिहार में 285.869 किलोमीटर और पश्चिम बंगाल में 744.726 किलोमीटर पहले ही विद्युतीकरण किया जा चुका है।

225 स्कूलों के खिलाफ सीबीआई में मामला दर्ज

गुवाहाटी (हिंस)। असम में अल्पसंख्यक छात्रवृत्ति में घोटाले का बड़ा मामला सामने आया है। राज्य के 225 स्कूलों के खिलाफ सीबीआई में मामला दर्ज किया गया है। आरोपों के अनुसार बगैर छात्र-छात्रों के ही शिक्षण संस्थानों ने छात्रवृत्ति की रकम निकाल ली थी। इस पूरी प्रक्रिया में बैंक के भी जुड़े होने का संदेह जताया जा रहा है।

यौन शोषण : कर्मचारी वाजिद हुसैन निलंबित

तिनसुकिया (हिंस)। तिनसुकिया में जिला आयुक्त कार्यालय के कर्मचारी वाजिद हुसैन को सेवा से निलंबित कर दिया गया है। जिला आयुक्त ने कारण बताओ नोटिस का जवाब नहीं देने के लिए जिला आयुक्त के कर्मचारी को निलंबित कर दिया। वाजिद हुसैन पर एक किशोरी का यौन उत्पीड़न करने का आरोप लगा है। तिनसुकिया आयुक्त कार्यालय के इस कर्मचारी के खिलाफ लगे यौन उत्पीड़न के आरोपों के अनुसार पिछले तीन-चार साल से एक रिश्तेदार किशोरी का शारीरिक मानसिक और यौन उत्पीड़न करने का आरोप है। आरोपित वाजिद हुसैन के खिलाफ पॉक्सो एक्ट की कई धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया है। आयुक्त कार्यालय का कर्मचारी फिलहाल अपने परिवार के साथ फरार है। इस घटना से पूरे तिनसुकिया में सनसनी फैल गई है।

मोरीगांव में रेलवे के खिलाफ प्रदर्शन

मोरीगांव (हिंस)। मोरीगांव में एक रेलवे क्रॉसिंग गेट की मांग को लेकर गुस्साए लोगों का गुस्सा आज फूट पड़ा। स्थानीय लोगों ने रेल लाइन को अवरुद्ध कर दिया। तीन-तीन यात्री ट्रेनों को रोक दिया। लंबे समय से रेलवे ने मोरीगांव जिले के सनोवाबड़ी में एक अस्थायी रेलवे क्रॉसिंग गेट स्थापित किया हुआ है। जिसका खामियाजा स्थानीय पैदल चलने वालों और छात्रों को भुगतना पड़ता है।

पृष्ठ एक का शेष

जबरन वसूली मामले ...

उनमें से, इंजमामुल हुसैन पूर्व बजाली एएसपी (मुख्यालय) गायत्री सोनोवाल के निजी सुरक्षा अधिकारी (पीएसओ) हैं। आरोपी ने कथित तौर पर एक सुपारी व्यापारी से 3 करोड़ रुपए की मांग की थी। पुलिस अधिकारियों ने पैसे की मांग करते हुए व्यापारी को *एनकाउंटर* करने की भी धमकी दी थी। व्यापारी ने कथित तौर पर उन्हें 10 लाख रुपए नकद दिए थे। पुलिस ने उनसे तीन लग्जरी गाड़ियां खरीदने की भी मांग की। हालांकि, जब पुलिस उसे धमकाई व्यापारी ने उच्च अधिकारियों और भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो से संपर्क किया। शिकायत के आधार पर मामले में आगे की कार्रवाई के लिए उन्हें सीआईडी कार्यालय लाया गया। उल्लेखनीय है कि आरोपी पुलिस अधिकारियों में डीएसपी पुष्कल गोगोई भी एपीएससी कैश-फॉर-जॉब घोटाले के आरोपियों में शामिल हैं।

अतिक्रमण हटाने के ...

बेदखल होने के बजाय मर जाना पसंद करेंगी। पुलिस ने भीड़ को तितर-बितर करने की कोशिश की, लेकिन महिलाएं नहीं मानीं। इस बीच पुलिस प्रशासन ने कई प्रदर्शनकारियों को हिरासत में लिया है। रिपोर्टों के अनुसार बेदखली अभियान के लिए सिलसाको बील क्षेत्र में आज दिन के शुरुआती घंटों में हजारों से अधिक पुलिसकर्मियों को तैनात किया गया था। ऐसा तब हुआ जब वहां के निवासियों ने राज्य सरकार से पीड़ितों के पुनर्वास की मांग की। स्थानीय लोगों का दावा है कि बिना किसी पूर्व सूचना के जिला प्रशासन ने 31 अगस्त को फिर से बेदखली अभियान शुरू किया है। प्रदर्शनकारियों में ज्यादातर बेदखल किए गए परिवार शामिल थे, जिन्होंने बिना किसी पूर्व सूचना या पहले से प्रभावित व्यक्ति के पुनर्वास के बिना एक और बेदखली अभियान के सरकार के फैसले के खिलाफ नारे लगाए। हम पिछले पांच महीनों से लड़ रहे हैं। क्योंकि, उन्होंने हमारे घर तोड़ दिए। हम दोबारा ऐसा नहीं होने देंगे और यह जमीन पूंजीपतियों को नहीं देने देंगे। एक प्रदर्शनकारी ने कहा कि हम अपने अधिकारों के लिए लड़ेंगे।

आंदोलनकारियों के विरुद्ध ...

प्रशासन द्वारा आज अतिक्रमण हटाने के लिए पहुंचने के दौरान उत्पन्न की गई बाधा निंदनीय है। मुख्यमंत्री ने कहा कि सबकी सहमति वाले स्थान पर ही आज अतिक्रमण हटाया जाना था। आंदोलनकारियों के बारे में मुख्यमंत्री ने कहा कि सभी आंदोलन करने वाले लोग एक संगठन से संबद्ध हैं। इनका काम जहां भी आंदोलन हो वहीं पहुंचना है। मुख्यमंत्री ने कहा कि इन सभी के विरुद्ध कठोर कार्रवाई करने का पुलिस को निर्देश दिया गया है।

कॉम समुदाय की...

से मेरे समुदाय के खिलाफ संदेह होते हैं और सभी समस्याओं के बीच में फंसे हुए हैं। कमजोर आंतरिक प्रशासन और एक छोटा अल्पसंख्यक जनजातिय समुदाय होने के कारण हम अपने अधिकार क्षेत्र में घुसपैठ करने वाली किसी भी ताकत के खिलाफ लड़ने में सक्षम नहीं हैं। पद्म विभूषण पुरस्कार विजेता ने कहा कि हम दोनों युद्धरत समूहों को कोम गांवों में घुसपैठ से रोकने के लिए सुरक्षा बलों की मदद चाहते हैं। उन्होंने भारतीय सेना, अर्धसैनिक बल और राज्य बलों के सभी तैनात दलों से अनुरोध किया कि वे सुरक्षा संबंधित मामलों में निष्पक्ष रहें और राज्य में शांति और सामान्य स्थिति बनाए रखने में सफल हो। पूर्व राज्यसभा सदस्य ने मणिपुर में सभी लोगों, विशेष रूप से मैतेई और कुकी समुदाय से मतभेदों को दूर करने और राज्य में शांति और सामान्य स्थिति बहाल करने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि हम सभी को सह-अस्तित्व की जरूरत है, इसलिए आइए अपने मतभेदों और घावों को दूर करें और एकजुट हो जाएं।

असम नामावली में ...

ऑफलाइन फॉर्म जमा करना बंद कर दिया गया है। मतदाता सूची का मसौदा 1 दिसंबर को प्रकाशित किया जाएगा और दावे और आपत्तियां 31 दिसंबर तक दर्ज की जाएंगी। अंतिम नामावली 31 जनवरी, 2024 को प्रकाशित की जाएंगी। इसी बीच, अगले साल के लोकसभा चुनावों के लिए वोटिंग मशीनों की प्रथम स्तर की जांच शुक्रवार से शुरू होगी और 29 सितंबर तक जारी रहेगी। गोयल ने एक बैठक में कहा कि बुधवार को राज्य के सभी राष्ट्रीय और राज्य राजनीतिक दलों के साथ एक बैठक की गई, जहां विशेष सारांश पुनरीक्षण, 2024 की अनुसूची के बारे में बताया गया और उन्होंने पूरी प्रक्रिया के दौरान उनका सहयोग मांगा। चुनाव आयोग ने राज्य में परिसीमन की कवायद की थी और 11 अगस्त को अंतिम रिपोर्ट प्रकाशित की थी, जिसमें एक संसदीय और 19 विधानसभा क्षेत्रों के नामकरण को संशोधित करते हुए क्षेत्रों की संख्या 126 और लोकसभा सीटों की संख्या 14 बरकरार रखी गई थी। चुनाव आयोग के बयान में 19 विधानसभा और दो लोकसभा क्षेत्रों को अनुसूचित जनजाति (एसटी) के लिए आरक्षित किया गया था, जबकि एक लोकसभा और नौ विधानसभा क्षेत्रों को अनुसूचित जाति (एससी) के लिए आरक्षित किया गया है। 2001 की जनगणना के आधार पर राज्य के सभी विधानसभा और संसदीय निर्वाचन क्षेत्रों का परिसीमन (फिर से तैयार) किया गया था। असम में अंतिम परिसीमन प्रक्रिया 1971 की जनगणना के आधार पर 1976 में हुई थी।

देश के विकास में ...

रिपोर्ट तैयार करेगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि पूरे देश में एक साथ चुनाव होने से कई प्रकार की परेशानी समाप्त हो जाएगी और भारत विश्व गुरु बनने की ओर अग्रसर होगा। उधर असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने *एक-राष्ट्र, एक-चुनाव* के मुद्दे को संबोधित करने के लिए पूर्व राष्ट्रपति राम नाथ कोविंद के नेतृत्व में एक समिति बनाने के लिए प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी की सराहना की है। शर्मा ने इस बात पर संतोष व्यक्त किया कि राम नाथ कोविंद जैसे प्रतिष्ठित व्यक्ति ने समिति का नेतृत्व करने के लिए प्रधान मंत्री के निमंत्रण को स्वीकार कर लिया है। शर्मा ने इस निर्णय के महत्व पर प्रकाश डाला और इस बात पर जोर दिया कि भारत में कई चुनावों में पर्याप्त वित्तीय लागत आती है और अक्सर निरंतर चुनाव चक्र के कारण देश का विकास बाधित होता है। उन्होंने समकालिक राष्ट्रीय और राज्य चुनावों के संभावित लाभों, जैसे लागत में कमी और पांच साल की अवधि में निरंतर विकास को मान्यता देने के लिए पीएम मोदी की सराहना की। शर्मा ने कल्पना की है कि यह पहल भारत को वैश्विक नेतृत्व की स्थिति में पहुंचा सकती है और उन्होंने समिति को पीएम मोदी का राष्ट्र के लिए एक मूल्यवान योगदान माना। शर्मा ने असम के लोगों की ओर से एक-राष्ट्र, एक-चुनाव की दिशा में यह साहसिक कदम उठाने के लिए पीएम मोदी को बधाई और शुभकामनाएं देते हुए अपनी टिप्पणी समाप्त की। उन्होंने रामनाथ कोविंद को उनकी नई जिम्मेदारी के लिए बधाई भी दी।

असम देश के विकसित ...

जाने पर कार्य जारी है। स्वास्थ्य और शिक्षा के क्षेत्र में असम धीरे-धीरे एक विरल राज्य की ओर अग्रसर हो रहा है और आने वाले समय में भारत के विकसित राज्य के नंबर एक या दो में असम की गिनती होगी। वर्ष 2014 में एमबीबीएस की सीट 726 थी परंतु इस वर्ष हमने सीटों की संख्या बढ़ाकर 1500 कर दी है। पोस्ट ग्रेजुएट के लिए 395 सीट से बढ़ाकर हमने 722 कर दी है। वहीं मुख्य मंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी की प्रसंशा करते हुए कहा कि समग्र देश में स्वास्थ्य और शिक्षा के लिए एक आंदोलन चल रहा है। वर्ष 2014 में देश में 387 चिकित्सा महाविद्यालय थे मोदी जी के 9 वर्ष के कार्यकाल में इनकी संख्या बढ़कर 596 हो गई है। सभा में नगांव सदर विधायक रुपक शर्मा, बढ़हमपुर के विधायक जीतू गोस्वामी, रोहा के विधायक शशिकांत दास, राज्य के स्वास्थ्य, शिक्षा और शोधकार्य विभाग के आयुक्त सचिव डॉ सिद्धार्थ सिंह, नगांव जिला के आयुक्त नरेंद्र कुमार साह, नगांव जिला चिकित्सा महाविद्यालय के अध्यक्ष डॉ मिहिर कांत गोस्वामी, राष्ट्रीय स्वास्थ्य अभियान के कार्यकारी संचालक मनोज चौधरी, अधीक्षक अभियंता पी वर्मन सहित काफी संख्या मे गणमान्य लोग उपस्थित थे।

बिन विवाह के पैदा ...

में, विवाह को रद्द करने के लिए शून्यता की किसी डिक्री की जरूरत नहीं होती है। जबकि शून्यकरणीय विवाह में शून्यता की डिक्री की आवश्यकता होती है। शून्य विवाह एक ऐसा विवाह है जो शुरुआत से ही अमान्य है जैसे कि विवाह अस्तित्व में नहीं आया हो। शीर्ष कोर्ट का फैसला 2011 की उस याचिका पर आया है जो इस जटिल कानूनी मुद्दे से संबंधित थी कि क्या गैर-वैवाहिक बच्चे हिंदू कानूनों के तहत अपने माता-पिता की पैतृक संपत्ति में हिस्सेदारी के हकदार हैं।

इंडिया कोऑर्डिनेशन कमेटी...

गई। मीटिंग में विपक्षी दलों के नेताओं के बीच तालमेल बिठाने के लिए 13 लोगों के सदस्यों की कोऑर्डिनेशन कमेटी का गठन किया गया है। विपक्षी गठबंधन की मीटिंग में बड़ा फैसला लिया गया है। विपक्ष के नेताओं के बीच तालमेल बिठाने के लिए विपक्ष ने 13 सदस्यो की कोऑर्डिनेशन कमेटी बनाई है। इस कमेटी में कांग्रेस पार्टी महासचिव केसी वेणुगोपाल, एनसीपी के शरद पवार, डीएमके के एमके स्टालिन, शिवसेना से संजय राउत, आरजेडी के तेजस्वी यादव, टीएमसी के अभिषेक बनर्जी, आप के राघव चड्ढा, सपा से जावेद खान, जदयू से लल्लन सिंह, जेएमएम के हेमंत सोरेन, डी राजा, एनसी के उमर अब्दुल्ला और पीडीपी की महबूबा मुफ्ती को शामिल किया गया है। हालांकि, अभी इसका कन्वेनर नहीं बनाया गया है। सूत्रों ने बताया कि आगामी लोकसभा चुनाव के लिए 30 सितंबर तक सीटों के तालमेल का काम पूरा कर लिया जाएगा। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने विपक्षी गठबंधन इंडिया के घटक दलों के नेताओं का आह्वान कि वे आने वाने कुछ महीनों में प्रतिशोध की और कार्रवाई, छापेमारी तथा गिरफ्तारी के लिए तैयार रहें क्योंकि यह गठबंधन जमीन पर जितना मजबूत होगा, सरकार उसके खिलाफ कानून प्रवर्तन एजेंसियों का उतना ही ज्यादा दुरुपयोग करेगी। उन्होंने विपक्षी गठबंधन की तीसरी बैठक में यह आरोप भी लगाया कि भारतीय जनता पार्टी सभी एजेंसियों और संस्थाओं पर पूर्ण नियंत्रण चाहती है। खरगे ने कहा कि हमारी पिछली दोनों बैठकों की सफलता इस आधार पर तय की जा सकती है कि प्रधानमंत्री ने अपने बाद के भाषणों में न केवल इंडिया पर हमला किया है, बल्कि हमारे प्यारे देश के नाम की तुलना एक आतंकवादी संगठन और गुलामी के एक प्रतीक से की। उन्होंने कहा कि हमें आने वाले महीनों में इस सरकार की प्रतिशोध की राजनीति के कारण होने वाले और हमलों, अधिक छापेमारी और गिरफ्तारियों के लिए तैयार रहना चाहिए। इंडिया गठबंधन की बैठक में मिशन चंद्रयान की कामयाबी के लिए इसरो को बधाई दी गई है। बता दें कि, 23 अगस्त को इसरो ने चंद्रयान-3 मिशन को चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव पर सफल लैंडिंग करा कर इतिहास रच दिया है। भारत चंद्रमा के साउथ पोल पर लैंडिंग कराने वाला दुनिया का पहला देश बन गया है जबकि चंद्रमा की सतह को छूने के मामले में चौथा देश। पहले से जारी अपडेट के मुताबिक, शिवसेना (उद्धव ठाकरे गुट) की सांसद प्रियंका चतुर्वेदी ने कहा कि विपक्ष की बैठक में जो भी फैसला लिया जाएगा वह प्रेस कॉन्फ्रेंस में बताया जाएगा। मीटिंग में आज सीटों को लेकर चर्चा होगी। मुझे यकीन है कि चर्चा के बाद व्यापक निर्णय लिए जाएंगे। आज देश किसानों के मुद्दों, बढ़ती बेरोजगारी, चीन की आक्रामकता का सामना कर रहा है। अगर विशेष सत्र इन सभी मुद्दों को संबोधित करेगा तो इसका स्वागत है। अगर ऐसा होगा इन मुद्दों से ध्यान भटकाने के लिए इसका इस्तेमाल किया जाए तो इससे पता चलता है कि बीजेपी घबरा गई है। मैं उनसे (केंद्र सरकार) पूछना चाहता हूं कि महंगाई, भ्रष्टाचार, बढ़ती बेरोजगारी, महिला आरक्षण पर समिति कब बनेगी। बैठक में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे, कांग्रेस संसदीय दल की प्रमुख सोनिया गांधी, पार्टी के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी, तृणमूल कांग्रेस की प्रमुख एवं पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी, द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) नेता एवं तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम. के. स्टालिन, जनता दल (यूनाइटेड) के नेता एवं बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार, राष्ट्रीय जनता दल के प्रमुख लालू प्रसाद, बिहार के उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव, राकांपा नेता शरद पवार, शिवसेना (यूबीटी) के प्रमुख उद्धव ठाकरे और कई अन्य विपक्षी दलों के नेता शामिल हैं। विपक्षी गठबंधन के नेताओं का कहना है कि मुंबई की बैठक में 28 दलों के 63 प्रतिनिधि भाग ले रहे हैं। इससे पूर्व गुरुवार देर शाम इन नेताओं ने रात्रि भोज से पहले अनौपचारिक बैठक की। रात्रिभोज का आयोजन महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री और शिवसेना (यूबीटी) के प्रमुख उद्धव ठाकरे ने किया था। माना जा रहा है कि इसमें विपक्षी नेताओं ने शुक्रवार को होने वाली औपचारिक बैठक का एजेंडा तय करने समेत कई प्रमुख बिंदुओं पर चर्चा की थी। गठबंधन ने बुधवार को विश्वास जताया था कि वह देश में राजनीतिक बदलाव के लिए एक मजबूत विकल्प प्रदान करेगा और उसके पास प्रधानमंत्री पद के लिए कई चेहरे हैं, जबकि भाजपा के पास *केवल एक चेहरा* है। विपक्षी गठबंधन की यह तीसरी बैठक है। पहली बैठक जून में पटना में, जबकि दूसरी बैठक जुलाई में बेंगलुरु में हुई थी, जहां इसे इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इनक्लूसिव अलायंस (इंडिया) नाम दिया गया। गठबंधन एक समन्वय समिति की घोषणा कर सकता है, जिसमें प्रमुख विपक्षी दलों के 11 सदस्य हो सकते हैं। गठबंधन का एक लोगो भी जारी किया जाएगा। बैठक के दौरान विपक्षी गठबंधन का साझा न्यूनतम कार्यक्रम का मसौदा तैयार करने, देशभर में आंदोलन करने की संयुक्त योजना बनाने और सीट बंटवारे पर चर्चा के लिए कुछ उप-समूह बनाने पर भी बातचीत हो सकती है। कांग्रेस नेता पृथ्वीराज चव्हाण ने गुरुवार शाम को कहा कि गठबंधन के नेता शुक्रवार को होने वाली बैठक में सीट-बंटवारे के तौर-तरीकों, समन्वय समिति और साझा न्यूनतम कार्यक्रम बनाने पर चर्चा करेंगे।

जी 20 बैठक में ...

मूर्तिकला, और पाटन पटोला हस्तकला को शामिल किया है। प्राकृतिक विरासत कैटेगरी में हिमालय, गंगा, गंगासागर, बंगाल टाइगर, और लिविंग रूट ब्रिज को डिजिटल रूप से प्रदर्शित किया जाएगा। इसके साथ आयोजन स्थल पर लोकतंत्र पर भी एक खास प्रदर्शनी लगाई जाएगी, जिसमें भारत की तरफ से ऋग्वेद को शामिल किया गया है। मंत्रालय के मुताबिक इस प्रदर्शनी का अनावरण 9 सितंबर को जी20 लीडर्स समिट के आयोजन स्थल भारतमंडपम में किया जाएगा। जो बैठक के बाद लोगों के लिए भी खोली जाएगी। उल्लेखनीय है कि जी 20 बैठक में यह पहली बार है जब विरासत परियोजना के रूप संस्कृति गलियारे की कल्पना की गई है। संस्कृति गलियारा विविध सांस्कृतिक अभिव्यक्तियों की समझ और सराहना को बढ़ावा देने, ज्ञान साझा करने, समानता और साझा पहचान की भावना को बढ़ावा देने के लिए एक शक्तिशाली मंच के रूप में काम करेगा। कल्चर कॉरिडोर को भविष्य के संग्रहालयों के एक मिश्रित रूप के रूप में डिजाइन किया गया है। दुनिया के कौशल, कला और इतिहास को प्रदर्शित करने के लिए 29 देशों की सबसे महत्वपूर्ण सांस्कृतिक वस्तुएं प्रदर्शित की जाएंगी। 180-डिग्री इमर्सिव स्क्रीन आगंतुक को एक ऐसे क्षेत्र में ले जाएगी, जो दुनिया की प्राकृतिक और अमूर्त सांस्कृतिक विरासत की झलक दिखाएगा। प्रदर्शनी में 12 फुट का डिजिटल क्यूब भी प्रदर्शित किया जाएगा जो एनामॉर्फिक सामग्री के माध्यम से प्रतिष्ठित उत्कृष्ट कृतियों को प्रदर्शित करेगा। कॉरिडोर में कई स्क्रीन लगाई गई हैं, जिसमें सभी 29 देशों की सांस्कृतिक झलक 30-30 सेकंड तक देखी जा सकेगी।

मोदी सरकार के ...

उनके चुनाव अभियानों में काफी बचत लाएगा। सरकार ने *एक राष्ट्, एक चुनाव* की संभावनाएं तलाशने के लिए पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद की अध्यक्षता में एक समिति का गठन किया है। इससे लोकसभा चुनाव का समय आगे बढ़ने की संभावनाओं के द्वार खुल गए हैं ताकि इन्हें कई राज्यों में होने वाले विधानसभा चुनावों के साथ ही संपन्न कराया जा सके। अधिकारियों ने कहा कि लोकसभा और विधानसभा चुनावों (उपचुनावों सहित) के परिणामस्वरूप आदर्श आचार संहिता लंबे समय तक लागू होती है और इसका विकासात्मक और कल्याणकारी कार्यक्रमों पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है। उन्होंने यह भी कहा कि एक साथ चुनाव कराने के लिए संविधान के कम से कम पांच अनुच्छेदों में संशोधन की आवश्यकता होगी। इनमें संसद के सदनों की अवधि से संबंधित अनुच्छेद 83, राष्ट्रपति द्वारा लोकसभा भंग करने से संबंधित अनुच्छेद 85, राज्य विधानसभाओं की अवधि से संबंधित अनुच्छेद 172, राज्य विधानसभाओं के विघटन से संबंधित अनुच्छेद 174 और अनुच्छेद 356 जो राज्यों में राष्ट्रपति शासन लगाने से संबंधित है। इसके साथ ही भारत की शासन प्रणाली के संघीय ढांचे को ध्यान में रखते हुए सभी राजनीतिक दलों की आम सहमति की भी आवश्यकता होगी। इसके अलावा, यह जरूरी है कि सभी राज्य सरकारों की आम सहमति प्राप्त की जाए। इसके लिए अतिरिक्त संख्या में ईवीएम और वीवीपेट (पेपर ट्रेल मशीन) की भी आवश्यकता होगी, जिसकी लागत *हजारों करोड़ रुपए* होगी। एक मशीन का जीवन केवल 15 साल के होता है, इसका मतलब यह होगा कि एक मशीन का उपयोग उसके जीवन काल में लगभग तीन या चार बार किया जा सकेगा। उन्हें हर 15 साल में बदलने की आवश्यकता होगी। इस व्यापक लोकतांत्रिक प्रक्रिया के लिए अतिरिक्त मतदान कर्मियों और सुरक्षा बलों की भी आवश्यकता होगी। विभाग से संबंधित कार्मिक, लोक शिकायत, कानून और न्याय संबंधी संसद की स्थायी समिति ने अपनी 79वीं रिपोर्ट में इस बात पर प्रकाश डाला था कि दक्षिण अफ्रीका में राष्ट्रीय और प्रांतीय विधानसभाओं के चुनाव पांच साल के लिए एक साथ होते हैं और नगरपालिका चुनाव दो साल बाद होते हैं। स्वीडन में, संसद (रिक्सडैग) और प्रांतीय विधायिका/ काउंटी परिषद (लैंडस्टिंग) और स्थानीय निकायों / नगरपालिका विधानसभाओं (कोम्मुनफुलमाक्टिगे) के चुनाव एक निश्चित तारीख पर आयोजित किए जाते हैं। ब्रिटेन में, संसद का कार्यकाल निश्चित अवधि के संसद अधिनियम, 2011 द्वारा शासित होता है।

अब बढ़ेगी छापेमारी ...

झारखंड और छत्तीसगढ़ में भी ऐसा किया गया था। खड़गे ने दावा किया कि भाजपा एजेंसियों और संस्थानों पर पूर्ण नियंत्रण चाहती है। वह ईडी प्रमुख, सीबीआई निदेशक, चुनाव आयुक्तों या यहां तक कि देशभर की अदालतों के न्यायाधीशों की नियुक्ति को नियंत्रित करने पर अड़ी हुई है। कांग्रेस नेता ने कहा कि पिछले 9 सालों में भाजपा और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) ने जो सांप्रदायिक जहर फैलाया है, वह अब निर्दोष ट्रेन यात्रियों और निर्दोष स्कूली बच्चों के खिलाफ घृणा अपराधों के रूप में दिख रहा है। उन्होंने मणिपुर में हुई घटना के परोक्ष संदर्भ में कहा कि यह कोई आश्चर्य की बात नहीं है कि जब देश के एक हिस्से में भयावह बलात्कार में शामिल लोगों को रिहा किया जाता है और सम्मानित किया जाता है, तो दूसरे हिस्से में भयावह अपराधों और महिलाओं को निर्वस्त्र करके घुमाए जाने को बढ़ावा मिलता है। मोदी जी के भारत में करगिल युद्ध के वीर की पत्नी को भी नहीं बख्शा जाता। खड़गे ने कुछ हालिया घटनाओं की पृष्ठभूमि में कहा कि यह हाशिये पर पड़े लोगों के प्रति भाजपा सरकार की उदासीनता है जिसके कारण उनके नेता गरीब आदिवासियों और दलितों पर पेशाब करते हैं और दोषियों को खुलेआम घूमने के लिए छोड़ दिया जाता है। उन्होंने आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व वाली सरकार राज्यों को नियंत्रण में रखना चाहती है, राज्यों को कर राजस्व में उनके हिस्से से वंचित किया जा रहा है तथा विपक्ष शासित राज्यों को मनरेगा का बकाया नहीं दिया जा रहा है। खरगे ने कहा कि वित्त आयोग की अनुशंसा के अनुसार विशेष अनुदान और राज्य विशिष्ट अनुदान जारी नहीं किए जाते। निवेशकों को अपने निवेश और परियोजनाओं को विपक्ष शासित राज्यों से बाहर भाजपा शासित राज्यों में स्थानांतरित करने के लिए मजबूर किया जाता है। अडाणी समूह से जुड़े मामले में राहुल गांधी की प्रेस वार्ता का उल्लेख करते हुए कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा कि यह समझ से परे है कि प्रधानमंत्री इस मामले की जांच क्यों नहीं करा रहे हैं? खड़गे ने कहा कि तीन बैठकों के दौरान, इंडिया गठबंधन ने एक संयुक्त मोर्चे के रूप में संसद के भीतर और बाहर सरकार की सफलतापूर्वक जवाबदेही तय की है। हमारी ताकत सरकार को परेशान करती है और यही कारण है कि उसने संसद में मनमाने ढंग से विधेयकों को पारित करवाया, हमारे सांसदों को मामूली आधार पर निलंबित कर दिया, हमारे खिलाफ विशेषाधिकार प्रस्ताव दायर किया, हमारे माइक बंद कर दिए, हमारे विरोध प्रदर्शन को कवर करने के लिए कैमरों की अनुमति नहीं दी और हमारे भाषणों को खुलेआम संसद टीवी पर सेंसर कर दिया। कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा कि आज हमारे समाज का हर वर्ग – किसान, युवा, महिलाएं, हाशिए पर रहने वाला, मध्यम वर्ग, बुद्धिजीवी, गैर सरकारी संगठन और यहां तक कि पत्रकार भी – सभी भाजपा के निरंकुश कुशासन का शिकार हो रहे हैं। 140 करोड़ भारतीय नागरिक अपने दुखों से मुक्ति पाने की आशा में हमारी ओर देख रहे हैं। उन्होंने कहा कि एक सकारात्मक बात यह है कि इस देश के लोग हमारी आशा हैं। चंद्रयान-3 और इसरो के हमारे वैज्ञानिकों की सफलता, नीरज चोपड़ा और युवा शतरंज के जादूगर प्रज्ञानानंद जैसे खिलाड़ियों की सफलता हम सभी को गौरवान्वित करती है। मैं अगली पीढ़ी को प्रेरित करने के लिए उन सभी को उनकी सफलता पर बधाई देना चाहता हूं।

आभूषण की दुकान ...

पेंसिल्वेनिया, वर्जीनिया और फ्लोरिडा में भारतीय मूल के अमेरिकियों सहित एशियाई अमेरिकियों के स्वामित्व वाले आभूषण स्टोरों को निशाना बनाकर डकैती की साजिश रची। गिरोह ने नौ दक्षिण एशियाई लोगों के स्वामित्व वाले आभूषण दुकानों को निशाना बनाया, उनमें से चार दुकानें भारतीय मूल के लोगों की हैं। दस्तावेजों में कहा गया है कि लुटेरों ने दक्षिण एशियाई ज्वेलर्स की पहचान की और उन पर हमला किया। गिरोह ने डकैतियों को अंजाम देने के लिए कार लूटी और वाहन चुराए। पुलिस के मुताबिक यह गिरोह काले कपड़े, मुखौटे और दस्ताने पहनकर, बंदूक से लैस होकर डकैती करता था और भागने के लिए चोरी के वाहनों का इस्तेमाल करता था। प्रभारी सहायक निदेशक डेविड सुंदरबर्ग ने कहा कि आरोपितों ने एक शहर में छोटे व्यवसायों को निशाना बनाया और मेहनतकश परिवारों से हजारों डॉलर मूल्य के आभूषण चुराए। जिन नौ आभूषण दुकानों में लूटपाट की गई उनमें उत्तर-पूर्व में न्यू जर्सी के जर्सी सिटी के न्यूयॉर्क उपनगर से लेकर पेंसिल्वेनिया और वर्जीनिया से होते हुए दक्षिण-पूर्व में फ्लोरिडा तक में स्थित हैं। आरोपितों के पास से बंदूकें और एक आवास की तिजोरी से लगभग तीन लाख अमेरिकी डॉलर जब्त किए गए हैं।

स्वर्वेद भाष्य

पंचम मंडल **तृतीय अध्याय अध्याय**

अथर्ववेद कांड-10, सूक्त-7 स्कम्भ का स्वरूप विषयक प्रश्नों के उत्तर

(10)

सब अधार अस्कम्भ है, अन्तर अनुभव देव।
चेतन शब्द अखण्ड है, ऋषि मुनि जा कहँ सेव॥ 31॥

शब्दार्थ : (सेव) भक्ति।

भाष्य : जिस देव का आत्मा द्वारा अनुभव होता है, वह सर्वाश्रय स्कंभ, अखंड चेतन शब्द है, जिसकी ऋषि-मुनि भक्ति करते हैं।

सत्य असत्य के अन्तरे, अक्षर सुकृत धार।
वास्तव शब्द स्वरूप है, सो अस्कम्भ विचार॥ 32॥

शब्दार्थ : (अन्तरे) बाद (सुकृत) ब्रह्म, सद्गुरु (विचार) ज्ञान (अक्षर) प्रजापति।

भाष्य : जकत एवं उसका मूल कारण प्रकृति, अक्षर तथा सुकृत सद्गुरु की धार के पश्चात, जो चित्र शब्दस्वरूप है वही स्कंभ है।

भाजपा के संकल्प, कर्म और सोच का दस्तावेज *बीजेपी वार्ता* : भवेश कलिता

गुवाहाटी (हिंस)। प्रदेश भाजपा अध्यक्ष भवेश कलिता ने कहा है कि भारतीय जनता पार्टी के संकल्प, कर्म और सोच का दस्तावेज है बीजेपी वार्ता पत्रिका। इस पत्रिका में भाजपा सरकार द्वारा दिन-रात किए जा रहे जनहित में कार्यों का विस्तार पूर्वक व्यौरा प्रस्तुत किया गया है। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार की कर्मठता के कारण ही आज पार्टी के कार्यकर्ताओं का जनता के बीच सम्मान बढ़ा है। उन्होंने कहा कि भाजपा का यह मुखपत्र *बीजेपी वार्ता* असम के हर नागरिक के लिए पढ़ने योग्य है। ये बातें प्रदेश भाजपा अध्यक्ष ने वशिष्ठ स्थित प्रदेश भाजपा मुख्यालय अटल बिहारी वाजपेयी भवन में आयोजित *बीजेपी वार्ता* के विमोचन समारोह को संबोधित करते हुए कहीं। इस अवसर पर पार्टी के कई नेता एवं कार्यकर्ता मौजूद थे।

कांग्रेस बांग्लादेशी मुसलमानों को लेकर व्यस्त है : भाजपा

गुवाहाटी (हिंस)। प्रदेश भारतीय जनता पार्टी की प्रवक्ता डॉ. जूरी शर्मा बरदलै ने आरोप लगाया है कि कांग्रेस पूर्वी बंगाल मूल के एक संप्रदाय विशेष यानी बांग्लादेशी मुसलमानों को लेकर ही व्यस्त रहने वाली पार्टी है। कांग्रेस पार्टी ने कभी भी असमिया जाति के स्वार्थ को लेकर चिंतित नहीं रही। ये आरोप आज वशिष्ठ स्थित प्रदेश भाजपा मुख्यालय अटल बिहारी वाजपेयी भवन में आयोजित एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए भाजपा प्रवक्ता ने लगाई। उन्होंने कहा कि कांग्रेस के नेता पार्टी कार्यालय नहीं, बल्कि अपने लिए अष्टालिका बनाने में व्यस्त रहते हैं।

जबकि, भाजपा के पंचायत स्तर से शुरू करके प्रदेश स्तर तक के कार्यकर्ताओं ने अपनी जेब से पैसे जमा करके एक सुंदर पार्टी कार्यालय बनाया है। भाजपा प्रवक्ता ने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत बिस्व सरमा के नेतृत्व में असम जिस प्रकार दिन-रात विकास के मार्ग पर अग्रसर हो रहा है उसे कांग्रेस पार्टी हजम नहीं कर पा रही है। यही वजह है कि कांग्रेस के नेता अनाप-शनाप आरोप लगाते हैं और कपड़ा फाड़े फिरते हैं। पत्रकार सम्मेलन के दौरान भाजपा प्रवक्ता डॉ. जूरी शर्मा बरदलै ने कांग्रेस पार्टी तथा इसके नेताओं पर कई अन्य आरोप लगाए।

लायंस केयर का कांवड़िया सेवा शिविर संपन्न

गुवाहाटी (विभास)। सावन महीने की पूर्णिमा के दिन अंतिम शिविर लगाकर लायंस क्लब ऑफ गुवाहाटी केयर ने शिव भक्त कांवड़ियों को सेवा प्रदान की। क्लब की ओर से कांवड़ियों के लिए जल, शीतल पेय एवं बिस्किट आदि की व्यवस्था की गई। दिसपुर लास्ट गेट स्थित क्लॉक टावर के समीप पार्क पैनोरमा के सामने क्लब द्वारा दो अलग-अलग शिविर लगाकर करीब 3000 शिव भक्तों को शीतल पेय, जल एवं बिस्किट वितरित किया गया। इनमें से एक शिविर लायंस क्लब गुवाहाटी बिल्ड वैल के सहयोग से आयोजित किया गया। कार्यक्रम संयोजक अमित डागा के साथ-साथ क्लब के अध्यक्ष, सचिव, कोषाध्यक्ष एवं बड़ी संख्या में क्लब के सदस्यों के साथ-साथ उनके परिवारजन ने भी अपना पूरा सहयोग दिया। ज्ञात रहे क्लब हर वर्ष शिव भक्तों को अपनी सेवाएं देता आया है और इस वर्ष भी क्लब अध्यक्ष सुमन सूद के नेतृत्व में क्लब ने शिव भक्तों की सेवा का लाभ लिया है यही नहीं इसके साथ साथ सावन के अधिक मास महीने में क्लब की महिलाओं द्वारा घर में तैयार किए गए खीर, पूरी, हलवा, सब्जी इत्यादि भी करीब 1100 शिव भक्तों के बीच वितरित किया गया।

जग सिरमौर बनाएं भारत : गोविंद महंत

विद्या भारती पूर्वोत्तर ने की चिंतन बैठक आयोजित

गुवाहाटी। विद्या भारती के कार्य को सम्पूर्ण देश में 71 वर्ष पूर्ण हो चुके हैं। 2027 में विद्या भारती के अमृत महोत्सव वर्ष का आयोजन किया जाएगा। विद्या भारती के अब तक के कार्यों की प्रगति का सिंहावलोकन एवं आगामी एक दशक की कार्ययोजना हेतु देश में 15 स्थानों पर क्षेत्रस: चिंतन बैठकों का आयोजन किया गया। विद्या भारती पूर्वोत्तर क्षेत्र द्वारा 3 दिवसीय क्षेत्रीय चिंतन बैठक का आयोजन केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालय मणिपुर के शिलांग परिसर में किया गया। विद्या भारती के अखिल भारतीय संगठन मंत्री गोविंद चन्द्र महंत के मार्गदर्शन में बैठक संपन्न हुई। चिंतन बैठक में भारतीय शिक्षा दर्शन, विद्यालय गुणवत्ता विकास, छात्र एवं आचार्य विकास, मातृभाषा में शिक्षा, कौशल विकास, सामाजिक दायित्व बोध, राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 का क्रियान्वयन एवं ग्रामीण, जनजातीय, सीमावर्ती, तटवर्ती, दूरस्थ पर्वतीय क्षेत्र की शिक्षा के सम्बन्ध में विस्तार से विचार हुआ। गोविंद चन्द्र महंत ने कहा विद्या भारती का वैचारिक अधिष्ठान भारतीय शिक्षा दर्शन पर आधारित है। उन्होंने कहा विद्यालयों में हम भारत केंद्रित शिक्षा को सुदृढ़ बनाने हेतु कार्य कर रहे है। क्षेत्रीय चिंतन बैठक में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ असम क्षेत्र प्रचारक उल्हास कुलकर्णी, क्षेत्र प्रचारक प्रमुख अशोकन जी, विद्या भारती पूर्वोत्तर क्षेत्र के अध्यक्ष एवं त्रिपुरा केंद्रीय विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. गंगा प्रसाद परसाई, क्षेत्रीय मंत्री डॉ. जगदीन्द्र राय चौधुरी, क्षेत्रीय संगठन मंत्री डॉ. पवन तिवारी जी एवं पूर्वोत्तर राज्यों से 36 प्रतिभागी उपस्थित रहे।

पाठशाला बच्चों का पांच दिवसीय जैन तीर्थ यात्रा संघ रवाना

गुवाहाटी। वीतराग संस्कार वाटिका चौहटन की ओर से पांच दिवसीय तीर्थ यात्रा संघ संस्कार वाटिका के विद्यार्थियों, संचालक मंडल एवं अभिभावकों के साथ जैन समाज के गणमान्य नागरिकों की उपस्थिति में शांतिनाथ भगवान के जयकारों के साथ रवाना हुआ। जैन समाज के नागरिको ने हरी झंडी दिखाकर मंगल भावना के साथ यात्रा संघ को रवाना किया। वीतराग संस्कार वाटिका के सदस्य मुकेश छाजेड़ एवं हंसराज सिंघवी ने बताया कि पांच दिवसीय जैन तीर्थ यात्रा संघ में तीर्थ दर्शन वंदन के क्रम में गांधीधाम, शत्रुजय महातीर्थ, गिरनार महातीर्थ, भद्रेश्वर, 72 जिनालय, मांडवी, शिव मस्तु, गुण - पार्श्व धाम डेड़िया, कच्छ पंचतीर्थी सुथरी, कोठारा, जखाऊ, नलिया, तेरा तीर्थ गुजरात क्षेत्र के तीर्थ यात्रा सहित आचार्य भगवंत, उपाध्याय प्रवर एवं साधु साध्वी, भगवंतो के दर्शन वंदन करेंगे। वीतराग संस्कार वाटिका चौहटन के बैनर तले आयोजित यात्रा संघ गुरुवार को श्याम 7 बजे दो बसों में 125 तीर्थ यात्रियों का संघ रवाना हुआ। वीतराग संस्कार वाटिका द्वारा पाठशाला के विद्यार्थियों के लिए 7 वर्ष लगातार जैन तीर्थ यात्रा संग निकाला जाता है। उपस्थित जैन श्री संघ के अध्यक्ष गौतम चंद धारीवाल, ट्रस्टी हंसराज बोथरा, ट्रस्टी गौतमचंद डोसी, भवरलाल डोसी, बंशीधर धारीवाल, बाबूलाल डोसी, जगदीश डोसी, पुरुषोत्तम दास डोसी, पवन बोथरा, मांगीलाल भंसाली, गोतमचंद डोसी, गणपत मालू, पुखराज सेठिया, मदनलाल धारीवाल, प्रकाश धारीवाल, संजय पारख, बोहरीदास धारीवाल, कपिल मालू, आदि जैन समाज के गणमान्य लोगों ने हरी झंडी दिखाकर शांतिनाथ भगवान एवं आदिनाथ भगवान के जयकारे लगाकर संघ को रवाना किया।

मुख्यमंत्री की कलाई पर लायंस उमंग ने बांधा रक्षासूत्र

गुवाहाटी (विभास)। राज्य में सुख, शांति, समृद्धि एवं खुशहाली की कामना करते हुए लायंस क्लब ऑफ गुवाहाटी उमंग की सदस्याओं ने मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा की कलाई पर रक्षासूत्र बांधा। क्लब की जनसंपर्क अधिकारी प्रियंका गर्ग ने बताया कि अध्यक्ष कंचन पोद्दार के नेतृत्व में गए दल ने मुख्यमंत्री आवास में डॉ. शर्मा को तिलक लगाकर राखी बांधी एवं उनकी दीर्घायु की कामना की। इस दौरान सदस्याओं ने कैबिनेट मंत्री अशोक सिंहल, सांसद पल्लव लोचन दास सहित अन्य नेताओं को भी राखी बांध मुंह मीठा कराया एवं उपहार भेंट किया। इस मौके पर अध्यक्ष कंचन पोद्दार, सचिव संगीता अग्रवाल, कोषाध्यक्ष स्वाती चौधरी, प्रियंका गर्ग, कुसुम जैन, रेनु जैन, लीपिका मोदी, सुनिता पारीक, नीतू सराफ के अलावा लायंस गुवाहाटी के अध्यक्ष अजय पोद्दार भी मौजूद थे। वहीं दूसरी ओर लायंस जिला-322जी की वन डिस्ट्रिक्ट वन एक्टिविटी परियोजना के तहत नारंगी हाई स्कूल व सातगांव हाई स्कूल में नि:शुल्क मधुमेह जांच शिविर का आयोजन किया गया। शिविर को सफल बनाने में क्लब की सभी सदस्याओं का भरपूर सहयोग रहा।

तेयुप नगांव ने रक्षाबंधन पर किया कार्यशाला का आयोजन

नगांव (निसं)। अखिल भारतीय तेरापंथ युवक परिषद के निर्देशानुसार तेरापंथ युवक परिषद नगांव द्वारा तेरापंथ भवन में रक्षाबंधन कार्यशाला का आयोजन जैन संस्कार विधि अनुसार किया। कार्यक्रम का शुभारंभ नमस्कार महामंत्र संगान से हुआ। तेयुव सदस्य अमित ने मंगलाचरण गीतिका प्रस्तुत की। नवनियुक्त अध्यक्ष मनोज गुजरानी ने स्वागत भाषण देते हुए कहा कि जैनत्व के संस्कारो को घर घर तक पहुंचाने के अखिल भारतीय तेरापंथ युवक परिषद के लक्ष्य की ओर कार्य करने की उनकी योजना है और उसी के अंतर्गत रक्षाबंधन कार्यशाला का आयोजन किया गया है। साथ ही श्री गुजरानी ने कहा कि हर महिने के अंतिम रविवार को सामूहिक रूप से जन्म दिन व शादी की वर्षगांठ जैन संस्कार विधि के अनुसार आयोजित करेंगें। तेरापंथ सभा नगांव के अध्यक्ष जीवन मल सुराणा ने सभा को संबोधित करते हुए तेयुप के प्रयासो की भूरी भूरी प्रशंसा की। सभा में उपस्थित अखिल भारतीय तेरापंथ युवक परिषद के क्षेत्रीय सहयोगी

अजीत कोठारी ने जैन संस्कार विधि पर प्रकाश डालते हुए कहा कि जैन संस्कार विधि को जन जन की विधि बनाने पर जोर दिया जाना चाहिए। उन्होंने आभतेयुव के विभिन्न आयामो पर भी प्रकाश डाला। तेरापंथ महिला मंडल की अध्यक्ष ललिता बोथरा ने तेयुप द्वारा आयोजित कार्यशाला की प्रसंशा करते हुए कहा कि इस तरह के कार्यक्रम आगे भी करते रहे। तेरापंथ महिला मंडल की पूर्व अध्यक्ष सरला गुजरानी, तेयुप के पूर्व अध्यक्ष विकास कुहाड़, अजीत कोठारी के मंत्रोच्चारण के बीच सात भाई-बहन ने सामूहिक रक्षाबंधन मनाया। बाद में उपस्थित सभी ने जैन संस्कार विधि से त्योहार मनाने का संकल्प लिया। कार्यशाला का संचालन पीयूष पुगलिया ने किया। इस बीच अमित दुग्गड़ ने भाई-बहन पर आधारित गीत प्रस्तुत कर कार्यक्रम में चार चांद लगा दिए। धन्यवाद ज्ञापन के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ ।

भारी मात्रा में हेरोइन के साथ महिला तस्कर गिरफ्तार

कछार (हिंस)। एक गुप्त सूचना के आधार पर कछार पुलिस ने लखीपुर के भाग 4 के लाबोक गांव में मीना कुमारी सरमा के घर में मादक पदार्थों के परिवहन के खिलाफ एक विशेष अभियान चलाया। अभियान के दौरान 1.30 किलोग्राम संदिग्ध हेरोइन से भरे एक सौ साबुनदानी बरामद किए गए। पुलिस ने एक महिला मीना कुमारी सरमा (38 वर्ष, पुत्री संजीव कुमार सरमा, लबोक गांव भाग 4, लखीपुर) को गिरफ्तार कर लिया। मादक पदार्थ की यह खेप मणिपुर के चुराचांदपुर जिले से अवैध रूप से लाई गई थी। इस सिलसिले में कानूनी कार्रवाई की जा रही है।

पहली बार टी वाइन पेश करने के लिए पूरी तरह तैयार हैं उद्यमी आल्पना सैकिया

गुवाहाटी। गुवाहाटी की उद्यमी आल्पना सैकिया असम में चाय की पत्तियों से निर्मित शराब पेश करने के लिए तैयार हैं। कुछ नया बनाने की जिज्ञासु आल्पना सैकिया ने अपनी पूंजी और निजी शोध से आड़ू, केला, अंगूर, तरबूज और अनानास जैसे फलों से शराब बनाने के बाद पहली बार चाय से शराब बनाई है। 2017 में, शोधकर्ताओं ने साबित किया कि चाय का उपयोग सभी लाभों और ताजगी को बनाए रखते हुए उच्च गुणवत्ता वाली शराब बनाने के लिए किया जा सकता है, लेकिन आज तक किसी ने भी चाय-आधारित शराब का व्यवसायीकरण करने की कोशिश नहीं की है। 2019 में असम सरकार ने हेरिटेज वाइन के लिए लाइसेंस पेश किया। हालाँकि, टी वाइन को इस श्रेणी में शामिल नहीं किया गया था और अब आल्पना पहली महिला हैं जिन्होंने पहली बार टी वाइन के लाइसेंस के लिए आवेदन किया है। कुछ औपचारिकताओं के अलावा, हमारी लगभग सभी कानूनी प्रक्रियाएं पूरी हो चुकी हैं और हमें अपने करीबी लोगों से अच्छी प्रतिक्रिया मिली है, जिन्होंने चाय से बनी शराब का स्वाद चखा है। हमें उम्मीद है कि हमारा उत्पाद बाजार में प्रमुख स्थान हासिल करेगा और असम स्थित अन्य उत्पादों की तरह, टी वाइन को दुनिया भर में मान्यता मिलेगी, आल्पना सैकिया ने कहा। कई प्रक्रियाओं, विभिन्न प्रयोगों और सकारात्मक प्रतिक्रिया के बाद, अब आल्पना सैकिया असम में चाय से वाइन बनाने वाली पहली महिला बन जाएंगी। चाय की शराब अब व्यावसायिक लाइसेंस के लिए बिलकुल तैयार है और यह विशेष उत्पाद जल्द ही बाजार में उपलब्ध होने की उम्मीद है।

असम के राज्यपाल कटारिया को मानद उपाधि सम्मानित

गुवाहाटी (हिंस)। असम के राज्यपाल गुलाब चंद कटारिया को जनार्दन राय नागर राजस्थान विद्यापीठ (मानित विश्वविद्यालय) द्वारा सामाजिक कार्य में *डॉक्टर ऑफ लेटर्स* की डिग्री से सम्मानित किया गया है। वश्वविद्यालय के 18वें दीक्षांत समारोह में राज्यपाल को डिग्री प्रदान की गई है। एक बयान में राज्यपाल ने कहा कि मैं विश्वविद्यालय के इस भाव से कृतज्ञ हूं। जिसने समाज में मेरे योगदान को स्वीकार करते हुए मुझे डिग्री से सम्मानित किया है। यह एक सम्मान की बात है। क्योंकि, मैं हमारे समाज पर सकारात्मक प्रभाव डालने के लिए प्रतिबद्ध रहूंगा। राज्यपाल ने विश्वविद्यालय को उज्वल दिमागों के पोषण और राष्ट्र के विकास में योगदान देने के अपने नेक कार्य को जारी रखने की भी कामना की।

कावेरी अस्पताल, चेन्नई ने डिस्क प्रोलैप्स से पीड़ित युवक की एंडोस्कोपिक स्पाइन सर्जरी की

गुवाहाटी। तमिलनाडु की अग्रणी मल्टी-स्पेशियलिटी हेल्थकेयर श्रृंखला कावेरी हॉस्पिटल चेन्नई ने एंडोस्कोपिक स्पाइन सर्जरी के माध्यम से लंबर डिस्क हर्नियेशन से पीड़ित 16 साल के एक लड़के का सफलतापूर्वक इलाज किया। लंबर डिस्क हर्नियेशन एक ऐसी स्थिति है जिसमें डिस्क खिसक जाती है जिससे पीठ के निचले हिस्से और पैरों में दर्द होता है। दवाओं और फिजियोथेरेपी के बावजूद किशोर को दाहिने कूल्हे और पैर में असहनीय दर्द हो रहा था। अन्य केंद्रों पर जाने पर ओपन स्पाइन सर्जरी और लंबी अवधि के लिए आराम की सलाह दी गई, जिससे माता-पिता चिंतित हो गए क्योंकि किशोर को अपनी अंतिम परीक्षाओं की तैयारी करनी थी। बाद में उन्होंने कावेरी अस्पताल से परामर्श लिया। गहन जांच के बाद उसकी एंडोस्कोपिक रीढ़ की सर्जरी की गई, जो न्यूनतम इनवेसिव थी, और वह जल्दी ठीक हो गया। सर्जरी के उसी दिन लड़के को दर्द से राहत मिल गई। वह अपनी ऑनलाइन कक्षाओं और ट्यूशन में भाग लेने में सक्षम था, उसने अब अपनी अंतिम परीक्षा पूरी कर ली है। वह अब सामान्य जीवन जीता है, खेल खेलना जारी रखता है और सक्रिय रहता है। किशोरों में डिस्क प्रोलैप्स का प्रचलन बढ़ रहा है, जो उनकी दैनिक दिनचर्या को काफी हद तक बाधित कर सकता है और तनाव की मात्रा को दोगुना कर सकता है, खासकर परीक्षा जैसी महत्वपूर्ण घटनाओं के दौरान। हालाँकि, नियमित शारीरिक व्यायाम करके, स्वस्थ बैठने की मुद्रा अपनाकर, एर्गोनॉमिक रूप से डिजाइन की गई कुर्सियाँ और डेस्क जैसे उपयुक्त फर्नीचर का चयन करके और शरीर के आदर्श वजन को बनाए रखकर इस स्थिति को रोका जा सकता है। क्षेत्र में प्रगति के साथ अब हम न्यूनतम इनवेसिव सर्जरी करने में सक्षम हैं जो लोगों को जल्दी ठीक होने और कम समय में अस्पताल में रहने की सुविधा दे सकती है। यह उन किशोरों और युवा वयस्कों के लिए भी सबसे उपयुक्त है जो अपनी शिक्षा या खेल गतिविधियों से समझौता नहीं कर सकते। हमारे पास इस तरह के उन्नत उपचार करने के लिए सही विशेषज्ञता है। सही बुनियादी ढांचे के साथ मिलकर हम युवा लड़के की शिक्षा को प्रभावित किए बिना उसके लिए तत्काल समाधान प्रदान करने में सक्षम थे।

ऑनलाइन क्विज प्रतियोगिता कल

होजाई (निसं)। सर्व भारती क्रीड़ा संगठन के तत्वावधान में क्रीड़ा भारती असम प्रदेश पहले असमिया अंतरराष्ट्रीय स्वर्ण पदक विजेता और अर्जुन पुरस्कार प्राप्त भोगेश्वर बरुवा की जन्म जयंती के उपलक्ष पर *ऑनलाइन क्रीड़ा ज्ञान परीक्षा* (ऑनलाइन क्विज प्रतियोगिता) के साथ मनाने जा रहा है।

जनसंपर्क विभाग होजाई द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार प्रतियोगिता 3 सितंबर को सुबह 10 बजे से दोपहर 1 बजे के बीच ऑनलाइन आयोजित की जाएगी। उक्त प्रतियोगिता में 12 से 25 आयु वर्ग के छात्र भाग ले सकेंगे।

प्रतियोगिता में पहला पुरस्कार एक लाख रुपए होगा (1 पुरस्कार), दूसरा पुरस्कार 50 हजार (2 पुरस्कार), तीसरा पुरस्कार 25 हजार - (6 पुरस्कार), चौथा पुरस्कार 11 हजार (11 पुरस्कार) (क्षेत्र के अनुसार एक-एक होंगे)। अधिक जानकारी के लिए वेबसाइटर जाकर देखी जा सकती है।

जो होता है आचरण करने से होता है : आचार्य श्री

कार्यक्रम में आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत ने लिया हिस्सा

गुवाहाटी (विभास)। जो होता है आचरण करने से होता है अत: हम सबको आचरण करना प्रारंभ कर देना चाहिए। आचार्य श्री ने कहा है कि इंडिया नहीं भारत होना चाहिए। हम आचार्य श्री प्रमुख सागर जी महाराज की इस बात को पूरी तरह से स्वीकार करते हैं। अत: हम सब लोग इंडिया शब्द का उपयोग करना छोड़ दें और भारत शब्द का उपयोग करें। जो विशेष नाम होता है उसका भाषांतर नहीं होता है अत: अंग्रेजी बोलने वालों के सामने भी इंडिया न बोलकर भारत ही बोलना चाहिए। यह बातें राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रमुख मोहन भागवत ने फैंसी बाजार महावीर स्थल में सकल जैन समाज गुवाहाटी द्वारा आयोजित एक समारोह में कहीं। गौरतलब है कि सकल जैन समाज गुवाहाटी के सौजन्य से राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ प्रमुख मोहन भागवत ने गुवाहाटी फैंसी बाजार स्थित भगवान महावीर धर्म स्थल में चातुर्मास संपन्न कर रहे असम के राजकीय अतिथि महान दिगंबराचार्य राष्ट्र संत प्रमुख सागर जी महाराज ससंघ 13 पिच्छी के 50वें स्वर्ण जयंती महोत्सव वर्ष के उपलक्ष में दर्शन कर आशीर्वाद लिया। इस अवसर पर आचार्य श्री ने अपने संबोधन में कहा कि मोहन भागवत का जन्म सितंबर महीने में है और इसी महीने में श्वेतांबर व दिगंबर जैन समाज का क्षमा याचना दिवस भी आता है। इस महीने में एक दिन ऐसा भी होना चाहिए जिसमें अपने कार्यालयों, स्कूल, कोर्ट आदि में जाने वाले लोग क्षमा वाणी का उच्चारण करें। इस दिन पूरे भारत में क्षमा दिवस के रूप में मनाया जाना चाहिए। आचार्य श्री ने सूर्य पहाड़ विकास के बारे में बोलते हुए कहां की ग्वालपाड़ा जिले में स्थित सूर्य पहाड़ एक ऐसा पहाड़ है जो हिंदुत्व को बहुत ऊंचाई तक साथ दे सकता है। जहां जैन, बुद्ध और सनातन धर्म के धार्मिक चिन्ह मौजूद हो वैसे क्षेत्र का विकास होना जरूरी है। सूर्य पहाड़ में 99, 999 शिवलिंग स्थापित है। इनमें दो और शिवलिंगों की स्थापना कर एक लाख एक शिवलिंग कर दिया जाए तो सूर्य पहाड़ भी महाकुंभ अयोध्या जैसा हो जाएगा। आचार्य श्री ने कृष्ण चरित्र को मोहन भागवत के चरित्र के समक्ष बोलते हुए कहा कि कृष्ण के तीन संदेश थे गीता, गाा और गोपी। गीत उनके जीवन का सार धा, गोपी जीवन का प्यार और गाय उनके जीवन का आधार था। यह तीनों चीज मोहन भागवत के पास है। इससे पहले महावीर छाबड़ा ने मोहन भागवत को तिलक लगाकर, महावीर जैन ने गमछा, विजय गंगवाल और ओमप्रकाश सेठी ने शॉल और महिला सदस्योंओ ने सराई देकर उनका सम्मान किया। आचार्य प्रमुख सागर जी द्वारा लिखित मेरी जेल यात्रा पुस्तक का विमोचन भी मोहन भागवत के कर कमरों से किया गया। इस अवसर पर महावीर जैन, महावीर छाबड़ा, अशोक छाबड़ा, विजय कुमार चूड़ीवाल, माणकचंद झांझरी, सुरेश कासलीवाल, मनीष छाबड़ा आदि मंच पर उपस्थित थे। श्री दिगंबर जैन विद्यालय की छात्राओं ने मोहन भागवत को राखी बांधकर उनसे आशीर्वाद लिया। प्रचार समिति के मुख्य संयोजक ओमप्रकाश सेठी और किशोर काला ने संयुक्त रूप से बताया कि कार्यक्रम के पश्चात रक्षाबंधन के दिन आचार्य श्री को स्वर्ण, रत्न और रजत की राखी बांधने वाले लाभार्थियों को आचार्य श्री ने उक्त राखियां उन्हें प्रदान की। कार्यक्रम में सकल जैन समाज के श्री जैन श्वेतांबर तेरापंथी सभा, श्री साधुमार्गी जैन श्रावक संघ, श्री वर्धमान स्थानकवासी जैन श्रावक संघ, श्री जैन श्वेतांबर मंदिरमार्गी के अध्यक्ष, मंत्री व अन्य सदस्य उपस्थित थे।

जी-20 शिखर सम्मेलन के दौरान चीन-पाकिस्तान सीमा पर गरजेंगे भारतीय वायु सेना के लड़ाकू विमान

- वायु सेना दोनों सीमाओं पर एक साथ 'त्रिशूल' नाम से प्रशिक्षण अभ्यास करेगी
- लद्दाख, हिमाचल, जम्मू-कश्मीर और पंजाब सहित उत्तरी क्षेत्र में होगा अभ्यास

नई दिल्ली, (हि.स.)। जी-20 शिखर सम्मेलन के लिए राजधानी दिल्ली में दुनिया के ताकतवर राष्ट्राध्यक्षों की मौजूदगी के बीच चीन और पाकिस्तान की सीमाओं पर भारतीय वायु सेना के लड़ाकू विमान गरजेंगे। भारतीय वायु सेना दोनों सीमाओं पर एक साथ 'त्रिशूल' नाम से प्रशिक्षण अभ्यास करेगी। 4 से 14 सितंबर तक यह अभ्यास लद्दाख, हिमाचल प्रदेश, जम्मू-कश्मीर और पंजाब सहित उत्तरी क्षेत्र में होगा। भारतीय वायु सेना ने 9 और 10 सितंबर को होने वाले जी-20 शिखर सम्मेलन के लिए अपने हथियारों और उपकरणों को हाई अलर्ट पर रखा है। वायु सेना इस समय राजधानी दिल्ली में शिखर सम्मेलन के दौरान हवाई सुरक्षा के मद्देनजर अभ्यास कर रही है। खासकर विदेशी मेहमानों को ठहराए जाने वाले होटलों और कार्यक्रम स्थल प्रगति मैदान के आसपास मॉक ड्रिल की जा रही है। जनपथ रोड स्थित होटल ली-मेरिडियन की छत पर वायु सेना ने अपने एमआई-17 हेलीकॉप्टर को उतारने का अभ्यास किया है, ताकि जरूरत पड़ने पर किसी भी ऑपरेशन को अंजाम दिया जा सके। शिखर सम्मेलन में शामिल होने के लिए दुनिया के 20 ताकतवर देशों के राष्ट्राध्यक्षों के अलावा तमाम वैश्विक नेता दिल्ली आ रहे हैं।भारतीय वायु सेना ने भी किसी भी संभावित हवाई खतरे से निपटने के लिए आकाश डिफेंस मिसाइल समेत अपनी सतह से हवा में मार करने वाली डिफेंस प्रणालियों को सक्रिय एक्टिव करना शुरू कर दिया है। सुरक्षा एजेंसियों ने अपने काउंटर-ड्रोन सिस्टम को भी सक्रिय कर दिया है, जहां वे किसी भी छोटे ड्रोन को जाम कर सकते हैं या जरूरत पड़ने पर उन्हें मार गिरा सकते हैं। वायु सेना ने अपने लड़ाकू विमानों को भी 'फ्लाइंग मोड' में रखने के निर्देश जारी किया है। जी-20 शिखर सम्मेलन के बीच वायु सेना ने चीन और पाकिस्तान सीमाओं के साथ उत्तरी क्षेत्र में 'त्रिशूल' नाम से प्रशिक्षण अभ्यास करने की योजना बनाई है। इसमें राफेल, मिराज-2000 और सुखोई-30 सहित लड़ाकू विमानों के सभी प्रमुख बेड़े हिस्सा लेंगे। इसके अलावा परिवहन हेलिकॉप्टर चिनूक और अपाचे सहित भारी लिफ्ट परिवहन विमान सी-17 अभ्यास में भाग लेंगे। इस अभ्यास में भारतीय वायु सेना के हवाई रिफ्यूलर, एयरबोर्न वार्निंग एंड कंट्रोल सिस्टम और एयरबोर्न अर्ली वार्निंग एंड कंट्रोल एयरक्राफ्ट शामिल होंगे। लद्दाख, हिमाचल प्रदेश, जम्मू-कश्मीर और पंजाब सहित उत्तरी क्षेत्र में 4 से 14 सितंबर तक होने वाले अभ्यास में गरुड़ विशेष बल भी हिस्सा होंगे।

चांद हमारा, अब सूरज की तरफ इशारा, आदित्य एल-1 का प्रक्षेपण आज

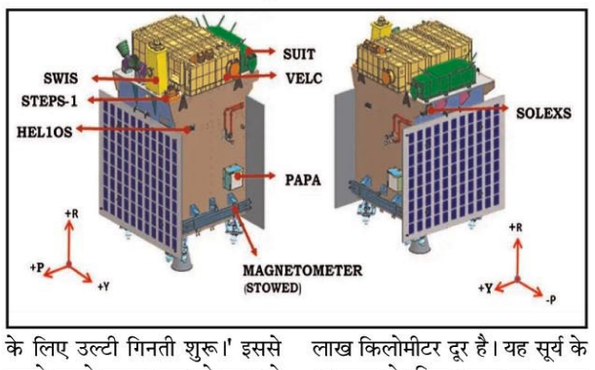

श्रीहरिकोटा (आंध्र प्रदेश), (हि.स.)। देश के पहले सौर मिशन 'आदित्य एल-1' के प्रक्षेपण की उल्टी गिनती शुरू हो गई है। इसे ध्रुवीय उपग्रह प्रक्षेपण यान (पीएसएलवी) से छोड़ा जाएगा। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) ने एक्स (पूर्व ट्विटर) पर यह खुशखबरी साझा की है। इसमें कहा गया है कि 23 घंटे 40 मिनट की उल्टी गिनती आज 12 बजकर 10 मिनट पर शुरू हुई। इस पोस्ट के अनुसार 'आदित्य एल-1' शनिवार पूर्वाह्न 11 बजकर 50 मिनट पर प्रक्षेपित किए जाने के लिए पूरी तरह से तैयार है। इस मिशन पर ऐसे समय अमल किया जा रहा है जब कुछ दिन पहले भारत का चंद्रयान-3 मिशन सफलतापूर्वक अपने लक्ष्य तक पहुंच चुका है। इसरो ने एक्स पर पोस्ट किया- 'पीएसएलवी-सी57 / आदित्य एल-1 मिशन : भारतीय समय के अनुसार दो सितंबर 2023 को पूर्वाह्न 11 बजकर 50 मिनट पर प्रक्षेपित करने के लिए उल्टी गिनती शुरू।' इससे पहले इसरो प्रमुख एस सोमनाथ ने यहां मीडिया से कहा था- 'रॉकेट और सैटेलाइट तैयार हैं। हमने प्रक्षेपण के लिए अभ्यास पूरा कर लिया है। नियत स्थान पर पहुंचने में 125 दिन लगेंगे।' इसरो की वेबसाइट के मुताबिक आदित्य एल-1 अंतरिक्ष यान को सूर्य के परिमंडल के दूरस्थ अवलोकन और एल-1 (सूर्य-पृथ्वी लैग्रेंजियन बिंदु) पर सौर हवा का वास्तविक अध्ययन करने के लिए डिजाइन किया गया है। यह पृथ्वी से लगभग 15 लाख किलोमीटर दूर है। यह सूर्य के अध्ययन के लिए भारत का पहला समर्पित मिशन है। भारत के इस मिशन पर दुनियाभर के वैज्ञानिकों को उम्मीद है कि सौर मिशन आदित्य एल-1 के माध्यम से एकत्र किए गए आंकड़ों का विश्लेषण करने के बाद सूर्य के अतीत, वर्तमान और भविष्य के बारे में नई जानकारी मिल सकेगी। आने वाले दशकों और सदियों में पृथ्वी पर संभावित जलवायु परिवर्तन को समझने के लिए यह आंकड़े महत्वपूर्ण साबित हो सकते हैं।

वर्षीय बुजुर्ग महिला से दुष्कर्म, दिल्ली महिला आयोग ने पुलिस को भेजा नोटिस

अजय त्यागी

नई दिल्ली। दिल्ली महिला आयोग की अध्यक्ष स्वाति मालीवाल ने 85 वर्षीय महिला के साथ दुष्कर्म के मामले में दिल्ली पुलिस को नोटिस जारी किया है। आयोग को बताया गया कि 85 साल की महिला दिल्ली के शकुरपुर इलाके की झुग्गी बस्ती में रहती है। वृद्धा ने बताया कि पति की मौत के बाद वह अपनी झुग्गी में अकेली रहती है। उन्होंने बताया कि आज सुबह करीब 04.00 बजे एक व्यक्ति जबरन उनकी झुग्गी में घुस आया और उनके साथ बलात्कार किया। उन्होंने यह भी कहा कि आरोपी ने उनके चेहरे पर मुक्का मारा, उनके होंठ को ब्लेड से काट दिए और उनका गला घोंटने की कोशिश की। दिल्ली महिला आयोग की अध्यक्ष स्वाति मालीवाल ने सदस्य वंदना सिंह के साथ वृद्धा से मुलाकात की। महिला गंभीर रूप से घायल है और उनके पूरे चेहरे और प्राइवेट पार्ट्स पर भी चोट के निशान हैं। दिल्ली महिला आयोग अध्यक्ष ने दिल्ली पुलिस को नोटिस जारी कर मामले में कार्रवाई रिपोर्ट मांगी है। उन्होंने मामले में दर्ज एफआईआर की कॉपी के साथ मामले में की गई गिरफ्तारियों की जानकारी मांगी है। आयोग ने महिला को सुरक्षा प्रदान करने के लिए दिल्ली पुलिस द्वारा उठाए गए कदमों का विवरण भी मांगा है। आयोग ने दिल्ली पुलिस से आगे पूछा है कि क्या उनके अधिकार क्षेत्र में अकेले रहने वाले बुजुर्गों की एक सूची पुलिस द्वारा रखी गई है और साथ ही उनसे बुजुर्गों की सुरक्षा के लिए उठाए गए कदमों की जानकारी देने को कहा है। दिल्ली महिला आयोग की अध्यक्ष स्वाति मालीवाल ने कहा, मैं उन वृद्ध महिला से मिलकर स्तब्ध हूं। वह बुरी तरह घायल हैं और उनके पूरे शरीर पर चोट के कई निशान हैं। उस शख्स ने ब्लेड से उनका होंठ भी काट दिया। उनकी हालत देखकर मुझे बहुत दुःख हुआ। कोई इतना क्रूर कैसे हो सकता है! वृद्धा की सुरक्षा करने में यह सिस्टम फेल हो गया है। आरोपियों को तुरंत गिरफ्तार कर कड़ी से कड़ी सजा दी जानी चाहिए। हम हर संभव तरीके से पीड़िता की सहायता करेंगे।

ईवीएम व वीवीपैट की प्रथम स्तरीय जांच को चुनौती वाली याचिका खारिज, हाई कोर्ट ने कहा- दिशा-निर्देश व सुरक्षा पर्याप्त

अजय कुमार

नई दिल्ली। दिल्ली हाई कोर्ट ने दिल्ली राज्य निर्वाचन आयोग की ओर से 2024 लोकसभा चुनाव के लिए दिल्ली के 11 जिलों में ईवीएम और वीवीपैट के प्रथम चरण की जांच को चुनौती देने वाली याचिका खारिज कर दी है। चीफ जस्टिस सतीश चंद्र शर्मा की अध्यक्षता वाली बेंच ने कहा कि प्रथम चरण की जांच के लिए दिए गए दिशा-निर्देश और सुरक्षा पर्याप्त हैं। कोर्ट ने कहा कि प्रथम चरण की जांच में न केवल भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड और इलेक्ट्रॉनिक्स कारपोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड के इंजीनियर शामिल होते हैं बल्कि मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों के प्रतिनिधि भी शामिल होते हैं लेकिन दिल्ली प्रदेश कांग्रेस कमेटी इस जांच प्रक्रिया में शामिल नहीं हुई और अब उसे चुनौती दे रही है। इसके पहले हाई कोर्ट ने 25 अगस्त को दिल्ली प्रदेश कांग्रेस कमेटी की याचिका पर सुनवाई करने से इनकार कर दिया था। याचिका में मांग की गई थी कि दिल्ली राज्य निर्वाचन आयोग ईवीएम और वीवीपैट के पहले चरण की जांच दोबारा करे। याचिका में कहा गया था कि राज्य निर्वाचन आयोग ईवीएम और वीवीपैट की जांच से पहले राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों को पर्याप्त नोटिस जारी करे ताकि दिल्ली प्रदेश कांग्रेस कमेटी भी इस प्रक्रिया में शामिल हो सके। याचिका में कहा गया था कि दिल्ली में 15 जुलाई से 30 जुलाई तक ईवीएम और वीवीपैट के पहले चरण की जांच तय की गई थी। इसके लिए 12 और 13 जुलाई को नोटिस जारी किया गया था। उसके बाद 15 जुलाई को दिल्ली प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अधिकृत प्रतिनिधि ने दिल्ली के सभी एसडीएम को पत्र लिखकर पहले चरण की जांच के लिए सभी ईवीएम के सीरियल नंबर और मैन्यूफैक्चरिंग कंपनी की जानकारी मांगी। किसी भी एसडीएम ने ये जानकारी नहीं दी। कांग्रेस ने कहा कि पारदर्शी, स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव के लिए ईवीएम की जांच संतोषजनक रूप से होनी चाहिए और सभी पक्षों को संतुष्ट होना चाहिए। इसके बावजूद दिल्ली राज्य निर्वाचन आयोग की प्रक्रिया पारदर्शी नहीं है।

सुप्रीम कोर्ट ने आरजेडी नेता प्रभुनाथ सिंह को दोहरे हत्याकांड केस में उम्रकैद की सजा सुनाई

नई दिल्ली, (हि.स.)। सुप्रीम कोर्ट ने बिहार से चार बार सांसद रह चुके राष्ट्रीय जनता दल (आरजेडी) नेता प्रभुनाथ सिंह को 1995 में हुए दोहरे हत्याकांड मामले में उम्रकैद की सजा सुनाई है। सुप्रीम कोर्ट ने प्रभुनाथ सिंह और बिहार सरकार को दस लाख रुपये का मुआवजा पीड़ितों को देने का आदेश दिया। सुप्रीम कोर्ट ने 18 अगस्त को प्रभुनाथ सिंह को दोहरे हत्याकांड केस में दोषी करार दिया था। सुप्रीम कोर्ट ने एक सितंबर को सजा पर बहस के लिए प्रभुनाथ सिंह को अपने सामने पेश करने का आदेश दिया था। आज सुप्रीम कोर्ट ने इस आदेश में संशोधन करते हुए प्रभुनाथ सिंह को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिये पेश होने की अनुमति दे दी। प्रभुनाथ सिंह हत्या के एक अन्य मामले में हजारीबाग की जेल में पहले से उम्रकैद की सजा में बंद है। प्रभुनाथ सिंह पर 1995 में मशरख के एक मतदान केंद्र पर दो लोगों की हत्या का आरोप है। आरोप था कि दोनों लोगों ने प्रभुनाथ सिंह समर्थित उम्मीदवार को वोट नहीं दिया था। इसलिए दोनों की हत्या कर दी गई। इस मामले में मृतक राजेंद्र राय के भाई हरेंद्र राय ने गवाहों को धमकाने की शिकायत की थी। इसके बाद मामला छपरा की कोर्ट से पटना ट्रांसफर कर दिया गया था। पटना के ट्रायल कोर्ट ने प्रभुनाथ सिंह को बरी कर दिया था। इसके बाद पटना हाई कोर्ट ने भी 2012 में प्रभुनाथ सिंह को बरी कर दिया था। हाई कोर्ट के आदेश को हरेंद्र राय ने सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी थी।

केन्द्रीय मंत्री सिंधिया ने बी-20 इंटरनेशन एयरोस्पेस कॉन्फ्रेंस का शुभारंभ किया

ग्वालियर, हि.स.)। केन्द्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने शुक्रवार को भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई) द्वारा नागर विमानन मंत्रालय की सहभागिता में विमानन उद्योग की संभावना एवं निवेश प्रोत्साहन के उद्देश्य से ग्वालियर में आयोजित दो दिवसीय बी-20 इंटरनेशनल एयरोस्पेस कांफ्रेंस का शुभारम्भ किया। इस अवसर पर नागर विमानन मंत्रालय के सचिव चंचल कुमार मौजूद रहे। कार्यक्रम के शुभारम्भ अवसर पर केन्द्रीय मंत्री सिंधिया ने कहा कि भू-राजनीतिक चुनौतियों और आपूर्ति-श्रृंखला रसद मुद्दों के बावजूद भारत नवाचार, उत्पादन और कुशल जनशक्ति प्रदान करने की क्षमता के साथ नई 'वादा भूमि' के रूप में उभरा है। इस प्रकार यह वैश्विक एयरोस्पेस निमार्ताओं के लिए सहयोग करने, विचार करने, मेक इन इंडिया और बदले में 'मेक फॉर द वर्ल्ड' का समय है। उन्होंने कहा कि भारत में एक समावेशी मूल्य श्रृंखला के निर्माण पर अपने विचार साझा करने में खुशी हुई। उन्होंने एयरोस्पेस विनिर्माण उद्योग को आगे बढ़ाने के लिए लगातार सरकारी समर्थन का आश्वासन दिया। फिलहाल कॉन्फ्रेंस जारी है। केन्द्रीय मंत्री सिंधिया एयरोस्पेस सेक्टर के वैश्विक उद्योगपतियों के साथ परिचर्चा करेंगे। कॉन्फ्रेंस में 35 से अधिक उद्योगपति, नीति विशेषज्ञ एवं जी-20 देशों के प्रतिनिधि वक्ता के रूप में शामिल हैं। साथ ही देश-विदेश से 250 से ज्यादा प्रतिभागी कॉन्फ्रेंस में सहभागिता कर रहे हैं।

मनी लॉन्ड्रिंग मामले में सत्येन्द्र जैन को सुप्रीम कोर्ट से मिली अंतरिम राहत बरकरार

राकेश शर्मा

- बेंच के सदस्य जस्टिस प्रशांत कुमार मिश्रा ने सुनवाई से अपने आपको अलग किया

नई दिल्ली। मनी लॉन्ड्रिंग मामले में सत्येन्द्र जैन को सुप्रीम कोर्ट से मिली अंतरिम राहत बरकरार रहेगी। सुप्रीम कोर्ट ने सत्येंद्र जैन की अंतरिम जमानत की अवधि 12 सितंबर के लिए बढ़ा दी है। मामले की सुनवाई करने वाली बेंच के सदस्य जस्टिस प्रशांत कुमार मिश्रा ने सुनवाई से अपने आपको अलग कर लिया है। जस्टिस प्रशांत मिश्रा के बेटे ईडी के वकील के रूप में पेश हो चुके हैं। अब दूसरी बेंच सुनवाई करेगी। मामले की अगली सुनवाई 12 सितंबर को होगी। सुनवाई के दौरान 25 अगस्त को सत्येंद्र जैन की ओर से पेश वकील अभिषेक मनु सिंघवी ने कहा था कि जैन की स्पाइनल सर्जरी हुई है और उन्हें आराम की जरूरत है। सिंघवी ने जैन की अंतरिम जमानत बढ़ाने की मांग की। सिंघवी की दलील का ईडी ने विरोध करते हुए कहा था कि जैन को सरेंडर करने का आदेश दिया जाना चाहिए। उनकी अंतरिम जमानत एक दिन भी नहीं बढ़ाई जानी चाहिए। जैन को आम कैदी की तरह समझा जाना चाहिए। कोर्ट ने 24 जुलाई को जैन को मिली अंतरिम जमानत एक महीने के लिए बढ़ा दी थी। 10 जुलाई को कोर्ट ने 24 जुलाई तक की अंतरिम जमानत बढ़ाने का आदेश दिया था। इसके पहले सुप्रीम कोर्ट ने 26 मई को सत्येंद्र जैन को छह हफ्ते की अंतरिम जमानत दी थी। कोर्ट ने सत्येंद्र जैन को अपनी इच्छा के मुताबिक निजी अस्पताल में इलाज कराने की अनुमति दी थी। सुनवाई से पहले ईडी ने जवाब दाखिल कर कहा कि सत्येंद्र जैन अपने प्रभाव के चलते बीमारी के बारे में गलत रिपोर्ट हासिल करते रहे हैं। ईडी ने कहा कि दिल्ली हाईकोर्ट ने लोकनायक जयप्रकाश हॉस्पिटल की रिपोर्ट ठुकरा दी थी। ईडी ने कहा कि मनी लॉन्ड्रिंग मामले में जमानत तभी मिलती है, जब बीमारी से जान का खतरा हो। सुप्रीम कोर्ट ने 18 मई को जमानत याचिका पर सुनवाई करते हुए ईडी को नोटिस जारी किया था। जैन की ओर से पेश वकील अभिषेक मनु सिंघवी ने जैन के खराब स्वास्थ्य का हवाला देते हुए कहा था कि जेल में जैन का वजन 35 किलोग्राम कम हो गया है। दिल्ली हाई कोर्ट ने 6 अप्रैल को सत्येंद्र जैन की जमानत याचिका खारिज कर दी थी। हाई कोर्ट ने कहा था कि सत्येंद्र जैन प्रभावशाली व्यक्ति हैं और वे गवाहों को प्रभावित करने की क्षमता रखते हैं। ईडी ने सत्येंद्र जैन को 30 मई 2022 में गिरफ्तार किया था।

कठिनाई का डटकर मुकाबला करें, सफलता कदम चूमेगी : राष्ट्रपति

रायपुर, (हि.स.)। गुरु घासीदास विश्वविद्यालय के दसवें दीक्षांत समारोह में हिस्सा लेने पहुँचीं राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने चंद्रयान मिशन के माध्यम से जीवन की सफलताओं के सूत्र बताए। उन्होंने कहा कि चंद्रयान ने चंद्रमा की सतह पर सफल लैंडिंग की। इस पर बरसों से निष्ठापूर्वक काम होता रहा। मार्ग में रुकावटें आती रहीं लेकिन हम नहीं रूके। ऐसा व्यक्तिगत जीवन में भी होता है। निरंतर दक्षता के साथ परिश्रम करते रहें। तात्कालिक असफलता से कभी हताश न हों, चुनौतियाँ हमारे जीवन में आती हैं तो नये मौके भी लाती हैं। राष्ट्रपति ने इस अवसर पर 2946 छात्र-छात्राओं को उपाधि प्रदान की। समारोह में राज्यपाल विश्वभूषण हरिचंदन और मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने भी विद्यार्थियों को संबोधित किया। राष्ट्रपति ने अपने उद्बोधन में कहा कि, आज हमारा तिरंगा चाँद पर पहुँच चुका है। इस उपलब्धि को किस तरह वैज्ञानिकों ने प्राप्त किया, इस पर विश्वविद्यालय में आयोजन होने चाहिए ताकि समाज में वैज्ञानिक दृष्टिकोण का निर्माण हो सके। यह संविधान के मूल कर्तव्यों में शामिल है। मुझे खुशी है कि इस विश्वविद्यालय में आधुनिक प्रयोगशालाएं हैं। यहाँ ऐक्सलरेटर आधारित रिसर्च सेंटर भी स्थापित की गई है। अपने अनुसंधान से यह विश्वविद्यालय दुनिया में अपनी पहचान बनाए। जो देश विज्ञान और प्रौद्योगिकी को अपनाने में आगे रहेंगे, वे ज्यादा तरक्की करेंगे। हमारे स्पेस मिशन में हमें दुनिया से कुछ असहयोग का सामना भी करना पड़ा, फिर भी हम दृढ़ता से बढ़ते रहे। राष्ट्रपति ने कहा कि इस विश्वविद्यालय का महत्व इसलिए भी है क्योंकि इसका नाम गुरु घासीदास के नाम पर है। उन्होंने मनखे मनखे एक समान का संदेश दिया। गुरु घासीदास ने समानता का संदेश दिया। समानता के आदर्शों पर चलकर ही युवा सुख के रास्ते पर चल सकते हैं और सभ्य समाज का निर्माण कर सकते हैं। इस मौके पर राष्ट्रपति ने स्वामी विवेकानंद को भी याद किया।

जी-20 की तैयारी जोरों पर, 500 सीसीटीवी कैमरों से पूरे लुटियंस जोन पर एनडीएमसी की रहेगी नजर

आशीष वर्मा

नई दिल्ली। जी-20 शिखर सम्मेलन में महज अब एक सप्ताह बचे हैं। इससे पहले ही पूरी राजधानी को सजाने और संवारने की जोर-शोर से तैयारी की जा रही है। आयोजन स्थल प्रगति मैदान से लुटियंस जोन और आसपास सुरक्षाकर्मियों के कड़े पहरे में हर लोकेशन पर भी सीसीटीवी कैमरों द्वारा निगहबानी की जा रही है। दिल्ली के होटल में विदेशी डेलिगेट्स और मेहमान ठहरने वाले हैं। आसपास के इलाकों, सड़कों और बाजारों में एनडीएमसी द्वारा लगाए गए 500 सीसीटीवी सर्विलांस कैमरों से निगरानी रखी जा रही है। एनडीएमसी के अधिकारियों के अनुसार नई दिल्ली में एनडीएमसी का एरिया करीब 42.7 वर्ग किलोमीटर का है। इस एरिया में अलग-अलग जगह पर 500 सीसीटीवी सर्विलांस कैमरे लगाए गए हैं। इन कैमरों में कुछ खास कैमरे भी हैं, जो 75 से 360 डिग्री तक घूम सकते हैं। इसके अलावा 225 फिक्स्ड इंफ्रारेड कैमरे लगाए गए हैं, जिनमें रात के समय भी क्लियर तस्वीर कैद हो सकती है। इसके अलावा 125 फिक्स्ड बॉक्स कैमरे और 75 हाई डेफिनेशन कैमरे भी लगाए गए हैं। इनमें 75 कैमरे तो ऐसे हैं जो अलग-अलग ट्रैफिक जंक्शन पर लगाए गए हैं। एनडीएमसी के अधिकारियों का कहना है कि सिर्फ सुरक्षा व्यवस्था को ही मॉनिटर नहीं किया जा रहा बल्कि सिविक फैसिलिटी पर भी कैमरा के माध्यम से नजर रखी जा रही है। कहां-कहां साफ-सफाई हो रही है और किन इलाके में साफ-सफाई नहीं हुई है। ऐसी तमाम सेवाओं और सुविधाओं पर भी नजर रखी जाएगी। इसके अलावा जिन सड़कों की स्ट्रीट लाइट्स नहीं जल रही है, कहां पर फव्वारा नहीं चल रहा है, कहां पेड़-पौधे नहीं लगे हैं। इस पर भी इन कैमरों की नजर रहेगी। रिस्पांस टाइमिंग और भी कम कर दी गई है ताकि जी-20 मीटिंग के दौरान किसी भी काम में कोताही ना बरती जाए। खास बात यह है कि इन कैमरों के तार की कमांड एनडीएमसी के कंट्रोल सेंटर से जुड़ी हुई है। इतना ही नहीं इन कैमरों को हैंडल करने के लिए कर्मचारियों को खास ट्रेनिंग दी गई है। इसके अलावा एनडीएमसी इलाके में करीब 200 बस क्यू शेल्टर हैं और सभी बस क्यू शेल्टर के पास सीसीटीवी कैमरे से निगरानी रखी जा रही है।

अरब सागर में उतारा गया प्रोजेक्ट 17ए फ्रिगेट्स का आखिरी युद्धपोत 'महेंद्रगिरी'

- रिमोट से बटन दबाते ही डेक से खिसककर समुद्र के पानी में उतर गया जहाज
- भारत में पर्वत शृंखलाओं के नाम पर सभी सात जहाजों का हुआ है नामकरण

नई दिल्ली, (हि.स.)। भारतीय नौसेना के लिए बनाया गया प्रोजेक्ट 17ए फ्रिगेट्स का आखिरी और सातवां युद्धपोत महेंद्रगिरी शुक्रवार को रिमोट से बटन दबाकर अरब सागर में उतार दिया गया। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ की पत्नी डॉ. सुदेश धनखड़ ने मुंबई में जहाज को लांच किया। इस प्रोजेक्ट के जहाजों को भारतीय नौसेना के युद्धपोत डिजाइन ब्यूरो ने इन-हाउस डिजाइन किया है। जहाज का नाम ओडिशा स्थित पूर्वी घाट के एक पर्वत शिखर के नाम पर रखा गया है, जिस पर ब्रह्मोस मिसाइल की भी तैनाती हो सकती है। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि थे। लॉन्च समारोह में मुंबई के राज्यपाल, महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री, नौसेना प्रमुख, राज्य सरकार के वरिष्ठ मंत्री, रक्षा मंत्रालय और भारतीय नौसेना के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे। उपराष्ट्रपति ने इस बात पर प्रकाश डाला कि महेंद्रगिरी की लॉचिंग भारत के समुद्री इतिहास में महत्वपूर्ण मील का पत्थर है। उन्होंने युद्धपोत उत्पादन और देश की रक्षा क्षमताओं को बढ़ाने के लिए मझगांव डॉक शिपबिल्डर्स लिमिटेड (एमडीएल) के प्रयासों को सराहा। उन्होंने कहा कि शिपयार्ड ने भारतीय नौसेना को हिंद महासागर क्षेत्र में एक दुर्जेय शक्ति के रूप में उभरने में महत्वपूर्ण रूप से सक्षम बनाया है। उन्होंने आशा व्यक्त की कि महेंद्रगिरी शक्तिशाली अरब सागर के पानी को छूने के बाद उन्हीं पहाड़ों से शक्ति प्राप्त करेगा, जिनके नाम पर इसका नाम रखा गया है। नौसेना प्रमुख एडमिरल आर. हरि कुमार ने कहा कि हिंद महासागर क्षेत्र और बड़े हिंद-प्रशांत क्षेत्र में पारंपरिक सुरक्षा चुनौतियां लगातार बनी हुई हैं। इसके अलावा समुद्री डकैती, नशीली दवाओं की तस्करी, प्राकृतिक आपदाएं आदि जैसी गैर-पारंपरिक चुनौतियों का संकट भी है। समुद्री हितों के साथ-साथ क्षेत्र में सभी को प्रभावित करने वाले सुरक्षा खतरों से निपटने में भी सक्रिय रहना होगा। उन्होंने कहा कि भारतीय नौसेना राष्ट्रीय हितों को सुरक्षित करने के लिए महासागरों के विशाल क्षेत्र में तैनात है। उदाहरण के लिए अदन की खाड़ी में समुद्री डकैती रोधी मिशन पर तैनात एनावल फ्रिगेट को आपदा राहत कार्यों, खोज और बचाव मिशन, आपातकालीन निकासी, दोस्तों को सहायता प्रदान करने, अभ्यास में भाग लेने और वास्तव में कार्य करने के लिए फिर से तैनात किया जा सकता है। प्रोजेक्ट 17ए कार्यक्रम के तहत मझगांव डॉक शिपबिल्डर्स लिमिटेड (एमडीएल) को चार और गार्डन रीच शिपबिल्डर्स एंड इंजीनियर्स लिमिटेड (जीआरएसई) ने तीन जहाजों का निर्माण सौंपा गया था। इस परियोजना के पहले छह जहाज तारागिरी, उदयगिरी, दूनागिरी, नीलगिरी, हिमगिरी और विंध्यगिरी 2019-2023 के बीच लॉन्च किए जा चुके हैं। भारतीय सशस्त्र बलों की सर्वोच्च कमांडर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने 17 अगस्त को विंध्यगिरी को कोलकाता के गार्डन रीच शिपबिल्डर्स एंड इंजीनियर्स लिमिटेड (जीआरएसई) में लॉन्च किया था। भारत में पर्वत शृंखलाओं के नाम पर इन सभी जहाजों के नाम रखे गए हैं। एक पखवाड़े के भीतर लांच किया गया महेंद्रगिरी जहाज प्रोजेक्ट 17ए फ्रिगेट का सातवां जहाज है। शिवालिक क्लास के बाद इन युद्धपोतों में बेहतर स्टील्थ फीचर्स, उन्नत हथियार और सेंसर तथा प्लेटफॉर्म प्रबंधन सिस्टम हैं। नव नामित महेंद्रगिरी तकनीकी रूप से उन्नत जंगी जहाज है और स्वदेशी रक्षा क्षमताओं के भविष्य की दिशा में आगे बढ़ते हुए अपनी समृद्ध नौसैनिक विरासत को अपनाने के भारत के दृढ़ संकल्प का प्रतीक रूप है। 'आत्मनिर्भरता' के प्रति देश की दृढ़ प्रतिबद्धता के अनुरूप प्रोजेक्ट 17ए जहाजों के उपकरणों और प्रणालियों के लिए 75 प्रतिशत ऑर्डर सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यमों (एमएसएमई) सहित स्वदेशी प्रतिष्ठानों को दिए गए हैं।

युवाओं के लिए सबसे अच्छे सलाहकार होते हैं पुस्तकालय : मनोज सिन्हा

गाजियाबाद, (हि.स.)। जम्मू-कश्मीर के उप राज्यपाल मनोज सिन्हा ने शुक्रवार को यहां कहा कि अध्ययन एवं रिसर्च करने वाले युवाओं के लिए पुस्तकालय सबसे अच्छे सलाहकार होते हैं। पुस्तकालय में अध्ययन करके युवा अपने उद्देश्य को पूरा कर सकते हैं। उप राज्यपाल सिन्हा शुक्रवार को नेहरू नगर स्थित हरिश्चंद्र सार्वजनिक पुस्तकालय की रजत जयंती के अवसर पर आयोजित समारोह को संबोधित कर रहे थे। कार्यक्रम का आयोजन पुस्तकालय भवन के सामने सरस्वती शिशु मंदिर खेल सभागार में किया गया था। सिन्हा ने कहा कि भारत में सामाजिक सभ्यता हजारों वर्ष पुरानी है। वर्तमान में अध्ययन पक्ष में काफी बदलाव आया है लेकिन परंपरा नहीं बदली। पुस्तकालय में अध्ययन करना भी भारत में एक परंपरा है। यही कारण है कि भारत में 75000 से ज्यादा पुस्तकालय हैं जहां लोग

अध्ययन करते हैं और अपना कैरियर बनाते हैं। भारत के बाद यदि सबसे ज्यादा कहीं पुस्तकालय हैं तो वह अमेरिका है और वहां पर 18000 पुस्तकालय हैं। उन्होंने कहा कि पूर्व मंत्री बालेश्वर त्यागी ने जो पुस्तकालय खोलकर गाजियाबाद जैसे शहर में अध्ययन को लेकर माहौल बनाया है वास्तव में काबिले तारीफ है। कार्यक्रम में पूर्व मंत्री एवं भाजपा नेता बालेश्वर त्यागी ने लाइब्रेरी के बारे में विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने कहा कि गाजियाबाद में उन्होंने जब लाइब्रेरी बनाने की शुरूआत की थी उसे समय गाजियाबाद आपराधिक नगरी के रूप में जाना जाता था। आज गाजियाबाद एजुकेशन हब बन गया है। आजकल के नेता जहां चुनाव जीतने के लिए चुनाव के दौरान शराब बांटते हैं वहीं उन्होंने शिक्षा बांटने का काम किया है। इस मौके पर पुस्तकालय के संचालन में सहयोग करने वाले पूर्व पार्षद तिरुपति सिंह, सेवानिवृत्त आईएएस रामबोड़ा मौर्य, समाजसेवी एसके त्यागी, अभिमन्यु मिश्र, राजेंद्र अग्रवाल, मलकीत सिंह जस्सर एवं अन्य को सम्मानित किया गया। यशोदा अस्पताल के अध्यक्ष डॉ. दिनेश अरोड़ा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश आगे जा रहा है। शिक्षा के क्षेत्र में भी देश काफी आगे बढ़ रहा है। इस मौके पर महापौर सुनीता दयाल, राज्यसभा सांसद अनिल अग्रवाल, साहिबाबाद के विधायक सुनील शर्मा, मुरादनगर के विधायक अजीत पाल त्यागीसमेत कई प्रमुख लोग मौजूद रहे।

अब वन डिस्ट्रिक्ट, वन कोऑपरेटिव बैंक की दिशा में आगे बढ़ेगा उत्तर प्रदेश : मुख्यमंत्री योगी

लखनऊ, (हि.स.)। उत्तर प्रदेश के विकास और अन्नदाता किसानों की जरूरतों को देखते हुए सभी को बैंकिंग सुविधाएं मिलनी चाहिए। सहकारिता विभाग से कहा है कि जिन स्थानों पर बैंक शाखा की आवश्यकता हो, वहां मैपिंग की जाए। उत्तर प्रदेश में एमएसएमई का सबसे बड़ा बेस है, इसके लिए सहकारी बैंकों की बहुत बड़ी भूमिका हो सकती है। हमें प्रयास करना चाहिए कि वहां पर सहकारिता बैंक की एक शाखा खोलने के साथ ही बीसी सखी के कार्यक्रम को जोड़ने का कार्य करें। पहले चरण में बैंक खोलें, दूसरे चरण में इन बैंकों को प्रॉफिटेबल बनाएं और फिर तीसरे चरण में हम वन डिस्ट्रिक्ट, वन कोऑपरेटिव बैंक की परिकल्पना की दिशा में आगे बढ़ें। राज्य सरकार इसमें पूरा सहयोग करेगी। यह बातें मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार को अपने सरकारी आवास में बी पैक्स सदस्यता महाभियान एवं टोल फ्री नंबर शुभारंभ के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में कहीं। उन्होंने कहा कि आज उत्तर प्रदेश एक अच्छे निवेश गंतव्य के रूप में आगे बढ़ रहा है। हमारा वन डिस्ट्रिक्ट वन प्रोडक्ट कार्यक्रम देश भर में छा गया है। आज आत्मनिर्भरता के लक्ष्य के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी भी कहते हैं कि हमें लोकल फॉर ग्लोबल के बारे में विचार करना होगा। इसमें एमएसएमई विभाग अपने लोकल प्रोडक्ट के लिए उनकी पैकेजिंग, डिजाइनिंग, मार्केटिंग के लिए एक बड़े अभियान को आगे बढ़ा रहा है। एक नई होड़ लगी है कि हम भी लोकल प्रोडक्ट को बढ़ाने में योगदान दें। सहकारी बैंक भी इस प्रक्रिया के साथ जुड़ते हैं तो यह उनके प्रति आमजन के विश्वास को बहाल करने में मदद करेगा। मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि सहकारिता भारतीय परंपरा का प्राचीन काल से अभिन्न हिस्सा रहा है, लेकिन एक समय सहकारिता के इस कार्य में सेंध लगी और गलत लोग इसमें शामिल हो गए और देश की सबसे बड़ी आबादी के प्रदेश ने इसकी बड़ी कीमत चुकाई। हम सब आभारी हैं प्रधानमंत्री मोदी के जिन्होंने 2019 में दोबारा पीएम बनने के बाद सहकारिता को मंत्रालय का दर्जा दिया। सहकारिता को आम नागरिक के जीवन में समृद्धि का एक माध्यम बनाकर उसे समृद्धि, स्वावलंबन और आत्मनिर्भरता के लक्ष्य को प्राप्त करने की दिशा

में एक महत्वपूर्ण कदम उठाया है। देश के पहले सहकारिता मंत्री के रूप में आज देश के गृह मंत्री अमित शाह ने सहकारिता को समृद्धि के साथ जोड़ते हुए उसकी सबसे आधारभूत इकाई पैक्स को मजबूत बनाने की ओर कार्य किया है। यह हमारे लिए प्रसन्नता का विषय है कि उत्तर प्रदेश में एक से 30 सितंबर तक इस सदस्यता अभियान का शुभारंभ और टोल फ्री नंबर जारी गया है। मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि डबल इंजन सरकार सहकारिता को समृद्धि के साथ जोड़ते हुए कार्यक्रम को आगे बढ़ा रही है। पैक्स अब तक खाद और बीज बेचने तक ही सीमित रहता था, लेकिन अब इसको कॉमन सर्विस डेवलपमेंट सेंटर के रूप में भी विकसित किया जा रहा है।

अब वहां पर अन्य सुविधाएं उपलब्ध हो पाएंगी। योगी ने कहा कि उत्तर प्रदेश जैसे राज्य में खेती ही उसकी सबसे बड़ी समृद्धि रही है। हमारे पास दुनिया की सबसे उर्वरा भूमि है तो सबसे अच्छा जल संसाधन भी मौजूद है। 2.61 लाख से अधिक किसान ऐसे हैं जो पीएम किसान सम्मान निधि से जुड़े हुए हैं। यानी 3 करोड़ किसान हमारे पास हैं जो इस अभियान से जुड़कर इसको समृद्धि के पथ पर अग्रसर करके उत्तर प्रदेश की कृषि को उत्तर प्रदेश की समृद्धि से जोड़ने में सहायक हो सकते हैं। भारत की आजादी के समय कुल जीडीपी का 40 फीसदी से अधिक भाग कृषि का था। धीरे-धीरे यह कम होता गया और अब यह 16-17 फीसदी पर आ गया है, लेकिन उप में यह अब भी 25 से 26 फीसदी है। हम इसमें और भी अच्छा योगदान दे सकते हैं। किसानों को समय पर बीज मिले, समय पर खाद मिले, सभी इकाइयां प्रभावी ढंग से काम करना प्रारंभ कर दें तो कोई कारण नहीं कि अन्नदाता किसान इसी धरती से सोना उगाने का काम न कर दे। विश्वास है कि यह अभियान उत्तर प्रदेश में सहकारिता आंदोलन को एक नई गति देने में महत्वपूर्ण भूमिका का निर्वहन करेगा। अच्छे लोग, रुचि लेने वाले लोग इसके माध्यम से चुनकर के आगे बढ़ेंगे।

मुख्यमंत्री योगी ने पैक्स की क्रेडिट लिमिट बढ़ाने के साथ ही फसली ऋण के विषय में लक्ष्य निर्धारित करने की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने कहा कि अभी जो हमारे पास 7500 पैक्स हैं, इनमें फर्टिलाइजर की खरीद के लिए जो लिक्विडिटी चाहिए उससे काफी कम है। प्रदेश की आवश्यकता के अनुरूप पैक्स 10 लाख की क्रेडिट लिमिट आवश्यक है। इस संबंध में तत्काल कार्यवाही को आगे बढ़ाकर 7500 पैक्स की क्रेडिट लिमिट को आगे बढ़ाना चाहिए, जिससे किसान को सहूलियत हो। राज्य सरकार इस संबंध में पूरा सहयोग करेगी। उन्होंने आगे कहा कि आने वाले समय में कृषि विभाग के साथ मिलकर फसली ऋण के बारे में विचार करना चाहिए। एमएसएमई विभाग से भी कहा गया है कि ओडीओपी या विश्वकर्मा श्रम सम्मान के तहत हम जब बैंक से किसी हस्तशिल्पी या कारीगर को पैसा दिलाते हैं तो उसे डिजिटल पेमेंट के साथ जोड़ें।

यदि डिजिटल पेमेंट पर वह समय पर अपनी किस्त भर लेता है तो जो ब्याज आता है उस पर राज्य सरकार स्तर पर उसको इंसेटिव देने की व्यवस्था होनी चाहिए जिससे लोकल स्तर पर अपने हस्तशिल्पी और कारीगरों को प्रोत्साहित कर सकें। अच्छा होगा कि उसे कोऑपरेटिव बैंक से जोड़ें, जो उनकी छोटी जरूरतों को पूरा करेंगे। इस अवसर पर प्रदेश सरकार के जल शक्ति मंत्री स्वतंत्र देव सिंह, पशुधन एवं दुग्ध विकास मंत्री धर्मपाल सिंह, सहकारिता मंत्री जेपीएस राठौर, मुख्य सचिव दुर्गा शंकर मिश्र, कृषि उत्पादन आयुक्त मनोज कुमार सिंह, प्रमुख सचिव सहकारिता बीएल मीणा एवं जनप्रतिनिधि और सहकारिता से जुड़े लोग मौजूद रहे।

क्या है बी पैक्स महाभियान - बी पैक्स यानी बहुउद्देशीय ग्रामीण सहकारी समितियों के खोले जाने की योजना है। जनपद में किसानों को सस्ते दर पर खाद, बीज व सरकार की विभिन्न योजनाओं का लाभ दिलाने के लिए 250 सहकारी समितियां संचालित हैं। भविष्य में ऋण वितरण, खाद व बीज वितरण को लेकर दिक्कत न हो इसलिए बी-पैक्स महाभियान के तहत हर समितियों पर एक सितंबर से सदस्य बनाए जाएंगे। 30 सितंबर तक चलने वाले इस सदस्यता महाभियान में हर समिति पर कम से कम 200 सदस्य जोड़े जाएंगे। कोई भी किसान 21 रुपये की रसीद कटवाकर सदस्य बन सकता है। सदस्य किसान को 200 रुपये का शेयर बांड खरीदना होगा। इससे सदस्य किसानों को ऋण सीमा में बढ़ोतरी हो सकेगी। जिसकी वार्षिक ब्याज दर भी कम होगी। कोई भी सदस्य जो साधन सहकारी समिति के ग्राम पंचायत में रहता हो और अस्थाई रूप से व्यापार करता हो या भू-स्वामी हो, इसके अलावा समिति में धन जमा करना चाहता हो वह समिति का साधारण सदस्य बन सकता है। सदस्य बन जाने के बाद किसानों को साधन सहकारी समिति का लाभ लेने में आसानी होगी।

उर्वरक दुकानदारों को एक-एक बोरी का देना होगा हिसाब

मीरजापुर, (हि.स.)। उर्वरक की बिक्री में दुकानदार अब धांधली नहीं कर सकेंगे। उन्हें किसान को बेचे गए एक-एक बोरी उर्वरक का हिसाब देना होगा। किसानों को प्वाइंट आफ सेल (पीओएस) में एक-एक बोरी उर्वरक का वितरण दर्ज करके रसीद देनी होगी। मीरजापुर में उर्वरक के 730 लाइसेंस धारक हैं। जिले में दुकानों पर वितरित होने वाले उर्वरक का विवरण ऑनलाइन दर्ज किया जा रहा है, इसके चलते उर्वरक के एक-एक बोरी का विवरण उच्चाधिकारियों की नजर में है। निरीक्षण के दौरान पाया गया कि कई दुकानदारों ने किसानों की मांग के अनुसार पीओएस मशीन पर बिक्री दर्ज नहीं किया है। उनके द्वारा मनमाने तरीके से 100 से लेकर 200 बोरी का एक साथ बिल काटा जा रहा है।

इसके लिए सख्त निर्देश जारी किया गया है कि प्रत्येक किसान को पीओएस मशीन पर दर्ज करके ही उर्वरक की बिक्री की जाए। जिला कृषि अधिकारी अवधेश यादव ने कहा कि जनपद में किसी भी विक्रेता की ओर से वास्तविक किसान को बिक्री नहीं करके, केवल पीओएस मशीन पर बिक्री दिखा रहा है, तो संबंधित दुकानदार के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। निरीक्षण कर पीओएस मशीन में दर्ज विवरण और गोदाम में रखे उर्वरक से भी मिलान किया जाएगा। पीओएस पर फर्जी अंकन करते हुए मिलने पर लाइसेंस को समाप्त कर दिया जाएगा। साथ ही उर्वरक नियंत्रण आदेश 1985 के तहत कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने बताया कि सभी उर्वरक विक्रेता को निर्देश दिया गया है कि उर्वरक विक्रय संबंधी कागजात स्टाक रजिस्टर, बिक्री रजिस्टर, रेट बोर्ड पर उर्वरक का दर अवश्य अंकित होना चाहिए अन्यथा निरीक्षण के समय नहीं मिलने पर कठोर कार्रवाई की जाएगी।

मनरेगा एक्ट उल्लंघन के मामले में झाप्रसे के अधिकारी पर होगी विभागीय कार्रवाई

रांची, (हि.स.)। झारखंड प्रशासनिक सेवा के अधिकारी विनय कुमार सुमन पर विभागीय कार्रवाई चलाने का निर्णय लिया गया है। उनके ऊपर जामा बीडीओ के पद पर रहते पंचायत स्तर की योजनाओं का प्रखंड स्तर का एफटीओ कराने, बिना कार्य हुए 9,73,500.00 रुपये की राशि पंचायत एवं प्रखंड से निकासी करने,

मनरेगा एक्ट का उल्लंघन करने और भ्रष्टाचार में शामिल रहने सहित कई आरोप हैं। दुमका उपायुक्त ने 24 मई, 2018 को आरोप पत्र गठित कर कार्रवाई की अनुशंसा की थी। इसकी जांच कराई गयी, जिसमें प्रथम दृष्टया आरोप सत्य पाया गया। इसके बाद विभागीय कार्रवाई का फैसला लिया गया है। कार्मिक विभाग ने शुक्रवार को अधिसूचना जारी कर दी है।

ईडी ने मुख्यमंत्री को भेजा समन, नौ सितंबर को बुलाया

रांची, (हि.स.)। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को शुक्रवार को तीसरा समन भेजा है। ईडी ने मुख्यमंत्री को पूछताछ के लिए नौ सितंबर को रांची क्षेत्रीय कार्यालय में उपस्थित होने को कहा है। उनसे उनकी और उनके परिवार की बेनामी संपत्तियों के बारे में पूछताछ की जायेगी। उल्लेखनीय है कि रांची जमीन घोटाला में ईडी ने पहली बार समन जारी कर हेमंत सोरेन को 14 अगस्त को पूछताछ के लिए बुलाया था। उस दिन भी वह ईडी कार्यालय नहीं पहुंचे थे और एक कर्मचारी के जरिए एक पत्र भेजा था। इसके बाद ईडी ने मुख्यमंत्री को समन भेजकर

24 अगस्त को उपस्थित होने को कहा था लेकिन मुख्यमंत्री ईडी के कार्यालय में उपस्थित नहीं हुए थे। मुख्यमंत्री आवास के एक कर्मचारी सूरज के जरिए एक पत्र ईडी के सहायक निदेशक को भेजा गया था। इस पत्र के साथ उन्होंने ईडी को जानकारी दी थी कि उन्होंने समन के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में रिट पिटीशन दायर किया है। सुप्रीम कोर्ट में फैसला आने तक मुख्यमंत्री ने ईडी से पूछताछ नहीं करने की बात कही थी।

सुपोषित भारत, साक्षर भारत, सशक्त भारत थीम पर पोषण माह आज से शुरू

बेगूसराय, (हि.स.)। 'सुपोषित भारत, साक्षर भारत, सशक्त भारत ' के थीम पर 30 सितंबर तक चलने वाले राष्ट्रीय पोषण माह का शुक्रवार से शुभारंभ हो गया। इस दौरान पोषण जागरूकता के लिए लगातार कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। भारत सरकार के महिला एवं बाल विकास मंत्रालय के निर्देश पर बिहार सरकार के समाज कल्याण विभाग एवं शिक्षा विभाग द्वारा विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। निदेशालय द्वारा डीएम, डीईओ एवं डीपीओ को पत्र भेजकर सात बिंदुओं पर कार्य करने का निर्देश दिया गया है। स्तनपान को प्राथमिकता देने एवं ऊपरी आहार के लिए परामर्श एवं जागरूकता गतिविधि का आयोजन, स्वस्थ बालक प्रतिस्पर्धा का आयोजन, पोषण भी पढ़ाई भी के तहत तीन से छह वर्ष के बच्चों के पोषण और प्रोत्साहन गतिविधि का आयोजन करना है। इसके साथ ही मिशन लाइफ के माध्यम से पोषण स्तर में सुधार, मेरी माटी मेरा देश अभियान का प्रचार-प्रसार, जनजातीय क्षेत्रों में पोषण संवेदीकरण उन्मुखीकरण एवं परामर्श तथा एनीमिया प्रबंधन पर पर-ीक्षण, उपचार एवं परामर्श पर चर्चा किया जाएगा। पत्र में कहा गया है कि पोषण माह के दौरान समग्र रूप से व्यक्तिगत और सामुदायिक स्तर पर व्यवहार परिवर्तन के माध्यम से गर्भवती महिलाओं, स्तनपान कराने वाली माताओं, किशोरियों और छह वर्ष से कम उम्र के बच्चों में पोषण

स्तर में अपेक्षित सुधार लाने के लिए जन भागीदारी के माध्यम से जागरूकता लाने का प्रयास किया जाता है। पोषण माह की गतिविधि मानव जीवन चक्र के प्रमुख चरण गर्भावस्था, शैशवावस्था, बचपन और किशोरावस्था के संबंध में जागरूकता तथा उनके पोषण आधारित संवेदीकरण के लिए केंद्रित है। इस वर्ष पोषण माह का थीम ' सुपोषित भारत, साक्षर भारत, सशक्त भारत ' है। इस थीम पर एक एवं दो सितंबर को पोषण रैली-प्रभात फेरी साइकिल रैली, चार सितंबर को पोषण शपथ कार्यक्रम का आयोजन एवं पोषण शपथ हस्ताक्षर अभियान, 11 सितंबर को विद्यालय में चेतना सत्र के दौरान पोषण पर शपथ एवं 15 सितंबर को शिक्षा चौपाल का आयोजन होगा। 16 सितंबर को प्रश्नोत्तरी, चित्रकारी, निबंधन, रंगोली प्रतियोगिता का आयोजन, 20 सितंबर को पोषण वाटिका की स्थापना के लिए जन समुदाय को जागरूक, घर, आंगनबाड़ी एवं विद्यालयों के खाली जगहों को पोषण वाटिका के लिए उपयोग करने हेतु बढ़ावा देना है। 22 सितंबर को अमृत कलश यात्रा, 23 सितंबर को पंच प्रण शपथ, 25 को विद्यालय में चेतना सत्र के दौरान एनीमिया से बचाव एवं पोषण पर चर्चा होगी। 26 को आईएफए एवं पंपलेट का वितरण। 26 से 30 तक एनीमिया कैंप आयोजन एवं हीमोग्लोबिन की जांच होगी। 27 को माहवारी स्वच्छता पर परामर्श कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। 30 सितंबर तक पोषण माह का सफलता पूर्वक आयोजन कराने के साथ ही प्रतिदिन का प्रतिवेदन-आंकड़ा जन-आंदोलन डैशबोर्ड Poshanabhiyan.gov.in पर अपलोड कराने का निर्देश दिया गया है। अभियान में आईसीडीएस एवं शिक्षा विभाग के अलावा स्वास्थ्य विभाग, जीविका, पिरामल फाउंडेशन, पंचायती राज विभाग एवं खाद्य विभाग सहित अन्य संबंधित को भी सहभागी बनाया गया है।

चारा घोटाला मामले में 35 दोषियों को सजा और जुर्माना

-सबसे कम 75 हजार और सबसे अधिक एक करोड़ का जुर्माना

रांची, (हि.स.)। चारा घोटाले के 27 साल पुराने और अंतिम मामले (कांड संख्या आरसी 48 ए/96) में शुक्रवार को 35 दोषियों को सजा सुनाई गयी। सभी को अधिकतम चार-चार साल की सजा और सबसे कम 75 हजार तथा सबसे अधिक एक करोड़ का जुर्माना लगाया गया। एक करोड़ का जुर्माना जिला पशुपालन पदाधिकारी गौरी शंकर प्रसाद पर लगा है। सीबीआई के विशेष न्यायाधीश विशाल श्रीवास्तव की अदालत ने यह फैसला सुनाया। मामले में विशेष लोग अभियोजक रविशंकर ने सीबीआई की ओर से पैरवी की। मामला डोरंडा कोषागार से 36.59 करोड़ के अवैध निकासी से जुड़ा हुआ है। इसके पहले 28 अगस्त को इस मामले में सुनवाई हुई थी। मामले में 124 आरोपित ट्रायल फेस कर रहे थे। इनमें से 35 आरोपितों को रिहा कर दिया गया था जबकि 53 दोषियों को दो से तीन साल की सजा सुनाई गयी थी। निचली अदालत ने उन्हें बेल दे दिया था।

इन 35 दोषियों को मिली सजा - पब्लिक सर्वेंट नियानंद कुमार सिंह को चार साल की सजा और पांच लाख का जुर्माना, डॉ जुनुल भेंगराज को चार साल की सजा और पांच लाख का जुर्माना, डॉ कृष्ण मोहन प्रसाद चार साल

की सजा और पांच लाख का जुर्माना, डॉ राधा रमण सहाय को चार साल की सजा और पांच लाख का जुर्माना, डॉ गौरी शंकर प्रसाद को चार साल की सजा और एक करोड़ का जुर्माना, डॉ रविन्द्र कुमार सिंह को चार साल की सजा और 75 हजार का जुर्माना, डॉ फणीन्द्र कुमार त्रिपाठी को चार साल की सजा और 75 हजार का जुर्माना, महेन्द्र प्रसाद को चार साल की सजा और तीन लाख का जुर्माना, देवेन्द्र प्रसाद श्रीवास्तव को चार साल की सजा और तीन लाख का जुर्माना, अशोक कुमार यादव को चार साल की सजा और चार लाख 40 हजार का जुर्माना, रामनंदन सिंह को चार साल की सजा और 16 लाख का जुर्माना, बिजेश्वरी प्रसाद सिन्हा को चार साल की सजा और 36 लाख 10 हजार का जुर्माना, अजय कुमार सिन्हा को चार साल की सजा और 13 लाख पांच हजार का जुर्माना, राजन मेहता को चार साल की सजा और पांच लाख का जुर्माना, रवि नंदन कुमार सिन्हा को चार साल की सजा और 10 लाख का जुर्माना, राजेन्द्र कुमार हरित को चार साल की सजा और 10 लाख का जुर्माना, अनिल कुमार को चार साल की सजा और पांच लाख का जुर्माना, त्रिपाठी मोहन प्रसाद को चार साल की सजा और 30 लाख का जुर्माना, दयानंद प्रसाद कश्यप को चार साल की सजा और 30 लाख का जुर्माना, शरद कुमार को चार साल की सजा और 40 लाख 40 हजार का जुर्माना, मो सईद को चार साल की सजा और पांच लाख का जुर्माना, मो तौहिद को चार साल की सजा और पांच लाख जुर्माना, संजय कुमार को चार साल की सजा और पांच लाख 20 हजार का जुर्माना, रामा शंकर सिंह को चार साल की सजा और दस लाख का जुर्माना, उमेश दूबे को चार साल की सजा और 11 लाख का जुर्माना, अरुण कुमार वर्मा को चार साल की सजा और 10 लाख का जुर्माना, अजीत कुमार वर्मा को चार साल की सजा और 24 लाख 50 हजार का जुर्माना, सुशील कुमार सिन्हा को चार साल की सजा और 12 लाख का जुर्माना, जगमोहन लाल कक्कड़ को चार साल की सजा और चार लाख 40 हजार का जुर्माना, श्याम नंदन सिन्हा को चार साल की सजा और पांच लाख 50 हजार का जुर्माना, मोहिन्द्र सिंह बेदी को चार साल की सजा और 25 लाख का जुर्माना, प्रदीप कुमार चौधरी को चार साल की सजा और तीन लाख 80 हजार का जुर्माना, सत्येन्द्र कुमार मेहरा को चार साल की सजा और 16 लाख का जुर्माना, मदन मोहन पाठक को चार साल की सजा और चार साल की सजा, प्रदीप वशिष्ठ उर्फ प्रदीप कुमार को चार साल की सजा और छह लाख का जुर्माना लगाया गया है। एक आरोपित सुरेश दूबे फरार है।

सपा एवं बहुजन कल्याण समिति ने मांगों को लेकर दिया धरना, किया प्रदर्शन

बेगूसराय। समाहरणालय के दक्षिणी द्वार हड़ताली चौक पर शुक्रवार को समाजवादी पार्टी एवं बहुजन कल्याण समिति के संयुक्त बैनर तले प्रदर्शन किया गया। इस मौके पर धरने का आयोजन किया गया। सभा की अध्यक्षता मांगन सदा ने की। सभा के अंत में एक शिष्टमंडल ने जिलाधिकारी रौशन कुशवाहा को 14 सूत्री मांग पत्र सौंपते हुए अविलंब कार्रवाई की मांग की है। मौके पर सपा जिलाध्यक्ष सह बहुजन कल्याण समिति के संयोजक दिलीप केसरी ने कहा कि महंगाई चरम पर है। लोगों की क्रय क्षमता का तेजी से ह्रास हुआ है, बेरोजगारी में तेजी से इजाफा हो रहा है। आम अवाम के टैक्स का पैसा बैंक से लेकर कुछ लोग भाग रहे हैं। सरकार पूंजीपतियों का हजारों करोड़ बैंक लोन माफ कर रही है। उन्होंने कहा कि गरीब जनता अंत्योदय अन्नपूर्णा के पांच किलो अनाज के लिए लंबी कतार में खड़ी हैं। असहाय, बेसहारा, वृद्धा, विधवा, दिव्यांग को चार सौ रुपये लेने के लिए मजबूर होना पड़ रहा है। स्कूल की रसोइया, आशा कार्यकर्ता, जीविका दीदी, आंगनबाड़ी कार्यकर्ता, पारा शिक्षक और अतिथि शिक्षक के सामने गंभीर और विकट समस्या है। दिलीप केसरी ने कहा कि बखरी नगर कार्यालय में लूट मची हुई है। पिछड़े क्षेत्र के लोगों को आने जाने में

इसलिए परेशानी हो रही है क्योंकि सलौना स्टेशन पर द्रुतगामी ट्रेन का ठहराव नहीं है। मुंगेर जिलाध्यक्ष पप्पू यादव ने कहा कि स्कूल में मध्यांह्न योजना में हो रहे लूटपाट पर रोक लगाया जाए। जिला के सभी मुख्य बाजारों में जन सुविधाओं की कमी है इसे पूरा किया जाए। सभा का संचालन कर रहे अधिवक्ता गौरव कुमार ने कहा कि बखरी व्यवहार न्यायालय भवन का निर्माण चयनित भूमि पर जल्द किया जाए। भवन नहीं रहने के कारण जीआर के सुविधा से वंचित हैं। लोगों को न्याय पाने के लिए लंबी दूरी तय करना पड़ रहा है। सभा को रामसागर पासवान, अमर शक्ति, सुरेश ठाकुर, सोनिया देवी, गोविंद चौहान, राधेकृष्ण पासवान, राजो साह, रामदयाल केशरी, प्रभु यादव एवं मो. रहमत आदि ने भी संबोधित किया। इससे पूर्व ट्रैफिक चौक से दिलीप केसरी के नेतृत्व में चिलचिलाती धूप में महिला-पुरुष कचहरी रोड होते हुए नारेबाजी कर समाहरणालय पहुंचे, जहां सभा में तब्दील हो गया।

राष्ट्रीय लगोरी चैंपियनशिप के लिए बिहार की 30 सदस्यीय टीम घोषित

बेगूसराय, (हि.स.)। एमेच्योर लगोरी फेडरेशन ऑफ इंडिया द्वारा आठ से दस सितम्बर तक हरियाणा के रेवाड़ी जिले में आयोजित दशवें सीनियर राष्ट्रीय लगोरी चैंपियनशिप के लिए आज लगोरी बिहार (बालक/बालिका) के 30 सदस्यीय टीम की घोषणा की गई। टीम में 15 बालक तथा 15 बालिका शामिल हैं। लगोरी एसोसिएशन ऑफ बिहार के सचिव रंधीर कुमार ने बताया की बिहार लगोरी संघ द्वारा 13 से 31 अगस्त के बीच बिहार के पांच जिलों बेगूसराय, खगड़िया, पटना, शेखपुरा एवं सहरसा में लगोरी खेल का प्रशिक्षण-सह-प्रदर्शनी मैच का आयोजन किया गया। इसके बाद खिलाड़ियों के प्रदर्शन, उनके तकनीकी कौशल के आधार पर बिहार लगोरी टीम का चयन किया गया है। बिहार लगोरी की टीम छह सितम्बर को रेवाड़ी (हरियाणा) के लिए प्रस्थान करेगी। इससे पूर्व विकास विद्यालय डुमरी में बिहार लगोरी टीम का सामूहिक तीन दिवसीय आवासीय प्रशिक्षण कैंप का आयोजन किया जाएगा। कैंप प्रभारी जितेन्द्र कुमार तथा कोच रंधीर कुमार एवं अमित कुमार ठाकुर होंगे। टीम में बेगूसराय के आठ बालक तथा दस बालिका खिलाड़ियों का चयन

हुआ है। विकास विद्यालय डुमरी के निदेशक-सह-भाजपा के पूर्व जिलाध्यक्ष राजकिशोर सिंह ने कहा की बचपन में हम इस खेल को पिट्ठू के रूप में खेलते थे, जो अब लगोरी खेल के रूप में सामने आया है। राज्य से पहली बार टीम राष्ट्रीय प्रतियोगिता में शिरकत कर रही है।

प्रशिक्षण शिविर के माध्यम से मुझे भी इससे जुड़ने का अवसर मिला। वर्तमान सरकार प्राचीन खेलों को आगे बढ़ाने का कार्य कर रही है। इससे खिलाड़ियों को नए-नए खेलों से जुड़ने और आगे बढ़ने के अवसर मिल रहे हैं। सीनियर नेशनल लगोरी चैंपियनशिप में भाग लेने वाली पुरुष टीम में रोहन राज, अजय कुमार, दीपक कुमार सेंगर (खगड़िया), नीरज कुमार, प्रिंस कुमार, सुराजी कुमार (शेखपुरा), श्याम कुमार (जमुई), शिवम कुमार, जितेन्द्र कुमार, सुमित कुमार, शिवम कुमार-दो, राहुल कुमार, मुन्ना कुमार, ऋषभ कुमार एवं भोला कुमार (बेगूसराय) का चयन किया गया है। टीम के कोच उत्क्रमित माध्यमिक विद्यालय पुरीख (सहरसा) के शिक्षक अमित कुमार ठाकुर को बनाया गया है। महिला टीम में कविता कुमारी, आर्या कुमारी (सहरसा), ज्योति कुमारी (सारण), मोनी कुमारी, रोशनी कुमारी (शेखपुरा), सुबुल कुमारी, साक्षी कुमारी, भाग्यश्री राणा, राजश्री राणा, सुमन कुमारी, शालू कुमारी, शिवानी कुमारी, संजना कुमारी, चांदनी कुमारी एवं सपना कुमारी (बेगूसराय) को शामिल किया गया है। टीम के कोच अयोध्या उच्च विद्यालय (ज्ञान भारती) बेगूसराय के शारीरिक शिक्षक रंधीर कुमार को बनाया गया है।

संपादकीय

परिवहन का रुख बदलना होगा

नक्शे पे पहली बार हिमाचल ने जख्म भर लिए, धरती के दर्द ने कुछ नए रास्ते चुन लिए। कीरतपुर-मनाली फोरलेन से गुजरने की सजा भुगतते पंडोह बांध के करीब का कैंची मोड़, इस सफर की कवायद को अस्थिर बना देता है। कभी लगा कि कीरतपुर से मनाली के बीच उभरा यह फॉल्ट, सदियों के दोष को माथे मढ़ गया, लेकिन फिर विकास का ख्वाब जिंदा निकला। वहीं जहां सड़क के आंसू निकले थे, एक नई आशा का पहाड़ खड़ा हो गया। एनएचएआई के चेयरमैन संतोष कुमार यादव की मानें, तो कुल्लू दशहरा के मेहमान इसी रास्ते से पहुंचेंगे। अक्तूबर तक फोरलेन पुनः खुद के घाव भर लेगी, लेकिन आपदा के मुआयने ने सड़क निर्माण की विधा को कई हिदायतें और कई विकल्प तराशने की जरूरत बता दी। जाहिर है फोरलेन निर्माण की गति और पहाड़ पर सड़क बनाने की मति में कुछ तो सुधार आएगा, ताकि आइंदा बारिशों से घाव की सतह हमारे विकास की कलह न बने। बेशक एनएचएआई ने अपनी प्राथमिकताओं में शुरू की गई तमाम परियोजनाओं की सुध लेते हुए इन्हें वक्त रहते सुधारने की गुंजाइश को पूरा करने की प्रतिबद्धता जाहिर की है। इसी के साथ प्रदेश के लिए आपदा के बाद विकास की अगली सदी को संबोधित करने की हिदायतें बदली हैं। इन्हीं के प्रारूप में मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू ने केंद्रीय एजेंसी को अपना प्रारूप बदलने की गुजारिश की है। हिमाचल ने परिवहन का रुख बदलने के लिए तीन ऐसी सुरंगें चुनी हैं, जिनके मार्फत सफर का नक्शा बदलेगा। भुभु जोत, चंबा-चुवाड़ी और भावा से पिन घाटी को जोड़ने वाली सुरंगों का निर्माण अगर प्राथमिक आधार पर होता है, तो हिमाचल आज जहां खड़ा है, वहां से कहीं आगे सुरक्षित, सदाबहार और नए तरानों के साथ अपनी पेशकश कर सकता है। चंबा से चुवाड़ी और घटासनी से भुभुजोत सुरंगों के दायरे में दूरियां घटेंगी और साथ ही पर्यटन का एहसास भी बदलेगा। जाहिर है ये दो सुरंगें कहीं न कहीं कांगड़ा के केंद्र में अन्य जिलों से हाथ मिला सकती हैं। भुभुजोत अगर कांगड़ा-मनाली के बीच 55 किलोमीटर सफर घटा रही है, तो चंबा-चुवाड़ी सुरंग से पूरा भूगोल बदल सकता है। सुरंग रास्तों के कई और प्रस्ताव भी सामने आते रहे हैं, लेकिन न योजनाएं बनीं और न ही राज्य की प्राथमिकताएं तय हुईं। दरअसल हिमाचल के विकास की दृष्टि से चार संसदीय क्षेत्रों में राजनीतिक हसरतें परवान चढ़ती गईं, नतीजतन औद्योगिक विकास के सारे मुहावरे परवाणू के बाद बीबीएन में सिमट गए। फोरलेन की पैमाइश परवाणू-शिमला व कीरतपुर-मनाली तक होती रही, जबकि आठ जिलों की जनता को ढोने वाले मटौर-शिमला ऐसी किसी प्राथमिकता में बहुत देरी से आ रहा है। इसी तरह ऊना रेल की परिधि में अगर मंदिर पर्यटन का खाका बनता तो अब तक अंब-अंदौरा से चिंतपूर्णी, ज्वालाजी, कांगड़ा, चामुंडा, दियोटसिद्ध तथा नयनादेवी तक पटरियों का विस्तार हो जाता। अंब-अंदौरा से मात्र पचास किलोमीटर का सफर ज्वालाजी को हिमाचल में रेल विस्तार का प्रमुख केंद्र बना सकता है। इसी तरह अगर सरकार जल परिवहन पर गंभीरता से विचार करे तो कौल डैम के मार्फत तत्तापानी, गोविंदसागर के मार्फत बिलासपुर से पंजाब तथा पौंग बांध के मार्फत कांगड़ा-हमीरपुर के बीच पर्यटन के कई टापू खड़े कर सकते हैं। दरअसल हिमाचल की महत्त्वाकांक्षा अलग-अलग प्रदेश सरकारों तथा केंद्र सरकारों के बीच बिखरती रही है। ढंग से माल ढुलाई पर ही गौर करते, तो अब तक सेब की ढुलाई के लिए रज्जु मार्गों की एक श्रृंखला बन चुकी होती। हिमाचल को आगे बढ़ाने के लिए स्थायी नीतियों, राजनीतिक सौहार्द, फिजूलखर्ची पर रोक तथा क्षेत्रवाद से ऊपर उठकर समूचे प्रदेश के नक्शे पर क्रांतिकारी उद्घोष को जिंदा रखना होगा।

सुरंग रास्तों के कई और प्रस्ताव भी सामने आते रहे हैं, लेकिन न योजनाएं बनीं और न ही राज्य की प्राथमिकताएं तय हुईं। दरअसल हिमाचल के विकास की दृष्टि से चार संसदीय क्षेत्रों में राजनीतिक हसरतें परवान चढ़ती गईं, नतीजतन औद्योगिक विकास के सारे मुहावरे परवाणू के बाद बीबीएन में सिमट गए। फोरलेन की पैमाइश परवाणू-शिमला व कीरतपुर-मनाली तक होती रही, जबकि आठ जिलों की जनता को ढोने वाले मटौर-शिमला ऐसी किसी प्राथमिकता में बहुत देरी से आ रहा है। इसी तरह ऊना रेल की परिधि में अगर मंदिर पर्यटन का खाका बनता तो अब तक अंब-अंदौरा से चिंतपूर्णी, ज्वालाजी, कांगड़ा, चामुंडा, दियोटसिद्ध तथा नयनादेवी तक पटरियों का विस्तार हो जाता। अंब-अंदौरा से मात्र पचास किलोमीटर का सफर ज्वालाजी को हिमाचल में रेल विस्तार का प्रमुख केंद्र बना सकता है। इसी तरह अगर सरकार जल परिवहन पर गंभीरता से विचार करे तो कौल डैम के मार्फत तत्तापानी, गोविंदसागर के मार्फत बिलासपुर से पंजाब तथा पौंग बांध के मार्फत कांगड़ा-हमीरपुर के बीच पर्यटन के कई टापू खड़े कर सकते हैं। दरअसल हिमाचल की महत्त्वाकांक्षा अलग-अलग प्रदेश सरकारों तथा केंद्र सरकारों के बीच बिखरती रही है। ढंग से माल ढुलाई पर ही गौर करते, तो अब तक सेब की ढुलाई के लिए रज्जु मार्गों की एक श्रृंखला बन चुकी होती।

कुछ अलग

महंगाई, बेकारी का चुनाव

चुनावी मौसम छाने लगा है, तो महंगाई और बेरोजगारी दरों की गर्मागर्म चर्चा छिड़ी है। कुछ सर्वे सामने आए हैं, जिनमें औसतन 25 फीसदी लोगों ने महंगाई और बेरोजगारी पर चिंता और सरोकार जताए हैं। ये आम चुनाव 2024 के प्रमुख मुद्दे बनेंगे अथवा नहीं, उसके मद्देनजर कुछ इंतजार करना पड़ेगा। राजस्थान, मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, तेलंगाना आदि राज्यों के जनादेश क्या होंगे, उनसे भी बहुत कुछ स्पष्ट होगा। प्रधानमंत्री मोदी ने रसोई गैस सिलेंडर 200 रुपए सस्ता किया है। देश के निम्न-मध्य वर्ग के लिए 903 रुपए का सिलेंडर भी महंगा है। सिलेंडर उपभोक्ताओं की कुल संख्या 31.4 करोड़ है, जिसमें 10.35 करोड़ 'उज्ज्वला योजना' के लाभार्थी हैं। उन्हें गैस सिलेंडर 700 रुपए का मिलेगा। बुनियादी सवाल महंगाई का है, जिसकी जुलाई में खुदरा दर 7.44 फीसदी थी। यह बीते 15 माह के रिकॉर्ड स्तर पर थी। जुलाई में ही उपभोक्ता खाद्य मूल्य मुद्रास्फीति की दर 11.5 फीसदी थी। मुद्रास्फीति की उच्चतम दर मोदी सरकार और भारतीय रिजर्व बैंक ने तय कर रखी थी कि वह 6 फीसदी से नीचे ही रहनी चाहिए। सरकार उसमें लगभग सफल रही थी, लेकिन अब हदें लांघ दी गई हैं, तो सरकार भी चिंतित लग रही है। महंगाई का असर चौतरफा होता है। चूंकि अर्थव्यवस्था भी प्रभावित होती है, तो बेरोजगारी दर 7.9 फीसदी भी चुभती है। यह दर अमरीका, ब्रिटेन, चीन, जापान और जर्मनी आदि बड़े देशों की बेकारी दर से अधिक है। अब मोदी सरकार सरकारी कर्मचारियों का महंगाई भत्ता बढ़ाने और पेट्रोल-डीजल को कुछ सस्ता करने पर विचार कर रही है। केंद्र सरकार आधा दर्जन बार उत्पाद शुल्क बढ़ा कर 27 लाख करोड़ रुपए से ज्यादा देशवासियों से वसूल चुकी है। तेल-गैस कंपनियों ने भी करीब 35,000 करोड़ रुपए का मुनाफा कूट लिया है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमत अब 86 डॉलर प्रति बैरल है। रूस से अपेक्षाकृत सस्ता तेल आयात किया जा रहा है, लेकिन आम उपभोक्ता को महंगा पेट्रोल-डीजल खरीदना पड़ रहा है। वह राज्यों की अर्थव्यवस्था का भी बुनियादी स्रोत है, लिहाजा राजस्थान, ओडिशा, तमिलनाडु, तेलंगाना सरीखे राज्यों में सर्वाधिक महंगाई है। फिर भी राज्य सरकारें 'रेवड़ी' बांटने में जुटी हैं, क्योंकि वोट चाहिए। चूंकि पांच राज्यों के बाद लोकसभा चुनाव होने हैं, लिहाजा मोदी सरकार भी नहीं चाहेगी कि महंगाई इतना बड़ा मुद्दा बने, जो चुनावों को प्रभावित कर सके। नतीजतन महंगाई पर मंथन जारी है। देशवासियों को और भी राहतें दी जा सकती हैं। बेशक अब टमाटर बाजार में सस्ता हो गया है, लेकिन वह करीब 1400 फीसदी तक महंगा हुआ था। जमाखोरों पर सरकार का कोई अंकुश नहीं है। सब्जियां अब भी औसतन 37 फीसदी महंगी हैं। यदि बेरोजगारी की दर की बात करें, तो बीते 14 माह में, रोजगार मेलों के जरिए, करीब 5.5 लाख नियुक्ति-पत्र ही बांटे गए हैं।

चीन एक बार फिर सीमा विवाद को बढ़ाने के साथ भारत को उकसाने वाली कार्रवाई में जुटा है

चीन सुधरेगा नहीं, चौकन्ना रहना होगा

ललित गर्ग

चीन अपनी दोगली नीति, षडयंत्रकारी हरकतों एवं विस्तारवादी मंशा से कभी बाज नहीं आता। वह हमेशा कोई ऐसी कुचेष्टा करता ही रहता है जिससे भारत चीन बॉर्डर पर अक्सर तनाव रहता है। ब्रिक्स समिट में जगी भारत-चीन के सामान्य संबंधों की आस आकार लेने से पहले ही धूमिल हो गयी है। नई दिल्ली में होने वाले जी-20 शिखर सम्मेलन से पहले भारत-चीन के संबंधों में सामंजस्य बैठाने के प्रयास चीन के नापाक इरादों से जटिल ही बने रहने वाले हैं। चीन की ओर से जारी किए गए ताजा नक्शे में अरुणाचल प्रदेश को अपना हिस्सा बताकर चीन एक बार फिर सीमा विवाद को बढ़ाने के साथ भारत को उकसाने वाली कार्रवाई में जुटा है। हालांकि भारत ने दो टूक जवाब देते हुए साफ कहा है कि अरुणाचल प्रदेश भारत का अभिन्न अंग है और यह चीनी दुष्प्रचार के सिवाय कुछ नहीं है। चीन की इस हरकत ने यह साफ कर दिया है कि उससे संबंध सुधारने की भारत की तरफ से कितनी ही पहल हो जाए, वह सुधरने वाला नहीं है। दरअसल, सीमाओं को लेकर नित नए विवादास्पद तथ्य लाना चीन की फितरत में शामिल है। अरुणाचल प्रदेश ही नहीं, अक्साईचिन, ताइवान और विवादित दक्षिण चीन सागर पर भी चीन अपना दावा जताता रहा है। इससे पहले भी शातिर और चालबाज चीन ने अप्रेल में जारी अपने नक्शे में पहले चुपके से अरुणाचल प्रदेश के गांवों के नाम बदल दिए थे, जिसकी भारत ने निंदा की थी। अब दक्षिणी हिंद महासागर में 19 स्थानों के नाम बदले हैं। चीन की तरफ से दक्षिण हिंद महासागर में 19 तलों के नाम बदलने की हिमाकत की गई है, वे भारतीय प्रायद्वीप से करीब 2000 किलोमीटर दूर हैं। चीनी मीडिया ने इसे बीजिंग का 'सॉफ्ट पॉव्र' प्रोजेक्शन कहा है। चीन की ओर से की गई यह कार्रवाई भारत की संप्रभुता और हिंद महासागर के इलाके में भारतीय प्रभाव पर सीधा दखल है। एक महीने के भीतर शी जिनपिंग की भारत की संप्रभुता के साथ छेड़छाड़ की यह दूसरी हिमाकत है। इसे चीन के विस्तारवादी रवैये और हिंद क्षेत्र में चीन की बढ़ती दखल के रूप में देखा जा रहा है। पिछले पांच साल में चीन नाम बदलने का यह दुस्साहस तीन बार कर चुका है। इस साल अप्रेल से पहले उसने 2021 में 15 और 2017 में छह जगहों के नाम बदले थे। हालांकि तब भी भारत ने विरोध दर्ज कराते हुए नए नामों को सिरे से खारिज कर दिया था। चीन का यह नया नक्शा ब्रिक्स समिट में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी एवं राष्ट्रपति शी जिनपिंग की मुलाकात के बाद एवं नई दिल्ली में अगले माह की शुरुआत में ही होने वाले जी-20 शिखर

सम्मेलन से पहले सामने आया है। समूची दुनिया चीन के विस्तारवादी रवैये और दूसरे देशों की जमीन को कब्जाने की नीयत को अच्छी तरह देखती और समझती है। चीन भरोसे करने के काबिल न पूर्व में रहा है और न भविष्य में होने की संभावनाएं हैं। भारत के मामले में चीन का रवैया सदैव शत्रुतापूर्ण एवं उसके क्षेत्रों पर अनाधिकृत कब्जाने का ही रहा है। चीन की पिछली हरकतों से भी यह साफ हो गया है कि चीन कभी भी भारत से मित्रवत संबंध बनाने के प्रयासों का साथ देने वाला नहीं है। भारत एवं चीन दोनों देशों के बीच संबंधों में आने वाली तल्खी की बड़ी वजह भी चीन की नीयत में खोट, उच्छृंखलता एवं अनुशासनहीनता ही है। चीन ने एक बार फिर अपनी इस हरकत से भारत के प्रति शत्रुता को ही जाहिर किया है। भारत के साथ चीन का बर्ताव हमेशा दोगला एवं द्वेषपूर्ण रहा है। चीन ने विस्तारवादी नीतियों के तहत जैसी गतिविधियां चला रखी हैं उनसे भारत ही नहीं, बल्कि समूची दुनिया को चौकन्ना रहने की जरूरत है। राजनीतिक रूप से हमारे यहां विभिन्न दल भले ही एक-दूसरे के विरोधी हों, पर चीन को लेकर भारत से उठने वाली आवाज एक ही होनी चाहिए। चीन के मनमाने रवैये को पश्चिमी देश अच्छे से महसूस भी कर रहे और उनके पक्ष-विपक्ष के नेता एक सुर में उसकी हरकतों के खिलाफ आवाज भी उठा रहे। इसके विपरीत भारत में अलग स्थिति है। अपने देश के कई नेता चीनी सेना के अतिक्रमणकारी रवैये को लेकर मोदी सरकार को तो कठघरे में खड़ा करते हैं लेकिन चीन के प्रति एक शब्द भी नहीं बोलते। हाल ही में राहुल गांधी ने कथित तौर पर लद्दाख की जमीन पर चीन का कब्जा होने का जो दावा किया गया है, वह जल्दीबाजी में बिना सोच के दिया गया गुमराह करने वाला बयान था, उससे यही पता चलता है कि वे चीन जैसे शत्रु राष्ट्र का मूक समर्थन करते हैं। ऐसा प्रतीत होता है कि भारत के सबसे बड़े दुश्मन राष्ट्र की वे तरफदारी करते एवं चीन के एजेंडे को बल देते नजर आते हैं। उनका यह रवैया नया नहीं, लेकिन यह देश के लिये घातक है। यह भूला नहीं जा सकता कि डोकलाम विवाद के समय वह भारतीय विदेश मंत्रालय को सूचित किए बिना किस तरह चीनी राजदूत से मुलाकात करने चले गए थे। क्या इससे अधिक गैरजिम्मेदाराना हरकत और कोई हो सकती है? ऐसे ही सवालों में आज तक इस सवाल का जवाब भी नहीं मिला कि आखिर राजीव गांधी फाउंडेशन को चीनी दूतावास से चंदा लेने की जरूरत क्यों पड़ी? राहुल को यह भी विस्मृत नहीं करना चाहिए कि जवाहरलाल नेहरू के समय चीन ने किस तरह पहले तिब्बत को हड़पा और फिर 1962 के युद्ध में 'हिन्दी चीनी भाई-भाई' का नारा जप कर भारत माता की 45,000 वर्ग किलोमीटर भूमि चीन को दे दी। आज जब भारत चीन के अतिक्रमणकारी एवं अति महत्वाकांक्षी रवैये के खिलाफ डटकर खड़ा है और उसे उसी की भाषा में जवाब दे रहा है तब राहुल गांधी एवं विपक्षी दलों के नेता जानबूझकर प्रधानमंत्री की एक सशक्त एवं विश्व नेता की छवि पर हमला करने के लिए उतावले रहते हैं। वह अंध मोदी विरोध के चलते सारी मर्यादाओं का अतिक्रमण कर जाते हैं। वह यह बुनियादी बात समझने के लिए तैयार नहीं कि जब रक्षा और विदेश नीति के मामलों में राजनीतिक वर्ग एक सुर में नहीं बोलता तो इससे राष्ट्रीय हितों को चोट ही पहुंचती है, इससे राष्ट्र कमजोर होता है। चीन एवं पाकिस्तान जैसे दुश्मन राष्ट्र इसी से ऊर्जा पाकर अधिक हमलावर बनते हैं। अपनी आर्थिक शक्ति के नशे में चूर अहंकारी चीन अंतरराष्ट्रीय नियम-कानूनों को जिस तरह धता बता रहा है, उससे वह विश्व व्यवस्था के लिए खतरा ही बन रहा है। अब यह भी किसी से छिपा नहीं कि वह गरीब देशों को किस तरह कर्ज के जाल में फंसाकर उनका शोषण कर रहा है। चीन ने अंतरराष्ट्रीय कानूनों की अनदेखी कर जिस तरह अपने नए नक्शे में दक्षिण चीन सागर को भी शामिल कर लिया, वह उसकी उपनिवेशवादी मानसिकता का ही परिचायक है। चीन अपनी कुचेष्टाओं एवं करतूतों से भारत को उकसाना चाहता है लेकिन शायद चीन भूल गया है कि अब भारत 1962 वाला भारत नहीं है, यह नया भारत है और आज का भारत चीन को मिट्टी में मिलाने की ताकत रखता है। भारत की रणनीति साफ है, स्पष्ट है। आज का भारत समझने और समझाने की नीति पर विश्वास करता है लेकिन अगर हमें आजमाने की कोशिश होती है तो जवाब भी उतना ही प्रचंड देने में वह समर्थ हैं। हम दुश्मन को घर में घुसकर मारते हैं।

चीन की ओर से जारी किए गए ताजा नक्शे में अरुणाचल प्रदेश को अपना हिस्सा बताकर चीन एक बार फिर सीमा विवाद को बढ़ाने के साथ भारत को उकसाने वाली कार्रवाई में जुटा है। हालांकि भारत ने दो टूक जवाब देते हुए साफ कहा है कि अरुणाचल प्रदेश भारत का अभिन्न अंग है और यह चीनी दुष्प्रचार के सिवाय कुछ नहीं है। चीन की इस हरकत ने यह साफ कर दिया है कि उससे संबंध सुधारने की भारत की तरफ से कितनी ही पहल हो जाए, वह सुधरने वाला नहीं है। दरअसल, सीमाओं को लेकर नित नए विवादास्पद तथ्य लाना चीन की फितरत में शामिल है।

बांग्लादेश में स्थिरता जरूरी है, काम आ सकता है भारत-अमेरिका का यह विचार

बांग्लादेश में आम चुनावों के दस्तक देने के साथ, देश के राजनीतिक व आर्थिक भविष्य को लेकर चिंताएं भी बढ़ती जा रही हैं। हाल के दिनों में कुछ हद तक राजनीतिक और आर्थिक स्थिरता हासिल करने के बावजूद, देश अब नए सिरे से अनिश्चितता का सामना करता दिख रहा है। बांग्लादेश दरअसल, जिन चुनौतियों से जूझ रहा है, उनकी जड़ें देश से बाहर हैं। हालांकि बांग्लादेशी सरकार की कोशिशों और पड़ोसी भारत से मिलने वाली मदद ने संकट को टाला हुआ है, लेकिन वैश्विक अर्थव्यवस्था उथल-पुथल के जिस दौर से गुजर रही है, उसमें इस छोटी अर्थव्यवस्था वाले देश को समस्याओं से निपटने में मुश्किलात का सामना करना पड़ रहा है। गौरतलब है कि शेख हसीना के नेतृत्व वाले पिछले तीन कार्यकालों में बांग्लादेश में उल्लेखनीय आर्थिक विकास हुआ है। यह दक्षिण एशिया की सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्थाओं में से एक बनकर उभरा है और फिलवक्त यह क्षेत्र की दूसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है, जो केवल भारत से पीछे है। कुछ रिपोर्ट यह तक बताती हैं कि बांग्लादेश में प्रति व्यक्ति आय क्षेत्र में सबसे ज्यादा है और विभिन्न सामाजिक संकेतकों पर भी इसने अपनी स्थिति सुदृढ़ की है। हालांकि, वर्तमान में बांग्लादेश कई आर्थिक चुनौतियों से घिरा है, जिनकी वजहों पर उसका कोई काबू नहीं है। इसके लिए कुछ हद तक कोविड और रूस- यूक्रेन युद्ध को जिम्मेदार माना जा सकता है। चूंकि, प्रमुख वैश्विक अर्थव्यवस्थाएं भी आर्थिक चुनौतियों का सामना कर रही हैं, इसलिए इसके निर्यातों में भी कमी आई है। दरअसल, छोटी अर्थव्यवस्थाओं की स्थिति तब और खराब हो गई, जब कोविड के लंबे चले दौर और रूस-यूक्रेन संघर्ष से पैदा हुई रिकॉर्ड महंगाई की स्थिति से निपटने के लिए अमेरिका ने नीतिगत दरों में आक्रामक बढ़ोतरी की। इस कदम ने निवेशकों को एशियाई बाजारों से हटने के लिए प्रेरित किया, जिससे इनमें से कई अर्थव्यवस्थाओं में मुद्रा का अवमूल्यन हुआ, जिससे महंगाई बढ़ी। अमेरिकी डॉलर की तुलना में बांग्लादेशी टाका का मूल्य करीब 25 फीसदी तक कम हो गया है। छह जुलाई, 2023 तक, बांग्लादेश का विदेशी मुद्रा भंडार 2022 में 41.8 अरब डॉलर से घटकर 29.97 अरब डॉलर हो चुका था। पिछले वर्ष की तुलना में लगभग 28 फीसदी की इस गिरावट का श्रेय विदेशी मुद्रा बाजार में चल रही चुनौतियों को दिया गया है, जो मुख्य रूप से अमेरिकी डॉलर की कमी से उपजी हैं। बांग्लादेश में डॉलर संकट, निर्यात से होने वाली आय की तुलना में आयात खर्चों के बढ़ने की वजह से उभरा है। नतीजतन, बांग्लादेश को ईंधन के आयात की अपनी जरूरतों के लिए पैसा जुटाने में मुश्किलों का सामना करना पड़ रहा है। हालांकि, भारत ने महामारी के दौरान उद्योगों के लिए आवश्यक वस्तुओं और कच्चे माल की आपूर्ति करके बांग्लादेश को पूरा समर्थन दिया था। लेकिन, बिगड़ती वैश्विक आर्थिक स्थितियों ने बांग्लादेश पर भी प्रभाव डालना शुरू कर दिया है। यह सब तब सामने आ रहा है जब देश चुनाव के मुहाने पर खड़ा है। अफसोस की बात है कि आर्थिक उथल-पुथल के इस दौर में बाइडन प्रशासन के लोकतांत्रिक तरीकों से पीछे हटने के आरोपों का सामना भी बांग्लादेश को करना पड़ रहा है। अमेरिका ने बांग्लादेश पर दबाव बनाने के लिए, पिछले चुनावों में शेख हसीना की अवामी लीग को सहायता देने के आरोपी अर्धसैनिक बल रैपिड ऐक्शन बटालियन (आरएबी) के कई वर्तमान और सेवानिवृत्त अधिकारियों पर वीजा प्रतिबंध लगाने की धमकी दी है। इनमें से कुछ पर मानवाधिकार उल्लंघन का भी आरोप है। पाकिस्तान, भारत और अन्य देशों को आमंत्रित करते हुए पिछले लोकतंत्र-केंद्रित शिखर सम्मेलनों से बांग्लादेश को बाहर करने और मई में विश्व बैंक की बैठक के लिए वाशिंगटन की यात्रा के दौरान शेख हसीना की उपेक्षा सहित बाइडन प्रशासन की कार्रवाइयों ने चिंताएं बढ़ा दी हैं। इस संबंध में अमेरिका का नजरिया बदलता रहा है। इससे न केवल बांग्लादेश की मुख्य विपक्षी पार्टी, बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) बल्कि उसकी पूर्व सहयोगी जमात-ए-इस्लामी (जेईआई) का भी हौसला बढ़ा है। एक परिप्रेक्ष्य यह भी है है कि बांग्लादेश की रणनीतिक भौगोलिक स्थिति के कारण अमेरिका उसके साथ मजबूत रक्षा संबंध स्थापित करने में रुचि रखता है और इसलिए वह दबाव बना रहा है। अमेरिका पहले ही ढाका को छोटे नौसैनिक जहाज और सैन्य परिवहन विमान उपलब्ध करा चुका है। इसका उद्देश्य यह है कि बांग्लादेशी सरकार दो बुनियादी सैन्य समझौतों पर हस्ताक्षर कर दे। इन समझौतों से आपसी रक्षा सहयोग को बढ़ावा मिलने, दोनों देशों के बीच रक्षा-संबंधित व्यापार, सूचना विनिमय और सैन्य सहयोग के विस्तारित अवसरों की सुविधा मिलने की उम्मीद है। हालांकि, बांग्लादेश ने इन समझौतों को अंतिम रूप देने में कोई जल्दबाजी नहीं दिखाई है। दूसरी ओर, भारत ने अमेरिका द्वारा की गई कथित अस्थिर करने वाली कार्रवाइयों के संबंध में अमेरिका को अपनी चिंताओं से अवगत कराया है जो एक पड़ोसी देश के रूप में भारत की समग्र सुरक्षा और व्यापक दक्षिण एशियाई क्षेत्र को प्रभावित कर सकती हैं।

बांग्लादेश दरअसल, जिन चुनौतियों से जूझ रहा है, उनकी जड़ें देश से बाहर हैं। हालांकि बांग्लादेशी सरकार की कोशिशों और पड़ोसी भारत से मिलने वाली मदद ने संकट को टाला हुआ है, लेकिन वैश्विक अर्थव्यवस्था उथल-पुथल के जिस दौर से गुजर रही है, उसमें इस छोटी अर्थव्यवस्था वाले देश को समस्याओं से निपटने में मुश्किलात का सामना करना पड़ रहा है। गौरतलब है कि शेख हसीना के नेतृत्व वाले पिछले तीन कार्यकालों में बांग्लादेश में उल्लेखनीय आर्थिक विकास हुआ है। यह दक्षिण एशिया की सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्थाओं में से एक बनकर उभरा है और फिलवक्त यह क्षेत्र की दूसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है, जो केवल भारत से पीछे है। कुछ रिपोर्ट यह तक बताती हैं कि बांग्लादेश में प्रति व्यक्ति आय क्षेत्र में सबसे ज्यादा है और विभिन्न सामाजिक संकेतकों पर भी इसने अपनी स्थिति सुदृढ़ की है।

देश दुनीया से

मुक्त होती स्कूली शिक्षा, स्वागत योग्य है शुरुआत

शिक्षा का काम व्यक्ति को मुक्त करना है, लेकिन अगर वह खुद ही बेड़ियों में बंधी होगी, तो यह काम कैसे कर सकेगी? राष्ट्रीय पाठ्यक्रम फ्रेमवर्क 2023 में प्रस्तावित बदलाव स्कूली शिक्षा के स्वरूप और उसके द्वारा विद्यार्थियों के शैक्षिक विकास की दृष्टि से बहुत महत्वपूर्ण, रचनात्मक, सुविचारित और सकारात्मक हैं। ये स्कूली शिक्षा को मुक्त बनाते हैं और विद्यार्थियों को अपनी पसंद से सीखने, अपनी रुचियों का विकास करने, व्यावसायिक कौशल विकसित करने और अपनी इच्छा के अनुसार परीक्षाएं देने की स्वतंत्रता देते हैं। इसमें पहला सबसे महत्वपूर्ण बदलाव सीखने के कौशलों पर बल देना है। अब ऐसे विद्यार्थियों को लाभ नहीं मिलेगा, जो केवल रटकर परीक्षा पास कर लेते हैं। नए फ्रेमवर्क में इस बात पर बल है कि विद्यार्थी की न केवल ज्ञान में बढ़ोतरी हो, बल्कि वह नया ज्ञान अर्जित करने के कौशल, ज्ञान को जीवन में लागू करने और सॉफ्ट स्किल्स व पेशेवर कौशल अर्जित करके समाज के लिए अधिक उपयोगी नागरिक बन सके। इसमें वैज्ञानिक दृष्टिकोण के विकास, रचनात्मकता और नवाचार पर बल, भाषिक क्षमताओं में वृद्धि, समस्या-समाधान और तर्क-क्षमता को भी स्थान दिया गया है। विद्यार्थियों की दृष्टि को स्थानीय से वैश्विक बनाने के लिए यह प्रावधान भी किया गया है कि समाज विज्ञान के विषयों के पाठ्यक्रमों में 20 फीसदी सामग्री स्थानीय स्तर की हो, 30-30 फीसदी क्षेत्रीय और राष्ट्रीय स्तरों की और 20 फीसदी सामग्री वैश्विक स्तर की हो। पाठ्यक्रम में विभिन्न मूल्यों पर भी बल दिया गया है, जो न केवल अध्ययन की दृष्टि से महत्वपूर्ण हैं, बल्कि शिक्षा को उदात्त स्तर पर भी रखते हैं। इनमें लोकतांत्रिक मूल्यों का सम्मान, पर्यावरण की रक्षा, गरिमा, विविधता की सराहना, जीवदया, समानता आदि शामिल हैं। दूसरा महत्वपूर्ण बदलाव विद्यार्थियों को विषय चुनने में छूट देना है। अब पहले की तरह विज्ञान, कॉमर्स, और आर्ट्स के समूह नहीं होंगे, बल्कि विद्यार्थियों को अपनी रुचि के अनुसार विषय चुनने की छूट होगी। उदाहरण के लिए, यदि कोई विद्यार्थी विज्ञान के साथ इतिहास या संगीत सीखना चाहे, तो उसे इसकी छूट होगी। विद्यार्थियों को सीखने की आजादी देने व उन्हें कॅरिअर में फंसे रहने के बजाय, अपनी रुचियों को आगे बढ़ाने की सुविधा देने की दृष्टि से यह बहुत महत्वपूर्ण बदलाव है। विषयों में कला क्षेत्र के साथ-साथ शारीरिक व मानसिक स्वास्थ्य भी शामिल हैं। तीसरा महत्वपूर्ण बदलाव सीखने में भाषाओं और उनमें भी भारतीय भाषाओं पर बल देना है। अब नौवीं और दसवीं कक्षाओं में विद्यार्थियों को तीन भाषाएं सीखने का अवसर मिलेगा, जिनमें से कम-से-कम दो भाषाएं भारतीय होना जरूरी हैं। ग्यारहवीं और बारहवीं कक्षा में दो भाषाएं होंगी, जिनमें से कम-से-कम एक भाषा भारतीय होनी चाहिए। यह बदलाव कई दृष्टियों से क्रांतिकारी है। प्रथम, सभी प्रकार की शिक्षा के लिए भाषा का ज्ञान होना अनिवार्य है। दूसरे, शोध यह सिद्ध कर चुके हैं कि द्विभाषिकता विद्यार्थियों के बौद्धिक विकास में सहायक होती है। तीसरे, इस प्रस्ताव में भारतीय भाषाओं पर बल देने से एक तो विद्यार्थियों को अपनी भाषाएं सीखने का अवसर मिलेगा, साथ ही भारत की अन्य भाषाओं को सीखने से उन्हें भारत से गहन परिचय प्राप्त करने में मदद मिलेगी। विद्यार्थी भारत की विविधता, इसकी समृद्ध संस्कृति, धरोहर, सामासिकता व मेल-मिलाप के गुण विकसित कर सकेगा। इससे न केवल उसका व्यक्तित्व अधिक भारतीय हो सकेगा, बल्कि भारतीय भाषाओं के विकास, परस्पर सहयोग, और साहित्यिक आदान-प्रदान के मार्ग भी खुलेंगे। यह अवश्य है कि पहले की तुलना में विद्यार्थियों को अब एक विषय अधिक पढ़ना होगा, जो उनके शैक्षिक बोझ में बढ़ोतरी करेगा। लेकिन एक तो यह बदलाव वैश्विक मानदंडों के अनुरूप है और दूसरे विषयों के चयन में स्वतंत्रता देने के कारण यह संभवतः बोझ नहीं रहेगा, बल्कि विद्यार्थियों के चहुंमुखी विकास में योगदान करेगा।

राष्ट्रीय पाठ्यक्रम फ्रेमवर्क 2023 में प्रस्तावित बदलाव स्कूली शिक्षा के स्वरूप और उसके द्वारा विद्यार्थियों के शैक्षिक विकास की दृष्टि से बहुत महत्वपूर्ण, रचनात्मक, सुविचारित और सकारात्मक हैं। ये स्कूली शिक्षा को मुक्त बनाते हैं और विद्यार्थियों को अपनी पसंद से सीखने, अपनी रुचियों का विकास करने, व्यावसायिक कौशल विकसित करने और अपनी इच्छा के अनुसार परीक्षाएं देने की स्वतंत्रता देते हैं। इसमें पहला सबसे महत्वपूर्ण बदलाव सीखने के कौशलों पर बल देना है।

दृष्टिकोण

कामयाबी की होड़ में न टूटे कोई छात्र

राजस्थान के कोटा शहर में कई छात्रों द्वारा आत्महत्या एक गंभीर चिंता का विषय है। ये बच्चे 16 से 19 साल के थे, जो प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी करने के लिए यहां आए थे और कड़ी प्रतिस्पद्र्धा का दबाव न झेल पाने के कारण उन्होंने खुदकुशी कर ली। इस वर्ष अब तक 25 के आसपास छात्रों ने आत्महत्या की है, जो न सिर्फ उनके परिवार की हानि है, बल्कि राष्ट्र के लिए बहुमूल्य मानव-संसाधन की क्षति भी है। फिर भी, इस मसले पर तमाम कोनों में चुप्पी दिखती है। आखिर कोई बच्चा अपनी जान क्यों देता है? इसके लिए उसके परिजन सबसे ज्यादा जिम्मेदार हैं। माता-पिता अपने बच्चे की क्षमता जाने बिना उसे यहां ले आते हैं, फिर चाहे उन्हें इसके लिए कुछ भी क्यों न करना पड़े। यहां का ट्रेंड कहता है कि कोटा में अमूमन मध्यवर्गीय परिवारों के बच्चे ज्यादा आते हैं, जो आरक्षण जैसी सुविधाओं से वंचित होते हैं। वे आमतौर पर हिंदी माध्यम स्कूलों में पढ़े होते हैं। चूंकि उन पर माता-पिता के अरमानों का बोझ काफी ज्यादा होता है, इसलिए जब उनको यह एहसास होता है कि वे उनकी उम्मीदों पर खरे नहीं उतर पा रहे, तो जान देना उन्हें कहीं ज्यादा आसान जान पड़ता है। दूसरे सबसे बडे. जिम्मेदार कोचिंग संस्थान हैं। वे पैसे कमाने की मशीन बन गए हैं। निस्संदेह, वे बच्चों पर मेहनत भी करते हैं, लेकिन यह नहीं समझना चाहते कि परीक्षार्थियों में दबाव सहने की क्षमता कितनी है? यहां हरेक हफ्ते, पाक्षिक या मासिक आंतरिक परीक्षा आयोजित की जाती है, जिसके नतीजे नोटिस-बोर्ड पर चिपकाए जाते हैं। छात्रों पर इसका काफी ज्यादा नकारात्मक असर पड़ता है। इसमें कम अंक पाने वाले बच्चों को लगता है कि वे सार्वजनिक तौर पर जलील किए जा रहे हैं। नतीजतन, उनमें हीन भावना पनपने लगती है। एक तो परिवार का दबाव, ऊपर से अच्छे अंक न ला पाने की हताशा, वे टूटने लगते हैं। तीसरी जिम्मेदारी राज्य की है। यहां नियामक तंत्र का सख्त अभाव है। जरूरत कोचिंग संस्थानों पर ही नजर रखने की नहीं है, मकान मालिकों व हॉस्टलों पर भी समान रूप से ध्यान देने की है, क्योंकि ये सब मनमानी करते हैं। मनमाना किराया वसूलने के साथ-साथ वे अपने-अपने हिसाब से नियम तय करते हैं। माना जाता है कि यहां 400 से ज्यादा हॉस्टल हैं और छात्रों की संख्या तकरीबन दो लाख है। बड़े कोचिंग संस्थान बेशक 10 के करीब हैं, लेकिन छोटे-छोटे कई कोचिंग इंस्टीट्यूट यहां चल रहे हैं। स्थिति यह है कि जयपुर में अब 100-150 छोटे-बड़े कोचिंग सेंटर खुल गए हैं। ऐसे ही, सीकर में 'कोचिंग अर्थव्यवस्था' तेजी से विकसित हो रही है। इन सबको लेकर क्या राज्य सरकार ने कोई नीति बनाई? बेशक, राज्य सरकार ने छात्र-आत्महत्या की बढ़ती घटनाओं को देखते हुए एक कमेटी का गठन किया है, लेकिन जरूरत विशेषज्ञों की समिति बनाने की है।

भारत के पूर्व सेना प्रमुखों की ताइवान विजिट, चीन नाराज : कहा- वन चाइना पॉलिसी को माने भारत, ताइवान से डिफेंस सहयोग बढ़ाने से बचे

बीजिंग।

8 अगस्त को भारतीय सेना के 3 पूर्व सैन्य अधिकारियों ने ताइवान का दौरा किया था। इस पर चीन ने कड़ी आपत्ति जाहिर की है। दरअसल, एक पाकिस्तानी पत्रकार ने प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान चीन के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता वांग वेनबिन से इस मामले पर सवाल पूछा। इसके जवाब में वेनबिन ने कहा कि हम ताइवान के साथ किसी भी ऑफिशियल बातचीत का विरोध करते हैं।

वेनबिन ने कहा- ताइवान को लेकर हमेशा से हमारी यही पॉजिशन रही है। हमें उम्मीद है कि भारत भी एक-चीन वाले सिद्धांत को मानेगा और ताइवान से किसी भी तरह का मिलिट्री और सिक्योरिटी सहयोग बढ़ाने से दूर रहेगा। रिपोर्ट के मुताबिक पूर्व एडमिरल करमबिर सिंह, जनरल एमएम नरवणे और पूर्व चीफ ऑफ एयर स्टाफ भदौरिया ने ताइवान का दौरा किया था। ये ताइवान में हुए इंडो-पैसिफिक सिक्योरिटी डायलॉग में शामिल हुए थे।

ताइवान को लेकर क्या रहा है भारत का स्टैंड - सीनियर जर्नलिस्ट पलकी शर्मा के मुताबिक दिसम्बर 1949 में भारत चीन को मान्यता देने वाले पहले एशियाई देशों में से एक रहा। इसके बाद 45 सालों तक भारत और ताइवान के बीच कोई औपचारिक सम्पर्क नहीं रहा। दोनों देशों के बीच गतिरोध की स्थिति बनी रही। ताईवान का रवैया भी भारत को लेकर बहुत पॉजिटिव नहीं था। ताइवान अपनी वन-चाइना नीति पर अड़ा रहा, जिसमें ताइपे सत्ता का केंद्र था। तिब्बत और मैकमोहन लाइन पर उसकी पोजिशन ठीक वही थी, जो चीन की थी। उसके अमेरिका से गहरे सम्बंध थे, लेकिन भारत जैसे देशों में उसकी अधिक रुचि नहीं थी। लेकिन, 1990 के दशक में भारत की विदेश नीति बदली। उसने लुक-ईस्ट नीति अपनाई, जिसके चलते ताइवान से रिश्ते बढ़ाने की कोशिश की और ताइवान ने भी अच्छी प्रतिक्रिया दी। 1995 में अनधिकृत दूतावासों की स्थापना की गई। 21वीं सदी की शुरुआत तक भारत के चीन से सम्बंध अपने सबसे अच्छे दौर में प्रवेश कर चुके थे। प्रधानमंत्री वाजपेयी चीन की सफल यात्रा करके लौटे थे। भारत की प्राथमिकताएं एक बार फिर ताइवान से दूर खिसक गईं। 2008 के बाद कुछ छिटपुट कोशिशें की गईं, जब ताइवानी मंत्रियों ने भारत की यात्रा की थी, लेकिन यह भारत को जानने-समझने तक ही सीमित थी। बड़ा बूस्ट 2014 में तब आया, जब प्रधानमंत्री मोदी ने ताइवानी प्रतिनिधियों को अपने शपथ-ग्रहण समारोह में बुलाया। ताइवान को लेकर मोदी के मन में एक राजनीतिक धारणा थी और अतीत में भी वे ताईवान से रिश्ते कायम कर चुके थे। 1999 में मोदी ने भाजपा महासचिव के रूप में ताइवान की यात्रा की थी। 2011 में गुजरात के मुख्यमंत्री के रूप में उन्होंने भारत में ताइवान के सबसे बड़े प्रतिनिधिमंडल की मेजबानी की थी। प्रधानमंत्री के रूप में भी उन्होंने ताइवान से सम्बंध बनाए रखे। हालांकि, भारत ने ताइवान को अलग देश के रूप में मान्यता नहीं दी है। चीन ताइवान को अपना ही हिस्सा मानता है। जबकि ताइवान खुद को एक स्वतंत्र देश मानता है। चीन इसलिए ताइवान पर कब्जा करना चाहता है।

न्यूज ब्रीफ

रूस को नोबेल प्राइज डिनर का न्योता: यूक्रेन जंग की वजह से पिछले साल बाहर किया था; बेलारूस और ईरान को भी बुलाया

स्टॉकहोम। रूस और बेलारूस को स्टॉकहोम नोबेल प्राइज डिनर में इस साल फिर से बुलाया गया है। पिछले साल यूक्रेन युद्ध के कारण दोनों देशों को इससे बाहर रहना पड़ा था। ईरान को भी पिछले साल शामिल होने की परमिशन न मिलने की वजह से बाहर रहना पड़ा था। इस बार उसे भी शामिल होने के लिए न्योता दिया गया है। फाउंडेशन ने कहा कि जिन लोगों के साथ उसके विचार नहीं मिलते है उन्हें फिर भी शामिल होने के लिए बुलाया गया है। वहीं एक स्वीडिश एमईपी ने इस साल के निमंत्रण को गलत बताया। एंटी इमीग्रेशन स्वीडन डेमोक्रेट्स पार्टी के नेता जिम्मी एकेसन को भी इस साल पहली बार आमंत्रित किया गया था, लेकिन उन्होंने कहा कि वह बहुत व्यस्त हैं जिस कारण वह इसमें शामिल नहीं हो पाएंगे। 6 नोबेल पुरस्कार समारोहों में से पांच हर साल स्टॉकहोम में होते हैं, जबकि नोबेल शांति पुरस्कार ओस्लो में दिया जाता है। पिछले साल, नोबेल फाउंडेशन ने कहा था कि यूक्रेन पर रूस के हमले के कारण रूस और बेलारूस के राजदूतों को आमंत्रित नहीं किया जाएगा। बेलारूस रूस का एक प्रमुख सहयोगी है और इसके नेता अलेक्जेंडर लुकाशेंको ने रूस के यूक्रेन पर हमले का समर्थन किया है। पिछले साल ईरान को भी आमंत्रित नहीं किया गया था। ईरान को अपने मानवाधिकार रिकॉर्ड के लिए लंबे समय से आलोचना का सामना करना पड़ा है। संयुक्त राष्ट्र ने कहा है कि वहां की सरकार ने पिछले साल विरोध प्रदर्शनों पर अपनी कार्रवाई में मानवाधिकारों का उल्लंघन किया था।

राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार भारतवंशी विवेक रामास्वामी ने की पीएम मोदी की तारीफ, कहा- मैं उनसे प्रभावित हूं

वॉशिंगटन । अमेरिक में राष्टपति पद के भारतवंशी उम्मीदवार विवेक रामास्वामी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की प्रशंसा और भारत-प्रशांत क्षेत्र में चीन को रोकने में भारत की भूमिका की सराहना की है।

एक पॉडकास्ट में बातचीत के दौरान जब रामास्वामी से पूछा गया कि क्या उनका पीएम मोदी से कोई संबंध है तो उन्होंने कहा, मैं उन्हें (पीएम मोदी को) अभी तक नहीं जानता। वह यूएस कांग्रेस में अपने संयुक्त सत्र के लिए आए थे, तो मैं वहीं रुक गया। मैं वहां अतिथि के तौर पर था और उन्हें सुनने के लिए वहां रुक गया। एक नेता के तौर पर मैं उनसे काफी ज्यादा प्रभावित हुआ। उन्होंने आगे कहा, मुझे लगता है कि भारत को इसे थोड़ा आगे बढ़ाना होगा। भारत अभी तक सैन्य प्रतिबद्धताओं के स्तर तक नहीं पहुंच पाया है, जिसे मैं व्यापार के संबंध में थोड़ी निराशाजनक मानता हूं। आपको भी मालूम होगा कि अमेरिका भी आवश्यकता से थोड़ा कम ही विश्वसनीय रहा है। मैं इसे ठीक करना चाहता हूं। चीन पर रामास्वामी ने कहा, भारत का अमेरिका के लिए एक विश्वसनीय साथी बनना चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग के लिए चिंताजनक है। उन्होंने चीन-ताइवान संघर्ष पर बात करते हुए कहा कि ताइवान के साथ संघर्ष के बीच लोग एक बात भूल गए हैं और वो है हिंद महासागर। यह वो जगह है जहां से चीन में तेल की आपूर्ति की जाती है। अगर भारत एक विश्वसनीय साथी है तो यह शी जिनपिंग के लिए एक बाधा बन सकता है। मुझे ऐसा लगता है कि मेरे पास स्पष्ट दृष्टिकोण है कि चीन को ताइवान के पीछे जाने से कैसे रोका जा सकता है। विदेश नीतियों के तौर पर यह राष्ट्रपति द्वारा किए जाने वाले महत्वपूर्ण कामों से एक होगा। उन्होंने कहा, मैं उस बात को त्यागना चाहता हूं जिसमें कहा जाता है कि विश्व में जो भी होता है उसमें अमेरिका मध्यस्ता का काम करता है। एक राष्ट्रपति के तौर पर मेरा ध्यान अमेरिका के नागरिकों का ध्यान रखना है। उन्होंने कहा कि वह शी जिनपिंग और व्लादिमीर पुतिन जैसे नेताओं के साथ निपटने के लिए तैयार है। रूस-यूक्रेन पर बात करते हुए उन्होंने कहा, इस संघर्ष में अमेरिका यूक्रेन के समर्थन में है। इस युद्ध को खत्म करने के लिए रूस को चीन के साथ अपने सैन्य गठबंधन से बाहर निकलना होगा।

जापान का रक्षा बजट बढ़कर रिकॉर्ड 52.67 अरब डॉलर हुआ, चीन-उ. कोरिया से निपटने की तैयारी

टोक्यो । चीन के साथ बिगड़ते रिश्ते और उत्तर कोरिया के दोहरे खतरे से निपटने की तैयारी में जापान जुट गया है। जापान ने 2024 वित्त वर्ष के लिए रिकॉर्ड 52.67 अरब डॉलर के रक्षा बजट का प्रस्ताव रखा है। यह जापान के इतिहास में अब तक का सबसे बड़ा रक्षा बजट है। पीएम फुमियो किशिदा की पांच वर्षों में सैन्य खर्च को 43 खरब येन तक बढ़ाने की योजना के तहत यह ताजा कदम है।

सिंगापुर में नौवें राष्ट्रपति के लिए मतदान ; मैदान में भारतीय मूल के पूर्व मंत्री थर्मन शनमुगरत्नम

सिंगापुर।

सिंगापुरवासी एक दशक से भी अधिक समय बाद देश के नौवें राष्ट्रपति चुनाव के लिए मतदान कर रहे हैं। बताया जा रहा है कि इस चुनाव में त्रिकोणीय मुकाबला है, जिसमें सिंगापुर में जन्मे भारतीय मूल के पूर्व मंत्री थर्मन शनमुगरत्नम भी रेस में शामिल हैं। सुबह आठ बजे मतदान केंद्र खुलने के साथ योग्य मतदाताओं ने अपने मत डालना शुरू कर दिया।

27 लाख से अधिक सिंगापुरवासियों के मतदान करने की उम्मीद है, मतदान केंद्र रात आठ बजे तक खुले रहेंगे। इसके बाद वोटों की गिनती शुरू होगी। मतदान के नतीजे आधी रात तक सामने आ जाएंगे। त्रिकोणीय मुकाबले में थर्मन के अलावा देश के नौवें राष्ट्रपति की दौड़ में दो अन्य उम्मीदवार सिंगापुर सरकार इन्वेस्टमेंट कॉर्प (जीआईसी) के पूर्व मुख्य निवेश अधिकारी एनजी कोक सोंग और देश के स्वामित्व वाली संघ-आधारित बीमा समूह एनटीयूसी इनकम के पूर्व प्रमुख टैन किन लियान शामिल हैं। निवर्तमान राष्ट्रपति हलीमा याकूब का छह साल का कार्यकाल 13 सितंबर को समाप्त होगा। वह देश की आठवीं और पहली महिला राष्ट्रपति हैं। 2017 का राष्ट्रपति चुनाव एक आरक्षित चुनाव था, जिसमें केवल मलय समुदाय के सदस्यों को चुनाव लड़ने की अनुमति थी। तब हलीमा को राष्ट्रपति नामित किया गया था क्योंकि कोई अन्य उम्मीदवार नहीं था। चुनाव विभाग सिंगापुर (ईएलडी) ने बयान में कहा, चूंकि मतदान रात आठ बजे तक चलेगा, इसलिए हम मतदाताओं को दिन में देर से मतदान केंद्र पर पहुंचने की सलाह देते हैं, खासकर दोपहर में जब कतारें आमतौर पर छोटी होती हैं। हम सुबह से कतार में लगे मतदाताओं से धैर्य और समझ की अपेक्षा करते हैं।

2011 के बाद पहला राष्ट्रपति चुनाव

सुबह-सुबह मतदान केंद्रों पर पहुंचने वाले लोगों में राष्ट्रपति हलीमा और प्रधानमंत्री ली सीन लूंग भी शामिल थे। 2011 के बाद यह पहला राष्ट्रपति चुनाव है। भारतीय मूल के 66 वर्षीय अर्थशास्त्री थर्मन ने देश की संस्कृति को दुनिया में प्रसिद्ध स्थान बनाए रखने के लिए विकसित करने के वादे के साथ जुलाई में औपचारिक रूप से अपना राष्ट्रपति अभियान शुरू किया था।

राष्ट्रपति पद के तीनों उम्मीदवारों का चयन सख्त मानदंडों के तहत किया गया है। सिंगापुर में राष्ट्रपति पद के लिए दावेदारी करने वाले उम्मीदवारों के लिए कड़ी योग्यता प्रक्रिया है। 2001 में राजनीति में शामिल हुए थर्मन ने दो दशकों से अधिक समय तक सत्तारूढ़ पीपुल्स एक्शन पार्टी (पीएपी) के साथ सार्वजनिक क्षेत्र और मंत्री पदों पर कार्य किया है। थर्मन महामारी संबंधी तैयारियों और मानव विकास सहित विभिन्न क्षेत्रों में अपने अंतरराष्ट्रीय अनुभव का हवाला देकर समृद्ध देश के अगले राष्ट्रपति बनने के लिए अपनी योग्यता का समर्थन करते हैं। उनके पास सरकार और सिटी स्टेट के विदेशी मुद्रा भंडार का भी अनुभव है, जिसका अनुमान दो ट्रिलियन सिंगापुर डॉलर से अधिक है।

टैन ने एनटीयूसी इनकम के मुख्य कार्यकारी के रूप में अपने 30 साल के अनुभव का हवाला दिया है, लेकिन एनजी और टैन का किसी राजनीतिक पार्टी से संबंध नहीं है। वहीं, थर्मन ने 2011-2019 के बीच सिंगापुर के उपप्रधानमंत्री के रूप में कार्य किया है। उन्होंने राष्ट्रपति पद की उम्मीदवारी के लिए जुलाई में सार्वजनिक और राजनीतिक पदों से इस्तीफा दे दिया था।

बता दें, सिंगापुर के अतीत में दो भारतीय मूल के राष्ट्रपति रह चुके हैं। सेलप्पन रामनाथन, जिन्हें एसआर नाथन के नाम से जाना जाता है, सिंगापुर के राजनेता और तमिल मूल के सिविल सेवक थे, जिन्होंने सिंगापुर में राष्ट्रपति के रूप में कार्य किया था। नाथन ने 2009 में बेंजामिन शियर्स को हराकर सिंगापुर में सबसे लंबे समय तक राष्ट्रपति रहने वाले शख्स बने। इसके बाद दूसरा नाम चेंगारा वीटिल देवन नायर का है, जिन्हें देवन नायर के नाम से जाना जाता है। देवन नायर ने 1981 से 1985 तक सिंगापुर के तीसरे राष्ट्रपति के रूप में कार्य किया था। 1923 में मलयेशिया के मलक्का में जन्मे नायर एक रबर बागान क्लर्क के बेटे थे, जो मूल रूप से केरल के थालास्सेरी के रहने वाले थे। सिंगापुर में पहला राष्ट्रपति चुनाव 28 अगस्त 1993 को हुआ था।

अमेरिका में भारतीय-एशियाई आभूषण दुकानों में लूटपाट करने वाले गिरोह का भंडाफोड़, 16 लोगों को किया गिरफ्तार

वाशिंगटन । अमेरिका में एक ऐसे गिरोह का भंडाफोड़ किया जो अमेरिकी राज्यों में भारतीय और अन्य एशियाई आभूषण दुकानों को निशाना बनाकर लूटपाट करते थे। एक रिपोर्ट के अनुसार, इस गिरोह के सदस्य दुकानों में हथियारों से लैस होकर घुसते थे और वहां मौजूद लोगों के साथ हिंसा करके सामान लूट लेते थे। कई राज्यों में डकैतियां करने के आरोप में इस गिरोह के कुल 16 सदस्यों को गिरफ्तार किया गया है। आभूषण स्टोरों को निशाना बनाकर डकैती करने की साजिश रची एक विज्ञप्ति के अनुसार, संघीय कानून प्रवर्तन ने बुधवार को आठ संदिग्धों को गिरफ्तार किया, जबकि शेष आठ को पहले गिरफ्तार किया गया था। वाशिंगटन संघीय अदालत में दायर आरोप पत्र में कहा गया कि सात जनवरी, 2022 और 27 जनवरी, 2023 के बीच, आरोपियों ने कोलंबिया जिले में न्यू जर्सी, पेंसिल्वेनिया, वर्जीनिया और फ्लोरिडा में एशियाई अमेरिकियों के स्वामित्व वाले आभूषण स्टोरों को निशाना बनाकर डकैती करने की साजिश रची। चार दुकानें भारतीय मूल के लोगों की आरोप पत्र में कहा गया है कि गिरोह ने नौ दक्षिण एशियाई आभूषण दुकानों को निशाना बनाया उनमें से चार दुकानें भारतीय मूल के लोगों की हैं। अदालत के दस्तावेजों में कहा गया है कि लुटेरों ने दक्षिण एशियाई ज्वेलर्स की पहचान की और उन पर हमला किया। आरोपपत्र के अनुसार, गिरोह ने डकैतियों को अंजाम देने के लिए कार लूटी और वाहन चुराए। बंदूक से लैस होकर डकैती करते थे आरोपी बुधवार को जारी प्रेस विज्ञप्ति में कहा गया है कि यह गिरोह काले कपड़े, मुखौटे और दस्ताने पहनकर, बंदूक से लैस होकर डकैती करता था और भागने के लिए चोरी के वाहनों का इस्तेमाल करता था।

जी-20 समिट से गैरहाजिर रह सकते हैं सऊदी क्राउन प्रिंस

रूस के प्रेसिडेंट पुतिन भारत नहीं आएंगे, चीनी राष्ट्रपति जिनपिंग का पहुंचना भी तय नहीं

रियाद।

रूसी राष्ट्रपति पुतिन और चीन के प्रेसिडेंट जिनपिंग के बाद अब सऊदी अरब के क्राउन प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान के भी जी-20 समिट में शामिल न होने की आशंका है। पाकिस्तानी मीडिया द नेशन के हवाले से बताया कि क्राउन प्रिंस ने जी-20 के लिए भारत दौरा कैंसिल कर दिया है।

मीडिया रिपोर्ट्स में ये भी कहा गया था कि समिट के बाद वो 11 सितंबर को एक दिन के लिए भारत की स्टेट विजिट पर रहेंगे। इसके ठीक पहले वो कुछ घंटों के लिए पाकिस्तान भी जाने वाले थे। पाकिस्तान के विदेश मंत्रालय की प्रवक्ता मुमताज जहरा बलोच ने कहा- बिन सलमान का पाक दौरा स्थगित हो गया है और इसकी नई तारीखें जल्द ही बताई जाएंगी।

सऊदी क्राउन प्रिंस ने पाकिस्तान का दौरा भी टाला - बताया कि पहले क्राउन प्रिंस ने पाकिस्तान का दौरा भी खारिज कर दिया था। इसके बाद वहां के अधिकारियों से बातचीत के बाद इसे पोस्पोन किया गया। बिन सलमान पाकिस्तान में केयरटेकर पीएम काकर और आर्मी चीफ मुनीर से मिलने वाले थे। इसके अलावा जी-20 समिट में शामिल होने के लिए रूस के राष्ट्रपति पहले ही इनकार कर चुके हैं। पुतिन ने 28 अगस्त को पीएम मोदी से फोन पर बातचीत के दौरान बताया था कि शिखर सम्मेलन में उनकी जगह विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव शामिल होंगे। पुतिन इससे पहले ब्रिक्स समिट के लिए भी साउथ अफ्रीका के जोहान्सबर्ग नहीं गए थे। वहीं चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग के भी भारत आने पर संदेह बना हुआ है। अपनी रिपोर्ट में बताया था कि जिनपिंग की जगह चीन के प्रधानमंत्री ली कियांग शामिल होंगे।

जी-20 में जिनपिंग के भी न आने की आशंका - भारत के 2 अधिकारियों, एक डिप्लोमेट और जी-20 के एक सदस्य देश के अधिकारी के हवाले से बताया था कि जिनपिंग आसियान समिट के लिए भी इंडोनेशिया नहीं जाएंगे। हालांकि, अमेरिका राष्ट्रपति ने उम्मीद जताई थी कि जिनपिंग समिट के लिए भारत पहुंचेंगे। इससे पहले मीडिया रिपोर्ट्स में कहा गया था कि जिनपिंग समिट में शामिल होने के लिए भारत आ सकते हैं। दिल्ली में जिनपिंग और उनके डेलिगेशन के लिए होटल ताज पैलेस बुक भी किया गया था।

कंगाल पाकिस्तान में मालामाल होना चाहते हैं राष्ट्रपति अल्वी, सैलरी बढ़ने के लिए लिखा पत्र

इस्लामाबाद ।

पाकिस्तान इन दिनों आर्थिक संकट से परेशान है। महंगाई ने कमर तोड़ दी है। पेट्रोल डीजल की कीमतों में बेहताशा बढ़ोतरी हो रही है। बिजली बिलों को लेकर जनता सड़कों पर उतर आई। बढ़ती महंगाई के बीच पाकिस्तान के राष्ट्रपति आरिफ अल्वी मालामाल होना चाहते हैं। राष्ट्रपति अल्वी अपने वेतन में बढ़ोतरी चाहते हैं। आधिकारिक दस्तावेजों से खुलासा हुआ है कि राष्ट्रपति ने फिर से वेतन वृद्धि की मांग की है, पहली बार 1 जुलाई 2021 से और दूसरा 1 जुलाई 2023 से। अभी राष्ट्रपति का मासिक वेतन 846,550 रुपए है। वे जुलाई 2021 और जुलाई 2023 से दो चरणों में 1024325 रुपए और 1229190 रुपए प्रति महीने की सैलरी चाहते हैं। राष्ट्रपति सचिवालय ने महीने की शुरुआत में अपने सैन्य सचिव के माध्यम से कैबिनेट सचिव को लिखे पत्र में राष्ट्रपति के वेतन भत्ते और विशेषाधिकार (संशोधन) अधिनियम, 2018 की चौथी अनुसूची में राष्ट्रपति के वेतन की अनुमति देने के लिए संशोधन की इच्छा जाहिर की है। राष्ट्रपति सचिवालय के पत्र में राष्ट्रपति की मांग को उचित ठहराया गया। पत्र में कहा गया है कि इस अवधि में पाकिस्तान के मुख्य न्यायाधीश का वेतन भी दो बार बढ़ाया गया था। राष्ट्रपति सचिवालय ने अपने पत्र में लिखा, चीफ जस्टिस की सैलरी में 2021 से लेकर 2023 तक की अवधि तक में सैलरी में दोगुना इजाफा हुआ। यह सैलरी राष्ट्रपति के आदेश पर बढ़ाई गई। चीफ जस्टिस की सैलरी 01 जुलाई 2021 से 1,024,324 लाख रुपये प्रति महीना और 1 जुलाई 2023 से 1,229,189 प्रति महीना हुआ। हालांकि, राष्ट्रपति का वेतन किसी भी सार्वजनिक पद धारक यानी पाकिस्तान के मुख्य न्यायाधीश के वेतन से एक रुपये अधिक के निर्धारित सिद्धांत के संबंध में नहीं बढ़ाया गया था। राष्ट्रपति सचिवालय की सिफारिश के बाद सचिव कैबिनेट ने मामले को पाकिस्तान के कानून मंत्रालय को भेज दिया है। मामला वित्त विभाग को भी भेजा गया, वित्त विभाग ने 22 अगस्त को राष्ट्रपति (वेतन, भत्ते और विशेषाधिकार) अधिनियम, 1975 की चौथी अनुसूची में संशोधन के माध्यम से राष्ट्रपति के वेतन में प्रस्तावित वृद्धि का भी समर्थन किया।

पाकिस्तान में पुलवामा जैसा हमला, सेना के काफिले से टकराया आत्मघाती हमलावर, धमाके में नौ की मौत

इस्लामाबाद ।

पाकिस्तान में बड़ा आतंकी हमला हुआ है। दरअसल टीटीपी के आत्मघाती हमले में पाकिस्तानी सेना के नौ जवानों की मौत की खबर है। घटना पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा प्रांत की है, जब एक बाइक सवार आत्मघाती आतंकी ने सेना के काफिले को धमाके से उड़ा दिया। इस धमाके में पाकिस्तानी सेना के नौ जवानों की मौत हो गई और पांच अन्य घायल हुए हैं। पाकिस्तानी सेना ने यह जानकारी दी है। बता दें कि 14 फरवरी 2019 को जम्मू कश्मीर के पुलवामा में एक आतंकी ने विस्फोटक लदी कार से सीआरपीएफ के काफिले के वाहन में टक्कर मार दी थी। इस हमले में सीआरपीएफ के 40 जवान शहीद हो गए थे।

टीटीपी ने ली हमले की जिम्मेदारी

पाकिस्तानी सेना के इंटर सर्विस पब्लिक रिलेशन (आईएसपीआर) शाखा ने बताया कि पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा प्रांत के बन्नू जिले में एक बाइक सवार आत्मघाती हमलावर ने सेना सेना के काफिले को निशाना बनाया। हमलावर ने अपनी बाइक काफिले के एक वाहन से टकरा दी। इससे जबरदस्त विस्फोट हुआ और वाहन में सवार

नौ जवानों की मौत हो गई और पांच अन्य घायल हो गए। तहरीक ए तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) ने हमले की जिम्मेदारी ली है।

प्रधानमंत्री ने घटना पर जताया दुख

घटना के बाद सुरक्षाबलों और जांच एजेंसियों ने मौके पर पहुंचकर इलाके की घेराबंदी कर दी है और इस हमले के लिए जिम्मेदार लोगों की धरपकड़ के लिए बड़े पैमाने पर तलाशी अभियान शुरू कर दी है। वहीं इस आतंकी हमले की घटना पर पाकिस्तान के कार्यवाहक प्रधानमंत्री अनवारुल हक काकड़ ने दुख जताया है और मृतकों के परिजनों के प्रति संवेदनाएं जाहिर की हैं। बता दें कि बीते कुछ समय से पाकिस्तान में आतंकी घटनाएं काफी बढ़ गई हैं। खासकर टीटीपी द्वारा पाकिस्तान में कई बड़े आतंकी हमलों को अंजाम दिया गया है।

पाकिस्तान में कई बड़े आतंकी हमलों को अंजाम दे चुका है टीटीपी

टीटीपी कई आतंकी संगठनों का समूह है, जिसकी स्थापना साल 2007 में की गई थी। अफगानिस्तान की सीमा से लगते खैबर पख्तूनख्वा में इस आतंकी संगठन का काफी प्रभाव है और यहां कई आतंकी हमलों के पीछे टीटीपी की भूमिका रही है। बीते महीने ही खैबर पख्तूनख्वा में एक पुलिस चौकी पर टीटीपी के आतंकियों ने हमला किया था, जिसमें दो पुलिसकर्मी मारे गए थे। बीती 30 जनवरी को पेशावर में एक मस्जिद में आत्मघाती आतंकी ने दोपहर की नमाज के दौरान खुद को उड़ा लिया था, जिसमें 100 से ज्यादा लोगों की मौत हो गई थी और 200 से अधिक लोग घायल हो गए हैं। साल 2014 में पेशावर में आर्मी पब्लिक स्कूल पर हुए टीटीपी के हमले में भी 130 से अधिक छात्र मारे गए थे, जिसकी पूरी दुनिया में आलोचना हुई थी।

यूक्रेन के 4 क्षेत्रों में चुनाव करवा रहा रूस

जेलेंस्की ने कहा था- अमेरिका पैसा दे तो जंग के बीच भी यूक्रेन में इलेक्शन मुमकिन

कीव।

रूस यूक्रेन में मौजूद अपने कब्जे वाले क्षेत्रों में अब चुनाव करा रहा है। इसके जरिए वो इन क्षेत्रों में अपनी अथॉरिटी को और मजबूत करना चाहता है। ये चुनाव यूक्रेन के 4 क्षेत्रों में हो रहे हैं। इनमें डोनेट्स्क, लुहांस्क, जपोरीजिया और खेरसॉन शामिल हैं। हालांकि, इन चारों में से किसी भी शहर पर रूस का पूरा कब्जा नहीं है। दूसरी तरफ कुछ दिन पहले जेलेंस्की ने कहा था कि यूक्रेन में जंग के बीच भी राष्ट्रपति चुनाव करवाए जा सकते हैं अगर पश्चिमी देश इसके लिए पैसे दें और लोग वोट डालने के लिए तैयार हों। दरअसल, यूक्रेन में अगले साल चुनाव होने हैं, लेकिन यूक्रेन में फिलहाल मार्शियल लॉ लगा हुआ है।

जेलेंस्की ने कहा- जो लोग रूस के खिलाफ लड़ रहे हैं, उनका इस चुनाव में शामिल होना बेहद जरूरी है। वो ही हमारे देश की रक्षा कर रहे हैं। इसी वजह से देश में अब तक चुनाव टाले गए हैं।

यूक्रेन के 20प्रतिशत इलाके पर रूस का कब्जा - क्रीमिया के साथ इन शहरों में रूसी कब्जे वाले इलाकों को मिलाकर यूक्रेन के करीब 20प्रतिशत हिस्से पर रूस का कब्जा है। यूक्रेन के अधिकारियों ने इन चुनावों का विरोध करके इसे अवैध बताया है। उन्होंने कहा- ये इस बात का सीधा सबूत है कि रूस के साथ शांति के लिए बातचीत करना नामुमकिन क्यों है। जब तक रूस अपनी सेना को हमारे क्षेत्रों से नहीं हटाती है, तब तक कोई भी बातचीत नहीं हो सकती।

इन चारों क्षेत्रों में मॉस्को की तरफ से अपॉइंट किए गए गवर्नर्स पर चुनाव की जिम्मेदारी है। इलेक्शन 10 सितंबर को पूरे होंगे। ये सभी गवर्नर पुतिन के समर्थन से चुने गए हैं, जो हाल ही में क्रेमलिन के यूनाइटेड रशिया गुट में जुड़े हैं। इनके खिलाफ ज्यादा विरोध भी दर्ज नहीं हुआ है।

डोनेट्स्क में पोलिंग बूथ लगाए गए, जिसके बाद कुछ लोग वोट डालने भी पहुंचे।

जपोरीजिया-डोनेट्स्क में वोटिंग शुरू - इन लोगों के पास रूस की तरफ से बांटे गए नए पासपोर्ट थे। इसके अलावा जपोरीजिया में भी वोटिंग शुरू हो गई। जपोरीजिया में मौजूद रूसी गवर्नर येवगेनी बैलिट्स्की ने कहा- हमें पूरा भरोसा है कि यूनाइटेड रशिया को जनता का साथ मिलेगा। जपोरीजिया के 80प्रतिशत हिस्से पर रूस का कब्जा है। रूसी अधिकारियों ने बताया कि चारों क्षेत्रों में रह रहे वोटर्स की सुरक्षा के लिए वोटिंग कई दिनों तक चलना जरूरी है। क्रेमलिन के कंट्रोल वाली एक पोल वेबसाइट ने अगस्त की शुरुआत में बताया था किइन 4 शहरों में 80प्रतिशत क्षेत्र पर रूस का कब्जा है। बताया कि खेरसॉन और जपोरीजिया में जो उम्मीदवार खड़े हुए हैं, उसमें से रूस समर्थित 50प्रतिशत कैंडिडेट लोकल हैं।

पिछले साल रूस ने चारों क्षेत्र को अपने हिस्से में मिलाया - इससे पहले पिछले साल रूस ने डोनेट्स्क, लुहांस्क, जपोरीजिया और खेरसॉन को अपने इलाके में शामिल कर लिया था। क्रेमलिन में एक खास समारोह में रूस के राष्ट्रपति व्लादिमिर पुतिन ने इन चारों राज्यों के प्रतिनिधियों की मौजूदगी में समझौते पर दस्तखत किए थे। पुतिन ने कहा था- इन चारों क्षेत्रों के अधिकतम लोगों ने रूस के हक में वोट दिया। यह रूस के करोड़ों लोगों का सपना था। रूस ने इन इलाकों में जनमत संग्रह यानी रेफरेंडम कराने के बाद इन्हें अपनी सीमा में शामिल किया था। वहीं 2014 में रूस ने इसी तरह क्रीमिया पर कब्जा किया था। उसने दावा किया था कि क्रीमिया में रूसी शासन के पक्ष में 96 प्रतिशत मतदान हुआ था। इसके तुरंत बाद रूसी सेना और रूस समर्थक हथियारबंद फौज ने क्रीमिया पर कब्जा कर लिया था। रूस ब्लैक सी के बंदरगाहों पर कब्जा करना चाहता है। ये पोर्ट रणनीतिक रूप से तो अहम हैं ही, साथ ही भूमध्य सागर को जोड़ने वाला व्यापारिक रास्ता भी यहीं से होकर जाता है। लिहाजा व्यापार के लिए भी इन पर नियंत्रण जरूरी है।

सात आईएएस अफसरों के तबादले तीन को मिला अतिरिक्त कार्यभार

जयपुर (हिंस)। प्रदेश की गहलोत सरकार ने प्रशासनिक बेड़े में बदलाव किया है। गुरुवार देर रात कार्मिक विभाग ने सात आईएएस अफसरों के तबादले किए है। साथ ही तीन आईएएस को अतिरिक्त कार्यभार दिया है। कार्मिक विभाग की ओर से जारी तबादला सूची में महेंद्र सोनी को अतिरिक्त महानिदेशक एचसीएम रीपा जयपुर, कुमारपाल गौतम को आयुक्त राजस्थान आवासन मंडल जयपुर, ओमप्रकाश कसेरा को आयुक्त आबकारी विभाग उदयपुर, टीकमचंद बोहरा को जिला कलेक्टर शाहपुरा, बाबूलाल गोयल को नगर निगम जयपुर ग्रेटर, हनुमानमल ढाका को प्रबंध निदेशक राजफैड जयपुर, डॉ. मंजू को संयुक्त शासन सचिव ऊर्जा विभाग जयपुर के पद पर लगाया गया है। वहीं तीन आईएएस अधिकारियों को अतिरिक्त कार्यभार सौंप गया है।

विपक्ष के हर झूठे नेरेटिव को जनता के बीच जाकर ध्वस्त करें विस्तारक : ओमप्रकाश धनखड़

गुरुग्राम में हुई भाजपा के लोकसभा व जिला स्तर के विस्तारकों की बैठक

गुरुग्राम (हिंस)। भारतीय जनता पार्टी 2024 के चुनाव में लगातार तीसरी बार ऐतिहासिक जीत दर्ज करने की तैयारियों में जुट गई है। 2014 और 2019 की सफलता को पार्टी अगले साल होने वाले लोकसभा और विधानसभा चुनाव में भी दोहराना चाहती है। यही वजह है कि बीजेपी हरियाणा प्रदेश अध्यक्ष ओम प्रकाश धनखड़ लगातार योजना बनाने और उसे अमलीजामा पहनाने में लगे हुए हैं। शुक्रवार को उन्होंने लोकसभा और जिला स्तर के विस्तारक प्रमुखों की प्रदेश स्तरीय बैठक प्रदेश कार्यालय गुरुकमल में बुलाई। ओमप्रकाश धनखड़ ने आगामी चुनाव को लेकर विस्तारकों को मोटिवेट किया और फिल्ड में उतरकर और लोगों की भावनाओं के अनुरूप काम करने की बात कही। उन्होंने यह भी कहा कि विस्तारक विपक्ष द्वारा फैलाए जा रहे झूठे नेरेटिव को जनता के बीच

जाकर ध्वस्त करने का काम करें। इस मौके पर संगठन मंत्री फर्णींद्र नाथ शर्मा, प्रदेश सचिव सुरेंद्र आर्य, हरियाणा के विस्तारक प्रमुख भारत भूषण मिड्डा भी उपस्थित रहे। प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि भाजपा कार्यकर्ताओं में ईश्वर और जनता में ईश्वर के विराट रूप का दर्शन करती है। सभी विस्तारक निरपेक्ष भाव से जनता के बीच जाकर काम करें। हमारे ध्येय में स्पष्टता होनी चाहिए। भाजपा का एक ही मंत्र है भारत माता की जय, आराध्य (जनता) को सामने रखकर ही भारत माता की जय संभव है। धनखड़ ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी का लक्ष्य भी अंत्योदय है, प्रण और पथ भी अंत्योदय है। अपने दायित्व का सही तरह से निर्वहन करते हुए गरीबों की सेवा करना ही हमारा लक्ष्य होना चाहिए। सभी बूथों को सर्वस्पर्शी और सर्वव्यापी बनाना आप सभी की जिम्मेदारी है। आगामी चुनाव को ध्यान में रखते हुए चैलेंज के साथ अभी अपने काम में जुट जाएं। प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि अच्छे कार्यकर्ता ही अच्छे नेताओं का निर्माण करते हैं। संगठन और पार्टी को मजबूत करने में अपना सर्वश्रेष्ठ दें और सेवाभाव से गरीबों की सहायता करें।

नवंबर में अमृतसर से कुआलालंपुर के लिए फ्लाइट शुरू करेगी मलेशिया एयरलाइंस

चंडीगढ़ (हिंस)। पंजाब से विदेशों में जाने वालों के लिए अच्छी खबर है। मलेशिया एयरलाइंस ने पंजाब के अमृतसर से फ्लाइट शुरू करने का फैसला किया है। यह फ्लाइट कुआलालंपुर के लिए उड़ान भरेगी। अभी तक मलेशिया एयरलाइंस सिर्फ नई दिल्ली, मुंबई, बेंगलुरु, हैदराबाद और चेन्नई से उड़ान भर रही थी। फ्लाई अमृतसर इनिशिएटिव के सचिव योगेश कामरा ने शुक्रवार को बताया कि मलेशिया एयरलाइंस आठ नवंबर से दोनों शहरों के बीच सप्ताह में दो दिन बुधवार व शनिवार को उड़ान भरेगी। कामरा ने बताया कि अभी तक बैटिक एयर सप्ताह में तीन दिन उड़ान भर रही है। एयर एशिया एक्स 3 सितंबर से सप्ताह में चार दिन उड़ान भरना शुरू करेगी। मलेशिया एयरलाइंस का यह विमान शाम 6.50 बजे मलेशिया समय के अनुसार कुआलालम्पुर से अमृतसर एयरपोर्ट के लिए उड़ान भरेगा। यह विमान लगभग साढ़े 4 घंटे के ठहराव के बाद रात 11.25 बजे भारतीय समय अनुसार मलेशिया के कुआलालम्पुर के लिए उड़ान भरेगा। दोनों देशों के बीच यह सफर 5.35 घंटों का रहेगा। एयरलाइंस ने अपनी वेबसाइट पर इसकी बुकिंग शुरू कर दी है।

सफाई कर्मचारियों ने शहर में झाड़ू प्रदर्शन कर आगामी आंदोलन के नोटिस व मांगपत्र सौंपे

भिवानी (हिंस)। नगर पालिका कर्मचारी संघ के बैनर तले सफाई कर्मचारियों ने शुक्रवार को शहर में झाड़ू प्रदर्शन करते हुए उपायुक्त के माध्यम से शहरी स्थानीय निकाय मंत्री, अतिरिक्त मुख्य सचिव शहरी स्थानीय निकाय विभाग, महानिदेशक शहरी स्थानीय निकाय विभाग एवं अग्नि शमन विभाग को आगामी आंदोलन का नोटिस एवं अपनी मांगों से संबंधित मांग पत्र सौंपा। इस दौरान कर्मचारियों ने शहर भर में रोष प्रदर्शन किया तथा कहा कि भाजपा उनके साथ हुए समझौते पर काम नहीं कर रही तथा बार-बार वादे करके कर्मचारियों को गुमराह किया जा रहा है, जिसके चलते उन्हें बार-बार सड़कों पर उतरना पड़ता हैं। इस मौके पर नगर पालिका कर्मचारी संघ के प्रदेश सचिव पुरूषोत्तम दानव ने कहा कि पालिका कर्मचारियों के लगातार आंदोलन के दबाव में 29 अक्टूबर 2022 व 5 अप्रैल 2023 को मांगें पूरी किए जाने का आश्वासन दिया था, लेकिन सरकार ने आज तक अपने वादे को पूरा नहीं किया। इसके चलते सफाई कर्मचारियों में रोष बढ़ता जा

रहा है। उन्होंने कहा कि शुक्रवार को मांग पत्र के माध्यम से सरकार को अपना वादा याद दिलाया गया है। यदि अब भी सफाई कर्मचारियों की मांगें नहीं मानी गईं तो 19 व 20 सितंबर को प्रदेशभर में विशाल झाड़ू प्रदर्शन, 25 से 29 सितंबर तक क्रमिक भूख हड़ताल तथा 29 सितंबर से 6 अक्तूबर तक प्रदेश में जन संपर्क अभियान चलाया जाएगा और पोल खोलो अभियान चलाया जाएगा।

उप-मुख्यमंत्री दुष्यंत चौटाला ने किया मेरा बिल-मेरा अधिकार योजना का शुभारंभ

गुरुग्राम (हिंस)। भारत सरकार की एक महत्वपूर्ण पहल के तहत राज्य सरकारों के सहयोग से देश के तीन राज्यों हरियाणा, असम व गुजरात तथा तीन केंद्र शासित प्रदेशों पुडुचेरी, दादरा, नगर हवेली तथा दमन व दीव में मेरा बिल मेरा अधिकार योजना शुक्रवार से आरंभ हो गई। हरियाणा के उप-मुख्यमंत्री दुष्यंत चौटाला ने गुरुग्राम के सेक्टर-15 पार्ट टू की मार्केट से इस योजना का शुभारंभ किया। भारत सरकार में राजस्व सचिव संजय मल्होत्रा, आबकारी एवं कराधान विभाग, हरियाणा (स्टेट जीएसटी) के प्रधान सचिव देवेंद्र कल्याण, केंद्रीय अप्रत्यक्ष कर एवं सीमा शुल्क बोर्ड के चेयरमैन संजय कुमार अग्रवाल तथा जीएसटी बोर्ड के सदस्य शशांक प्रिय भी इस अवसर पर उपस्थित रहे। उप मुख्यमंत्री दुष्यंत चौटाला ने कहा कि कर अदायगी को प्रोत्साहन के लिए यह योजना चलाई गई है। इस योजना का हिस्सा बन कर आप सरकार को कर की अदायगी करेंगे तो सरकार भी आपको प्रोत्साहन के रूप में ईनाम देगी। इस योजना के लिए 30 करोड़ रुपए का वार्षिक कॉपर्स फंड निर्धारित किया गया है। देश के विकास में टैक्स पेयर का महत्वपूर्ण योगदान होता है। उन्होंने मार्केट एसोसिएशन से सदस्यों से भी अपील करते हुए कहा कि आप भी उपभोक्ताओं को बिल दीजिए और इस योजना के बारे में उन्हें प्रोत्साहित भी करें। उन्होंने मेरा बिल-मेरा अधिकार योजना के शुभारंभ अवसर पर एक बड़ा दिन बताते हुए कहा कि इस योजना के तहत मोबाइल एप या पोर्टल पर बिल अपलोड करने वाले उपभोक्ताओं

का लक्की ड्रा निकाला जाएगा। जिसके तहत मासिक ड्रा में 10-10 हजार रुपए के 800 तथा 10-10 लाख रुपए के दो पुरस्कार दिए जाएंगे। वहीं तिमाही आधार पर निकाले जाने वाले ड्रा के दो विजेताओं को एक-एक करोड़ रुपए की पुरस्कार राशि मिलेगी। इससे पहले उन्होंने स्वयं भी केंद्रीय राजस्व सचिव व अन्य अधिकारियों के साथ सेक्टर-15 पार्ट टू मार्केट में ग्रॉसरी स्टोर से सामान की खरीददारी की और योजना से जुड़े एप पर बिल अपलोड भी किया। केंद्रीय राजस्व सचिव संजय मल्होत्रा ने कहा कि इस कार्यक्रम का उद्देश्य ग्राहकों द्वारा अपनी समस्त खरीद का इनवॉइस/बिल मांगने के चलन को बढ़ावा देना है। इस अवसर पर आबकारी एवं कराधान विभाग हरियाणा के कमिश्नर अशोक कुमार मीणा, डीसी निशांत कुमार यादव, केंद्रीय वस्तु एवं सेवा कर (सीजीएसटी) के चीफ कमिश्नर उपेंद्र गुप्ता, सीजीएसटी गुरुग्राम के कमिश्नर पॉल राजेंद्र लाकड़ा, एडिशनल कमिश्नर तुलेश्वर प्रसाद, आबकारी एवं कराधान विभाग हरियाणा के एडिशनल ईटीसी सिद्धार्थ जैन, बादशाहपुर के एसडीएम सतीश यादव व जेईटीसी गीतांजलि मोर सहित अन्य अधिकारीगण भी उपस्थित रहे।

पंजाब के बरनाला में हादसा हिसार के चार व्यक्तियों की मौत

चंडीगढ़ (हिंस)। हरियाणा के हिसार से पंजाब के नकोदर में माथा टेकने जा रहे चार व्यक्तियों की सड़क हादसे में मौत हो गई। यह दुर्घटना शुक्रवार की सुबह करीब पांच बजे पंजाब के बरनाला-लुधियाना मुख्य मार्ग पर स्थित गांव भद्दलवड्डु के पास हुई। पुलिस के अनुसार हिसार निवासी विकास, अमृतपाल, सोनू बत्तरा व उनके साथ एक बच्चा बीती रात करीब 12 बजे हिसार से नकोदर के लिए रवाना हुआ। आज सुबह करीब पांच बजे उनकी गाड़ी गांव भद्दलवड्डु में सड़क किनारे खड़ी ईंटों की ट्राली से टकरा गई। हादसे में कार सवार सभी चारों व्यक्तियों की मौत हो गई। पुलिस के अनुसार गाड़ी से मिले दस्तावेज के आधार पर मृतकों के परिजनों को सूचित कर दिया गया है। लाशों को सिविल अस्पताल में रखवाया गया है। परिजनों की मौजूदगी में पोस्टमार्टम करवाकर उनके हवाले कर दिया जाएगा।

किसानों का 1080 करोड़ रुपए ब्याज किया माफ : चेयरमैन हुकम सिंह

पैक्स किसानों को समृद्धि बनाने के लिए योजनाएं चला रही है

सोनीपत (हिंस)। हरको बैंक के चेयरमैन हुकम सिंह भाटी ने कहा कि मुख्यमंत्री मनोहर लाल के नेतृत्व में हरियाणा सरकार पैक्स के सशक्तिकरण तथा किसानों को समृद्ध बनाने का काम कर रही है। किसानों को आर्थिक मजबूती देने के लिए ऋण के अलावा 176 योजनाओं को पैक्स के साथ जोड़ा गया। पैक्स लोगों को ऋण के अलावा सीएससी सेंटर, जन औषधि केंद्र तथा पेट्रोल पंप जैसी 176 सेवाओं का लाभ मिल रहा है। वे शुक्रवार को मिशन रोड़ स्थित को-ऑपरेटिव बैंक में पत्रकार वार्ता कर रहे थे। उन्होंने कहा कि हरियाणा सरकार द्वारा सहकारी बैंकों से संबंधित किसानों का 1080 करोड़ रुपए ब्याज माफ किया गया। स्वयं सहायता समूहों तथा जेएलजी ग्रुप्स को बिना गारंटी के 50 हजार का ऋण उपलब्ध है किसान अपना रोजगार स्थापित करें। चेयरमैन ने कहा कि हरियाणा सरकार ने फसल विविधिकरण को बढ़ावा देने के लिए भावांतर भरपाई योजना की शुरुआत की है, जिसके तहत आलू, फूल गोभी, गाजर, मटर, टमाटर, प्याज, शिमला मिर्च, बैंगन,

भिंडी, मिर्च, करेला, बंद गोभी, मूली, किन्नू, अमरूद, चीकू, आड़ू, आलूबुखारा, आम, नाशपाती, लीची, आंवला, बेर, लहसुन व हल्दी आदि को सूचीबद्ध किया गया है। नुकसान की भरपाई प्रदेश सरकार कर रही है। हरियाणा में राज्य स्तरीय पैक्स सम्मेलन के लिए मुख्यमंत्री से समय मांगा है। शुरुआत आज सोनीपत से की जाएगी। भाजपा नेता माईराम कौशिक, प्रदेश सह संयोजक सहकारिता भाजपा हरियाणा सुरेश चौधरी, लैंड मोरगैज बैंक हरियाणा के प्रदेश प्रभारी राम जतन, भाजपा एससी सैल के जिलाध्यक्ष जसबीर दोदवा, राष्ट्रपति अवार्डी किसान कवल सिंह चौहान, दि सोनीपत केंद्रीय सहकारी बैंक के महा-प्रबंधक संजय हुड्डा, हुकम सिंह लठवाल, दिलबाग सिंह, मदल लाल, जसबीर सिंह, रणवीर सिंह, राजपाल, मंजीत जाहरी उपस्थित रहे।

अमृतसर से दिल्ली मार्ग पर लुधियाना, करनाल व अंबाला में टोल की नई दरें लागू

चंडीगढ़ (हिंस)। अमृतसर से हरियाणा होते हुए देश की राजधानी दिल्ली जाने वालों को अब अपनी जेब और ढीली करनी पड़ेगी। पंजाब व हरियाणा में शुक्रवार से नई टोल दरें लागू हो गई हैं। इसलिए अब अमृतसर से दिल्ली जाने वालों को पहले के मुकाबले अतिरिक्त टोल देना होगा। लुधियाना के लाडोवाल टोल में 15 रुपए और हरियाणा के (बसताड़ा) करनाल में आज से टोल में दस रुपए की वृद्धि की गई है। राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण ने इस संबंध में आदेश जारी कर दिए हैं। लाडोवाल टोल पर कार-जीप के लिए सिंगल ट्रिप के 165 रुपए वसूले जाएंगे। 24 घंटे में मल्टीपल ट्रिप के लिए 245 रुपए देने होंगे, जबकि मंथली पास 4930 रुपए में बनेगा। इसी तरह हल्के कॉमर्शियल व्हीकल के लिए इस टोल पर सिंगल ट्रिप 285 रुपए और 24 घंटे में मल्टीपल ट्रिप 430 रुपए का रहेगा। लाडोवाल टोल पर ट्रकों-बसों को सिंगल ट्रिप के लिए 575 रुपये, 24 घंटे मल्टीपल ट्रिप के लिए 860 रुपए होंगे। हरियाणा में करनाल के बसताड़ा में बने टोल पर कार-जीप के लिए सिंगल ट्रिप की आज से नई दरें 155 रुपए होंगी। इन वाहनों को 24 घंटे में मल्टीपल ट्रिप के लिए 235 रुपए चुकाने होंगे जबकि मंथली पास के लिए 4710 रुपए में देने होंगे। हल्के कॉमर्शियल व्हीकल को बसताड़ा में सिंगल ट्रिप के लिए 275 रुपये, 24 घंटे मल्टीपल ट्रिप के 475 रुपए और मंथली पास के लिए 8240 रुपए देने होंगे। ट्रकों-बसों के लिए सिंगल ट्रिप की नई दरें 550 रुपए और 24 घंटे में मल्टीपल ट्रिप के लिए 825 रुपए तय की गई है। इन व्हीकल का मंथली पास 16, 485 रुपए में बनवाया जा सकेगा। डबल एक्सल ट्रकों के लिए सिंगल ट्रिप 885 रुपये, मल्टीपल ट्रिप 1325 रुपए और मासिक पास 26490 रुपए में बनेगा। अंबाला के देवीनगर में बने टोल पर भी आज से नई दरें लागू हो गई हैं। यहां कार-जीप के लिए सिंगल ट्रिप के 95 रुपये, 24 घंटे मल्टीपल ट्रिप के लिए 140 रुपए और मंथली पास के लिए 2825 रुपए चुकाने होंगे। हल्के कॉमर्शियल व्हीकल के लिए 165 रुपये, 24 घंटे में मल्टीपल ट्रिप के लिए 245 रुपए और मासिक पास के लिए 4945 रुपए देने होंगे। ट्रकों-बसों के लिए यहां सिंगल ट्रिप के 330 रुपये, 24 घंटे मल्टीपल ट्रिप के 495 रुपए मंथली पास के लिए 9890 रुपए चुकाने पड़ेंगे। डबल एक्सेल ट्रकों को सिंगल ट्रिप के लिए 530 रुपए और 24 घंटे में मल्टीपल ट्रिप के लिए 795 रुपए देने होंगे।

पंजाब के 23 विद्यार्थी पीएसएलवी-सी 57 आदित्य की लांचिंग के बनेंगे गवाह

चंडीगढ़ (हिंस)। पीएसएलवी-सी 57 आदित्य एल की लांचिंग समारोह का गवाह बनने के लिए पंजाब के सरकारी स्कूलों के 23 विद्यार्थी आज श्रीहरिकोटा के लिए रवाना हो गए। पंजाब के स्कूल शिक्षा मंत्री स. हरजोत सिंह बैंस ने बताया कि साहिबजादा अजीत सिंह नगर स्थित शहीद भगत सिंह इंटरनेशनल एयरपोर्ट से शुक्रवार को यह विद्यार्थी चंडीगढ़ से श्रीहरिकोटा के लिए रवाना हुए हैं। स्कूल शिक्षा मंत्री ने बताया कि इन विद्यार्थियों का इस यात्रा में आने वाला सारा खर्च पंजाब सरकार उठा रही है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान के नेतृत्व वाली पंजाब सरकार राज्य के सरकारी स्कूलों में पढ़ने वाले विद्यार्थियों के मन में विज्ञान विषय सम्बन्धी उत्साह पैदा करने के लिए यह प्रयास कर रही है। उन्होंने बताया कि इससे पहले चंद्रयान-3 और पीएसएलवी-सी 56 की लांचिंग के मौके पर भी पंजाब के सरकारी स्कूलों के विद्यार्थी श्रीहरिकोटा गए थे।

मां गृहिणी, पिता किसान, बेटा बना जज

हिसार (हिंस)। जिले के नारनौंद क्षेत्र के गांव उगालन के किसान के बेटे ने पब्लिक सर्विस कमिशन ज्यूडिशियल सर्विस जनरल कैटेगरी में 88वां रैंक हासिल किया है। अब वह जज बनकर लोगों को न्याय दिलाने का काम करेगा। उगालन निवासी किसान सुरेश खरब खेतीबाड़ी करता है और उसकी पत्नी दर्शना देवी ग्रहिणी है। दोनों की सोच थी कि वह अपने बच्चों को अच्छी शिक्षा देकर उच्च अधिकारी बनाएंगे। इसी सोच के साथ उन्होंने अपने चारों बच्चों को जींद शहर में एक कमरा दिलाकर पढ़ने के लिए भेज दिया। सबसे छोटा बेटा प्रवीन शुरू से ही जज बनने का सपना देखा था और इसी सपने को उसने पंख लगाने शुरू कर दिए और पूरी मेहनत के साथ पढ़ाई की। 12वीं कक्षा पास करने के बाद दिल्ली यूनिवर्सिटी से एलएलबी की परीक्षा पास की और उसके बाद पंजाब यूनिवर्सिटी चंडीगढ़ से आईआईएम की परीक्षा पास की उसके बाद पब्लिक सर्विस कमिशन ज्यूडिशियल सर्विस के लिए उन्होंने फॉर्म भर दिया। उसका 12 फरवरी को पहला पेपर हुआ। उसके बाद मेंस और इलाहाबाद में हुए इंटरव्यू के बाद 30 अगस्त को परिणाम घोषित हुआ जिसमें प्रवीण ने जनरल कैटेगरी में 88 वन रैंक हासिल करके इतिहास रचने का काम किया है। प्रवीन की इस उपलब्धि से पूरे गांव में खुशी का माहौल है। प्रवीन की दो बहनें पूनम व रेखा टीचर बनना चाहती है, वही बड़ा भाई नवीन फिलहाल पीएचडी कर रहा है। वो एचसीएस अधिकारी बनना चाहता है। प्रवीन के पिता किसान सुरेश खरब ने बताया कि बेटे की उपलब्धि से सिर गर्व से ऊंचा हो गया। पूरे गांव को उन पर गर्व है। खेती करके उनको पढ़ाया लिखाया गया है, वहीं उसको ऐसे संस्कार दिए गए हैं कि वह गरीब लोगों की मदद करें। बिना किसी दबाव के लोगों को न्याय दिलवाने का काम करें।

चक्काजाम के कारण जम्मू संभाग में सामान्य जन-जीवन आंशिक रूप से प्रभावित

जम्मू (हिंस)। सरोर टोल प्लाजा बंद करने की मांग को लेकर ऑल जम्मू एंड कश्मीर ट्रांसपोर्ट वेलफेयर एसोसिएशन (एजेकेटीडब्ल्यूए) के आह्वान पर चक्का जाम के कारण शुक्रवार को जम्मू संभाग में सामान्य जनजीवन आंशिक रूप से प्रभावित रहा। सार्वजनिक और निजी परिवहन सड़कों से नदारद रहे, जिससे शहर में लोगों की आवाजाही प्रभावित हुई। परिवहन सुविधाओं की कमी के कारण शैक्षणिक संस्थानों में उपस्थिति भी प्रभावित हुई। एजेकेटीडब्ल्यूए के अध्यक्ष अजीत सिंह के नेतृत्व में विभिन्न संगठनों के सैकड़ों लोग भगवतीनगर इलाके में एकत्र हुए और राजमार्ग की खराब स्थिति को लेकर भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया। उन्होंने नव स्थापित सरोर टोल प्लाजा को खत्म करने की मांग की। उन्होंने एनएचएआई के खिलाफ नारेबाजी करते हुए टोल प्लाजा तक विरोध रैली निकाली। विरोध रैली के दौरान हाईवे के एक ट्यूब में सैकड़ों वाहन कतारबद्ध रहे। अध्यक्ष अजीत सिंह ने संवाददाताओं से कहा कि हम खराब स्थिति, क्षतिग्रस्त पुल और टोल प्लाजा मुद्दे को देखते हुए एनएचएआई के खिलाफ विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि हमने मांग के समर्थन में सरोर टोल प्लाजा तक रैली निकाली है। उन्होंने कहा कि महीनों तक विरोध प्रदर्शन के बावजूद एनएचएआई अभी तक नहीं जागा है और इस मुद्दे को हल नहीं किया है। इसके अलावा सांबा में आयोजित डोगरा अकीता फ्रंट की भूख हड़ताल शुक्रवार को लगातार 9वें दिन भी जारी रही।

जल-जीवन मिशन में गड़बड़ी पर ईडी ने कसा अधिकारियों-ठेकेदारों पर शिकंजा

जयपुर (हिंस)। हर घर तक नल से पानी पहुंचाने की सरकार की महत्वाकांक्षी योजना जल जीवन मिशन में प्रदेश में हुए कामों में घोटाले की शिकायत को लेकर अब प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने शिकंजा कसना शुरू कर दिया है। ईडी की टीमें शुक्रवार सुबह से जयपुर और अलवर के साथ ही कई अन्य शहरों और कस्बों में भी जल जीवन मिशन से जुड़े अधिकारियों और ठेकेदारों के ठिकानों पर छापेमारी कर रही है। मामले में अधिकारियों के साथ ही ठेकेदार भी ईडी के राडार पर हैं। कार्रवाई के दौरान केंद्रीय सुरक्षा बलों के जवान परिसर के बाहर तैनात रहे। प्रवर्तन निदेशालय के सूत्रों के अनुसार जनस्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग (पीएचईडी) के एक ठेकेदार के जयपुर में वैशाली नगर, झोटवाड़ा, सिंधी कैंप स्थित ठिकानों पर ईडी की टीम छापेमारी कर रही है। जबकि अलवर में दो जगहों पर अधिकारियों से जुड़े ठिकानों पर भी छापेमारी की जानकारी मिली है। ताजा अपडेट के अनुसार शाहपुरा, विराटनगर और दूदू में भी ईडी ने छापा मारा है। इससे पीएचईडी के अधिकारियों और ठेकेदारों में

हड़कंप मचा हुआ है। राजधानी जयपुर और अलवर में पीएचईडी अधिकारियों और ठेकेदार के ठिकानों पर छापेमारी करने ईडी को जो टीमें पहुंची हैं। उनमें जयपुर के साथ ही दिल्ली और गुजरात की टीम भी शामिल है। पीएचईडी के जिन अधिकारियों और ठेकेदारों को पिछले दिनों भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो ने रिश्वत के लेन-देन में पकड़ा है, वे खास तौर पर ईडी के निशाने पर हैं। इसके साथ ही उनके आलाधिकारियों पर भी ईडी की नजर है। राजस्थान में जल जीवन मिशन में बड़े पैमाने पर भ्रष्टाचार के आरोप लगे हैं। भाजपा नेता किरोड़ीलाल मीणा ने इसे लेकर पिछले दिनों मोर्चा खोला था। उन्होंने करीब 900 करोड़ रुपए के घोटाले के आरोप लगाए थे। इसके तार ऊपर तक जुड़े होने के आरोप भी लगाए थे। अब ईडी इन घोटालों से जुड़ी फाइलें खंगाल रही है। इसके साथ ही अधिकारियों व ठेकेदारों से पूछताछ की भी तैयारी है। जल जीवन मिशन में बड़े पैमाने पर घोटाले को लेकर ईडी ने पीएचईडी के अधिकारियों और ठेकेदारों के साथ ही एक प्रॉपर्टी डीलर और एक रिटायर्ड आरएएस अधिकारी पर भी शिकंजा कसा है। प्रॉपर्टी डीलर कल्याण सिंह कविया के वैशाली नगर स्थित फार्म हाउस पर भी ईडी छापेमारी कर रही है, जबकि एक रिटायर्ड आरएएस अधिकारी अमिताभ कौशिक के घर पर भी ईडी की टीम पहुंची है। ये दोनों पीएचईडी मंत्री महेश जोशी के करीबी बताए जा रहे हैं। पिछले दिनों एसीबी की गिरफ्त में आए पीएचईडी के ठेकेदार पदमचंद जैन, पीएचईडी के बहरोड़ एक्सईएन मायालाल सैनी, नीमराना जेईएन प्रदीप, एईएन राकेश चौहान, कंपनी सुपरवाइजर मलकेत सिंह और प्राइवेट व्यक्ति प्रवीण कुमार भी ईडी के राडार पर हैं। इनसे जुड़े ठिकानों पर भी ईडी की टीमें छापेमारी कर रही है। एसीबी ने इन छह लोगों को बकाया बिल पास करने के बदले रिश्वत के लेनदेन के मामले में गिरफ्तार किया था।

पंजाब में बाढ़ के कारण स्थगित हुईं बोर्ड परीक्षाएं पांच सितंबर से

चंडीगढ़ (हिंस)। पंजाब में बाढ़ के कारण रद्द हुई दसवीं तथा बारहवीं कक्षाओं की परीक्षा के आयोजन का ऐलान कर दिया गया है। पंजाब स्कूल शिक्षा बोर्ड की तरफ से शुक्रवार को जारी एक जानकारी में कहा गया है कि स्थगित परीक्षाएं पांच सितंबर से शुरू होंगी। परीक्षा केंद्रों में कोई बदलाव नहीं किया गया है। डेटशीट के अनुसार दोनों कक्षाओं की परीक्षा पहले से जारी परीक्षा केंद्रों पर सुबह 10 बजे होंगी। पंजाब के 19 जिलों में बाढ़ का असर अधिक होने पर पंजाब स्कूल शिक्षा बोर्ड ने दसवीं और बारहवीं की परीक्षाएं स्थगित कर दी थी। हालात सामान्य होने पर बोर्ड ने नई डेटशीट जारी की है।

जया वर्मा सिन्हा होंगी रेलवे बोर्ड की पहली महिला सीईओ और अध्यक्ष

नई दिल्ली ।
मंत्रिमंडल की नियुक्ति समिति ने रेलवे बोर्ड के अध्यक्ष और सीईओ के रूप में जया वर्मा सिन्हा की नियुक्ति को मंजूरी दे दी है। सिन्हा नए अध्यक्ष और सीईओ (रेलवे बोर्ड) के रूप में अनिल कुमार लाहोटी की जगह लेंगी और 1 सितंबर, 2023 को पदभार ग्रहण करेंगी। वह रेलवे बोर्ड की पहली महिला अध्यक्ष भी हैं। विजयलक्ष्मी विश्वनाथन रेलवे बोर्ड की पहली महिला सदस्य थीं।

1988 बैच के रेलवे यातायात सेवा की अधिकारी हैं सिन्हा – 1988 बैच की भारतीय रेलवे यातायात सेवा की अधिकारी, सिन्हा वर्तमान में रेलवे बोर्ड के सदस्य (संचालन और व्यवसाय विकास) के रूप में काम कर रही हैं। वह ऐसे समय में बोर्ड का प्रभार संभालेंगी जब भारतीय रेलवे को केंद्र सरकार से रिकॉर्ड बजटीय आवंटन प्राप्त हुआ है।

2023-24 में रेलवे को 2.74 लाख करोड़ रुपये का हुआ है आवंटन –केंद्रीय बजट 2023-24 में भारतीय रेलवे को 2.74 लाख करोड़ रुपये का पूंजीगत परिव्यय आवंटित किया गया है। यह राष्ट्रीय ट्रांसपोर्टर को किया गया अब तक का सबसे अधिक आवंटन है। वित्त वर्ष 2022-23 में रेलवे के लिए 1.37 लाख करोड़ रुपये का सकल बजटीय आवंटन किया गया था।

बालासोर हादसे के दौरान जनता और सरकार के बीच सेतु थीं जया – रेलवे बोर्ड की पहली महिला मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ)और अध्यक्ष के पद पर नियुक्त की गईं जया वर्मा सिन्हा ने हाल ही में हुए बालासोर हादसे के दौरान रेलवे की ओर से बतौर सदस्य (संचालन और व्यवसाय विकास) मीडिया से बातचीत में अहम भूमिका निभाई थी और जटिल सिग्नल प्रणाली के बारे में विस्तार से समझाया था। इलाहाबाद विश्वविद्यालय से पढ़ीं जया ने चार वर्षों तक बांग्लादेश के ढाका स्थित भारतीय उच्चायोग में रेलवे सलाहकार के रूप में भी काम किया। बांग्लादेश में उनके कार्यकाल के दौरान कोलकाता से ढाका तक मैत्री एक्सप्रेस का उद्घाटन किया गया था। उन्होंने पूर्वी रेलवे, सियालदह डिवीजन के मंडल रेल प्रबंधक के रूप में भी काम किया।

संगम नगरी की हैं रेलवे बोर्ड की पहली महिला अध्यक्ष जया वर्मा – जया वर्मा सिन्हा का संगम नगरी से गहरा रिश्ता रहा। प्रयागराज में ही उनका जन्म हुआ। स्कूली शिक्षा से लेकर स्नातक एवं परास्नातक भी उन्होंने प्रयागराज से ही किया। उनके पिता वीबी वर्मा सीएजी ऑफिस में क्लास वन अफसर रहे। इसी तरह उनके बड़े भाई जयदीप वर्मा भी यूपी रोडवेज में क्लास वन अफसर रहे। सेवानिवृत्त होने के बाद फिलहाल वह लखनऊ में ही अपने परिवार के साथ रह रहे हैं। प्रयागराज में जन्मी जया का पैतृक निवास अल्लापुर स्थित बाघम्बरी हाउसिंग स्कीम में है। बचपन से ही मेधावी रही जया की स्कूली शिक्षा सेंट मेरी कान्वेंट इंटर कालेज से हुई। उसके बाद उन्होंने इलाहाबाद विश्वविद्यालय से बीएससी (पीसीएम) की। उन्होंने परास्नातक की पढ़ाई भी इलाहाबाद विश्वविद्यालय से ही की। यहां से उन्होंने मनोविज्ञान से परास्नातक किया।

जया वर्मा ट्रेनिंग के बाद 1990 में कानपुर सेंट्रल स्टेशन पर सहायक वाणिज्य प्रबंधक (एसीएम) बनीं। खास बात यह रही कि डेढ़ साल के उनके कार्यकाल के दौरान कभी कर्मचारियों को आंदोलन नहीं करना पड़ा। उस समय सेंट्रल पर चीफ ऑपरेटिंग सुपरवाइजर (सीओएस) रहे जेबी सिंह यूनियन नेता भी थे। वे बताते हैं कि जया वर्मा हर कर्मचारी की समस्याएं सुनती थीं। यथा संभव उनका समाधान भी कराती थीं।

न्यूज ब्रीफ

कॉमर्शियल गैस सिलेंडर 158 रुपए सस्ता हुआ: दिल्ली में इसकी कीमत 1,522 रुपए हुई, घरेलू एलपीजी सिलेंडर की कीमतों में बदलाव नहीं

नई दिल्ली। ऑयल कंपनियों ने कॉमर्शियल एलपीजी सिलेंडर (19 किलोग्राम) की कीमत 158 रुपए कम की है। इससे दिल्ली में 19 किलोग्राम वाले सिलेंडर की कीमत 1,680 रुपए से कम होकर 1,522 रुपए हो गई है। हालांकि, घरेलू एलपीजी सिलेंडर (14.2 किलोग्राम) की कीमतों में कोई बदलाव नहीं किया गया है। वहीं कोलकाता में 19 किलो के कॉमर्शियल एलपीजी सिलेंडर का दाम 1,802 रुपए से घटकर 1636 रुपए हो गया है। इसके अलावा मुंबई में इसकी कीमत पहले 1,640 रुपए थी, जो कम होकर अब 1,482 रुपए हो गई है। चेन्नई की बात करें तो यहां पर जो कॉमर्शियल एलपीजी सिलेंडर अब तक 1,852 रुपए में मिल रहा था, वो अब 1,695 रुपए में मिलेगा। इससे पहले 29 अगस्त को सरकार ने घरेलू गैस सिलेंडर (14.2 किलोग्राम) के दामों में 200 रुपए की कटौती की थी। लगातार दूसरे महीने कॉमर्शियल गैस सिलेंडर के दाम में कटौती की गई है। इससे पहले 1 अगस्त को कॉमर्शियल गैस सिलेंडर के दाम 99.75 रुपए कम किए गए थे। फेस्टिव सीजन में इस कटौती का सीधा फायदा होटल-रेस्टोरेंट मालिकों को होगा। दो दिन पहले सरकार ने घरेलू गैस सिलेंडर के दाम 200 रुपए कम किए थे। इसके बाद दिल्ली में 14.2 किलोग्राम वाले सिलेंडर की कीमत 1,103 रुपए से घटकर 903 रुपए हो गई है। वहीं भोपाल में अब घरेलू गैस सिलेंडर 908 रुपए और जयपुर में 906 रुपए का मिल रहा है। नई कीमत 30 अगस्त यानी रक्षाबंधन के दिन से लागू हो चुकी हैं।

वाणिज्य मंत्रालय लैपटॉप, कंप्यूटर के आयातकों को आसानी से लाइसेंस देने पर काम कर रहा, ये बोले अधिकारी

नई दिल्ली । वाणिज्य मंत्रालय की शाखा डीजीएफटी लैपटॉप और कंप्यूटर के आयातकों को राहत देने की तैयारी कर रही है। आयातकों को सुचारू तरीके से लाइसेंस देने के लिए मानदंड तैयार करने पर काम किया जा रहा है। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। सरकार ने लैपटॉप, टैबलेट व अन्य पीसी उत्पादों के आयात के लिए लाइसेंस को अनिवार्य करने का आदेश जारी किया है। यह कदम विदेशी उपकरणों में हार्डवेयर में सुरक्षा संबंधी खामियां होने के अलावा घरेलू विनिर्माण को बढ़ावा देने के मकसद से भी उठाया गया है। इन वस्तुओं के आयात के लिए एक नवंबर से विदेश व्यापार महानिदेशालय (डीजीएफटी) से लाइसेंस/अनुमति लेनी होगी। अधिकारी ने कहा, ''हम लाइसेंस के मुद्दे पर काम कर रहे हैं। इसका मकसद आयात के लिए लाइसेंस प्राप्त करना आसान बनाना है।'' इसी तरह के मामलों में पहले भी लाइसेंस देने के लिए किसी कंपनी के पिछले प्रदर्शन आदि पर गौर किया गया है। आयात पर अंकुश से भारत को उन स्थानों पर कड़ी नजर रखने में मदद मिलेगी जहां से उत्पाद आ रहे हैं। शोध संगठन ग्लोबल ट्रेड रिसर्च इनिशिएटिव (जीटीआरआई) ने भी कहा था कि आयातकों को लाइसेंस देने के लिए सरकार को वस्तुनिष्ठ मानदंडों की घोषणा करनी चाहिए।

वित्तीय सेवाओं-विनिर्माण को बढ़ोतरी के लिएमंच प्रदान कर रहा ओएनडीसी, ई-कॉमर्स-कृषि क्षेत्रों को भी लाभ

नई दिल्ली । ओपन नेटवर्क फॉर डिजिटल कॉमर्स (ओएनडीसी) वित्तीय सेवाओं, विनिर्माण, खुदरा ई-कॉमर्स और कृषि समेत चार प्रमुख क्षेत्रों को वृद्धि के लिए एक बड़ा मंच दे रहा है। डेलॉय की रिपोर्ट के मुताबिक, ओएनडीसी वित्तीय संस्थानों को सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यमों (एमएसएमई) के साथ जुड़ने का मौका दे रहा है। एमएसएमई कर्ज के लिए मुख्य रूप से सरकारी योजनाओं और गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियों (एनबीएफसी) पर निर्भर है क्योंकि मुख्यधारा के वित्तीय संस्थान उन्हें कर्ज योग्य नहीं मानते हैं। रिडिफाइनिंग बिजनेस मॉडल एंड सप्लाई चेन' शीर्षक वाली रिपोर्ट में कहा गया है कि ओएनडीसी वित्तीय प्रौद्योगिकी सेवा प्रदाताओं की मदद से एसएमई पर उपलब्ध डाटा को डिजिटल बना सकता है इससे वित्तीय संस्थानों के लिएग्राहकों की बेहतर समझ विकसित कर उत्पाद बनाने में आसानी होगी। ओएनडीसी वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय की एक पहल है।

अडाणी के बाद ओसीसीआरपी ने वेदांता पर जारी की रिपोर्ट में कहा–

कंपनी ने पर्यावरण कानूनों को कमजोर करने के लिए सरकार से लॉबिंग की

नई दिल्ली।
अडाणी ग्रुप के बाद ऑर्गेनाइज्ड क्राइम एंड करप्शन रिपोर्टिंग प्रोजेक्ट ने अनिल अग्रवाल की कंपनी वेदांता पर कोरोनाकाल (कोविड-19 महामारी) के दौरान पर्यावरण कानून का उल्लंघन करने के लिए सरकार से लॉबिंग करने का आरोप लगाया है। ओसीसीआरपी ने दावा किया है कि जनवरी 2021 में वेदांता ग्रुप के चेयरमैन अनिल अग्रवाल ने तब के पर्यावरण मंत्री प्रकाश जावड़ेकर से कहा था कि सरकार को माइनिंग कंपनियों को नए पर्यावरण मंजूरी हासिल किए बिना 50प्रतिशत प्रोडक्शन बढ़ाने की अनुमति देनी चाहिए। इससे देश में इकोनॉमिक रिकवरी की रफ्तार तेज हो सकती है। इसके साथ ही उन्होंने ज्यादा रेवेन्यू और बड़े पैमाने पर नौकरियां पैदा होने का भी हवाला दिया था।

रिपोर्ट में दावा किया है कि चेयरमैन के सुझाव के तुरंत बाद प्रकाश जावड़ेकर ने एक्शन लिया। उन्होंने लेटर में लिखा, (बहुत जरूरी)। इसके साथ ही अपने मंत्रालय के सचिव और डायरेक्टर जनरल को पॉलिसी के मुद्दे पर चर्चा करने के निर्देश दिए।

2022 की शुरुआत में कई बैठकों के बाद भारत के पर्यावरण मंत्रालय ने सार्वजनिक सुनवाई की आवश्यकता के बिना माइनिंग कंपनियों को 50प्रतिशत तक उत्पादन बढ़ाने की अनुमति देने के लिए नियमों में ढील दी। रिपोर्ट के मुताबिक, वेदांता ने भी जन सुनवाई को खत्म करने के लिए सफल लॉबिंग की थी।

ओसीसीआरपी ने ये लेटर शेयर किया– दावा किया गया है कि जावड़ेकर

ने अनिल अग्रवाल के सुझाव को अहमियत दी

सरकार पर एन्वायरमेंटलिस्ट को चुप कराने का आरोप

ओसीसीआरपी ने अपनी रिपोर्ट में केंद्र सरकार पर भी आरोप लगाए हैं। ओसीसीआरपी ने लिखा, 2014 में भाजपा के सत्ता में आने के बाद से भारत सरकार ने एन्वायरमेंटलिस्ट को चुप कराने की कोशिश की है। एक्सपर्ट के हवाले से कहा कि कोरोनाकॉल के बाद से धमकी और सेंसरशिप भी बढ़ गई है।

पर्यावरण नियमों में ढील कंपनी का एकमात्र सफल लॉबिंग अभियान नहीं

रिपोर्ट में कहा गया है कि पर्यावरण के नियमों में ढील करवाना कंपनी का एकमात्र सफल लॉबिंग अभियान नहीं था। पिछले कुछ सालों में पर्यावरण कानूनों और नीतियों में अधिकांश बदलाव बड़े पैमाने पर कुछ कॉर्पोरेट संस्थाओं या क्षेत्रों को होने वाले आर्थिक लाभ को देखते हुए किए गए।

रिपोर्ट के बाद भी कंपनी के शेयर में तेजी

ओसीसीआरपी की रिपोर्ट के बाद भी वेदांता के शेयर में तेजी देखने को मिल रही है। दोपहर 12 बजे कंपनी का शेयर 1.14प्रतिशत की तेजी के साथ 234.95 रुपए के स्तर पर कारोबार कर रहा है।

ओसीसीआरपी ने अडाणी ग्रुप पर लगाए थे आरोप

इससे पहले बीते दिन ओसीसीआरपी ने दावा किया था कि अडाणी ग्रुप के निवेशकों ने गुपचुप तरीके से खुद अपने शेयरों को खरीदकर बाजार में लाखों डॉलर का निवेश किया। अडाणी ग्रुप की कंपनियों ने मॉरीशस के गुमनाम निवेश फंड्स के जरिए ग्रुप के शेयरों में करोड़ों रुपए का निवेश किया।

हालांकि, ग्रुप ने इन आरोपों का खंडन किया है। अडाणी ग्रुप ने कहा है कि यह बदमान करने और मुनाफा कमाने की साजिश है। हम इन रीसाइकल्ड आरोपों को खारिज करते हैं। रिपोर्ट को फिर से जिंदा करने की एक कोशिश मालूम होती है। ओसीसीआरपी ने जो आरोप लगाए हैं, वह एक दशक (10 साल) पहले बंद हो चुके मामलों से जुड़े हैं।

क्या है ओसीसीआरपी

ओसीसीआरपी एक खोजी पत्रकारिता संगठन है। संगठन के पास स्वतंत्र पत्रकारों और स्वतंत्र मीडिया संस्थानों का एक विश्वव्यापी समूह है। ओसीसीआरपी से जुड़े 24 गैर-लाभकारी खोजी पत्रकारिता संस्थानों का यूरोप, एशिया, लैटिन अमेरिका और अफ्रीका में नेटवर्क है। इसे 2007 में ड्रिव सुलिवन और पॉल राडू ने बनाया था।

ओसीसीआरपी की बेबसाइट पर दिए गए विवरण के अनुसार संगठन की फंडिंग जॉर्ज सोरोस और रॉकफेलर ब्रदर्स करते हैं। जॉर्ज सोरोस हंगरी मूल के अमेरिकी इन्वेस्टर हैं। सोरोस ओपन सोसाइटी यूनिवर्सिटी नेटवर्क के प्रमुख हैं। ब्लूमबर्ग बिलेनियर इंडेक्स के मुताबिक जॉर्ज सोरोस के पास 7.16 बिलियन डॉलर की दौलत है।

जीएसटी राजस्व में 11 प्रतिशत का इजाफा, अगस्त में 1.6 लाख करोड़ रुपये पर पहुंचा

नई दिल्ली ।
अगस्त में भारत का जीएसटी संग्रह 1.60 लाख करोड़ रुपये रहा, जो एक साल पहले की तुलना में 11 प्रतिशत अधिक है। राजस्व सचिव संजय मल्होत्रा ने वार्षिक वस्तु व सेवा कर संग्रह की जानकारी दी। सरकार ने पिछले साल अगस्त महीने में वस्तु और सेवा कर के रूप में 1.44 लाख करोड़ रुपये (17.41 अरब डॉलर) जुटाए थे। देश के जीएसटी राजस्व में सालाना आधार पर मजबूत वृद्धि दर्ज की गई है। अगस्त में भारत का जीएसटी संग्रह 1.60 लाख करोड़ रुपये रहा, जो एक साल पहले की तुलना में 11 प्रतिशत अधिक है। राजस्व सचिव संजय मल्होत्रा ने वार्षिक वस्तु व सेवा कर संग्रह की जानकारी दी। सरकार ने पिछले साल अगस्त महीने में वस्तु और सेवा कर के रूप में 1.44 लाख करोड़ रुपये (17.41 अरब डॉलर) जुटाए थे। मल्होत्रा ने कहा कि जून तिमाही में जीडीपी वृद्धि दर 7.8 प्रतिशत थी और सांकेतिक रूप से इसमें 8 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई। जून तिमाही के दौरान जीएसटी राजस्व में 11 प्रतिशत से अधिक की वृद्धि हुई। यह कर-जीडीपी अनुपात 1.33 से अधिक है। 30 करोड़ रुपये से छह राज्यों, केंद्रशासित प्रदेशों में शुरू की गई जीएसटी पुरस्कार योजना जीएसटी पुरस्कार योजना मेरा बिल, मेरा अधिकार छह राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में शुरू की गई। केंद्र और राज्यों ने चालू वित्त वर्ष में पुरस्कार राशि के लिए 30 करोड़ रुपये का कोष तय किया है। हरियाणा के उपमुख्यमंत्री दुष्यन्त चौटाला ने कहा कि योजना के लिए मोबाइल ऐप को अब तक 50,000 से अधिक लोगों ने डाउनलोड किया है। राजस्व सचिव संजय मल्होत्रा ने कहा कि मेरा बिल, मेरा अधिकार जीएसटी लकी ड्रा छह राज्यों में पायलट आधार पर शुरू किया जा रहा है और पुरस्कार राशि में केंद्र तथा राज्य समान रूप से योगदान करेंगे। मल्होत्रा ने कहा, जीएसटी से नागरिकों, ग्राहकों और सरकारों को फायदा हुआ है। राजस्व हर महीने बढ़ रहा है और केंद्र तथा राज्य यह सुनिश्चित करने के लिए एक साथ आए हैं कि जीएसटी के तहत कर दरें कम हों।

अगस्त 2023 में विनिर्माण क्षेत्र की गतिविधियों में आई तेजी, उत्पादन में तीन साल में सबसे तेज वृद्धि

नई दिल्ली।
देश में विनिर्माण गतिविधियों में अगस्त में तेजी आई क्योंकि नए ऑर्डर और उत्पादन में करीब तीन साल में सबसे तेज दर से वृद्धि दर्ज की गई। एसऐंडपी ग्लोबल इंडिया मैन्युफैक्चरिंग परचेजिंग मैनेजर्स इंडेक्स (पीएमआई) अगस्त में बढ़कर 58.6 पर पहुंच गया, जो जुलाई में 57.7 पर था।

एसएंडपी ग्लोबल मार्केट इंटेलिजेंस की इकोनॉमिक्स असोसिएट डायरेक्टर पॉलियाना डी लीमा ने कहा कि भारत के पीएमआई नतीजों ने अगस्त में देश के मैन्युफैक्चरिंग परिदृश्य की जीवंत तस्वीर पेश की है।डी लीमा ने कहा, नए ऑर्डर और उत्पादन में मजबूत और तेज वृद्धि से पता चलता है कि यह क्षेत्र दूसरी तिमाही के आर्थिक विकास में एक मजबूत योगदान प्रदान करना चाहता है।

रिपोर्ट में कहा गया है कि पीएमआई ने पूरे भारत में विनिर्माण क्षेत्र की स्थिति में मजबूत सुधार दिखाया है, क्योंकि अगस्त के दौरान लगभग तीन वर्षों में नए ऑर्डर और उत्पादन में सबसे तेज दर से वृद्धि दर्ज की गई। रिपोर्ट में कहा गया है, डेटा संग्रह के साढ़े 18 साल में कंपनियों ने बढ़ती मांग से निपटने के लिए खरीदारी का स्तर बढ़ाकर अपने इनपुट स्टॉक का पुनर्निर्माण करने में दूसरी सबसे तेज वृद्धि दिखाई है। मूल्य के मोर्चे पर रिपोर्ट में कहा गया है कि लागत पर मुद्रास्फीति का दबाव बढ़ा है लेकिन बिक्री शुल्क में धीमी वृद्धि हुई है।

6 राज्यों में शुरू हुई मेरा बिल मेरा अधिकार स्कीम: 200 के जीएसटी बिल से 1 करोड़ तक इनाम जीतने का मौका, हर महीने 800 लोग चुने जाएंगे

नई दिल्ली।
देश के लोगों में हर खरीददारी पर जीएसटी बिल लेने की आदत डेवलप करने के लिए केंद्र सरकार ने 6 राज्यों में मेरा बिल मेरा अधिकार स्कीम को लॉन्च कर दिया है। इस स्कीम में 200 रुपए के जीएसटी बिल से आप हर महीने 10 लाख रुपए तक जीत सकते हैं। वहीं हर तीन महीने पर बंपर लकी ड्रॉ में 1 करोड़ रुपए जीतने का मौका मिलेगा।

इस योजना का फायदा लेने के लिए आपको इसका मोबाइल ऐप डाउनलोड करना होगा। फिलहाल, इस सुविधा को असम, गुजरात और हरियाणा, पुडुचेरी, दमन व दीव और दादरा और नगर हवेली में पायलट प्रोजेक्ट के रूप में शुरू किया गया है, जो अगले 12 महीनों तक चलेगी।

स्कीम में 1 करोड़ रु तक का ईनाम भी मिलेगा

केन्द्र सरकार इस स्कीम में लकी-ड्रॉ के जरिए हर महीने 800 लोगों का चयन करेगी। इन चुने गए सभी लोगों को 10 हजार रुपए का इनाम मिलेगा। वहीं हर महीने 10 ऐसे लोगों को भी चुना जाएगा, जिन्हें 10-10 लाख रुपए का इनाम दिया जाएगा। इसके अलावा सरकार हर 3 महीने पर इन्हीं बिलों पर बंपर-ड्रॉ भी निकाली जाएगी, जिसमें दो लोगों को 1-1 करोड़ रुपए का पुरस्कार दिया जाएगा।

इस स्कीम में कैसे भाग लें

इस स्कीम में भाग लेने के लिए आपको मेरा बिल मेरा अधिकार मोबाइल ऐप इन्स्टॉल करना होगा। इसमें लॉगिन करने के बाद पिछले एक महीने की पर्चेजिंग पर मिले 200 रुपए से ज्यादा के मूल्य के जीएसटी बिल का फोटो अपलोड करना होगा। आप अपने बिल को अपलोड कर के इस स्कीम में भाग ले सकते हैं। इस स्कीम के जरिए आप एक महीने में अधिकतम 25 जीएसटी बिल अपलोड कर सकते हैं।

सुनील मित्तल जैसे 10 बिलेनियर्स रिटायरमेंट प्लान कर रहे

मुकेश अंबानी 2029 तक बच्चों को जिम्मेदारी सौंपेंगे, महिंद्रा-कोटक भी ऐसा ही करेंगे

मुंबई।
भारत के कई बड़े टायकून्स आने वाले सालों में अपने बच्चों को कारोबारी जिम्मेदारी देकर रिटायर हो सकते हैं। ब्लूमबर्ग की रिपोर्ट के मुताबिक रिलायंस इंडस्ट्रीज के चेयरमैन मुकेश अंबानी (66) अपने एक या बाकी बच्चों को 2029 तक बिजनेस का एग्जीक्यूटिव कंट्रोल सौंप देंगे।

एएम नायक (81), एचडीएफसी के दीपक पारेख (78) और कोटक महिंद्रा बैंक के उदय कोटक (64) भी अगले कुछ साल में रिटायर हो सकते हैं। ये सभी रतन टाटा (85), आदि गोदरेज (81), अजीम प्रेमजी (78) और शिव नाडर (78) के रिटायरमेंट क्लब में शामिल हो जाएंगे। इन सभी को रिटायर हुए 10 साल से ज्यादा वक्त हो गया है।

अपनी जिम्मेदारियों में कटौती करेंगे बिजनेस टायकून्स

रिपोर्ट के मुताबिक, डॉ. प्रताप रेड्डी (रेड्डीज लेबोरेट्रीज), आरसी भार्गव, नुस्ली वाडिया (मफतलाल), बाबा कल्याणी, हर्ष मारीवाला, वेणु श्रीनिवासन, किरण मजूमदार-शॉ, पवन मुंजाल, अनिल अग्रवाल, आनंद महिंद्रा, नंदन नीलेकणि, अजय पीरामल, दिलीप संघवी और सुनील मित्तल या तो पूरी तरह रिटायर हो जाएंगे या फिर प्रबंधन जिम्मदारियों में कटौती करेंगे। इनमें रेड्डी 91 और भार्गव 89 साल के हैं, बाकी सबकी उम्र 60 से 70 साल के बीच है।

नई पीढ़ी को तगड़ा कॉम्पिटिशन फेस करना होगा

कई बिजनेस लीडर्स लार्जर दैन लाइफ जीने का उदाहरण खड़ा किया है। इनमें से कई अपने बिजनेस के संस्थापक रहे और कड़ी मेहनत से उसे खड़ा किया। भले ही उनके पास संसाधनों की कमी रही, लेकिन ग्लोबलाइजेशन के बाद के दौर में वे उभरकर सामने आए। उनके उत्तराधिकारियों को एक बनी बनाई कंपनी मिलेगी, लेकिन दुनिया की पांचवीं बड़ी अर्थव्यवस्था बन चुके भारत में उन्हें खासी प्रतिस्पर्धा देखने को मिलेगी।

पुराने कारोबारी दिग्गजों ने कई मुश्किलें झेली हैं। मसलन एशियन क्राइसिस, डॉट कॉम

बबल, ग्लोबलाइजेशन, 2008 का वित्तीय संकट और टेक्नोलॉजी में आया जबरदस्त बूम। कुछ को छोड़ दें तो ज्यादातर कारोबारी परिवारों के बच्चों को इस माहौल में अपनी काबिलियत साबित करनी होगी।

भारतीय कंपनियों के लिए उत्तराधिकारी तय करने की राह मुश्किल होगी

एक्सपर्ट कहते हैं कि यह दशक भारत की जानी-मानी कंपनियों के लीडरशिप में जनरेशन चेंज के लिए जाना जाएगा। लेकिन, यह आसान नहीं होगा। इसकी झलक पिछले कुछ घटनाक्रमों में दिखी है। जैसे टाटा समूह में, नेतृत्व करने के लिए गैर-टाटा का चयन सफल नहीं रहा।

वहीं इंफोसिस में बाहरी लीडर का प्रोजेक्शन विफल रहा, जिससे बोर्ड में तख्तापलट हुआ और नीलेकणि की वापसी हुई। महिंद्रा ग्रुप में एग्जीक्यूटिव लीडरशिप में बाहरी व्यक्ति को लाने का प्रोसेस धीरे-धीरे और पूरी प्लानिंग के साथ किया गया।

एशियन पेंट्स, मैरिको और गोदरेज में एग्जीक्यूटिव पदों पर परिवार का व्यक्ति और बाहरी प्रोफेशनल का मिक्स रहा। बजाज, अपोलो और भारत फोर्स में दूसरी और तीसरी पीढ़ी के परिवार के सदस्य प्रबंधन की कमान संभाले हुए हैं। मीडिया रिपोर्ट्स से संकेत मिलता है कि सिपला जैसी अन्य कंपनियों में उत्तराधिकारी बाहर जाना चाह सकते हैं।

मुकेश अंबानी क्यों संभलकर जिम्मेदारियां दे रहे

मुकेश अंबानी ने रिलायंस इंडस्ट्रीज के चेयरमैन और एमडी के पद पर रहते हुए तीन दशक में कंपनी को 5 हजार 500 करोड़ रुपए से 74 हजार 430 करोड़ रुपए की कंपनी बना दिया है। माना जाता है कि रिलायंस हमेशा प्रोजेक्ट मोड में रहती है।

हाल ही में रिलायंस ने न्यू एनर्जी बिजनेस को ईंधन देकर उसकी रफ्तार बढ़ाने की तैयारी की है, साथ ही चीन को पीछे छोड़ने की योजना बनाई है। ऐसे में मुकेश अंबानी के पद पर रहे बिना यह काम मुश्किल लग रहा है। विश्लेषक मानते हैं कि दुनियाभर में उत्तराधिकार सौंपने के नतीजों की भविष्यवाणी मुश्किल है। उत्तराधिकारी उम्मीद पर खरे उतरेंगे, यह दावा करना मुश्किल है।

मुकेश अंबानी के लिए उत्तराधिकार के संभावित नुकसान बहुत वास्तविक हैं। उनके पिता धीरूभाई ने कोई वसीयत नहीं छोड़ी थी और उनका निधन हो गया। इसके बाद मुकेश का अपने भाई अनिल के साथ संपत्ति विवाद हुआ। शायद यही एक वजह है कि वे एक स्पष्ट और व्यवस्थित उत्तराधिकार योजना तैयार करने की कोशिश कर रहे हैं।

एकता आर कपूर बनी प्रतिष्ठित अंतर्राष्ट्रीय एमी पुरस्कार जीतने वाली पहली भारतीय फिल्म निर्माता

भारत की कंटेंट क्वीन और टेलीविजन प्रोडक्शन पावरहाउस बालाजी टेलीफिल्म्स की सह-संस्थापक एकता आर. कपूर को 2023 इंटरनेशनल एमी डायरेक्टोरेट अवार्ड मिलेगा, जिसकी घोषणा आज इंटरनेशनल एकेडमी ऑफ टेलीविजन आर्ट्स एंड साइंसेज के प्रेसिडेंट और सीईओ ब्रूस एल पैसनर ने की। इंटरनेशनल एकेडमी का स्पेशल एमी सोमवार, 20 नवंबर, 2023 को न्यूयॉर्क शहर में 51वें इंटरनेशनल एमी अवार्ड्स गाला में एकता कपूर को प्रदान किया जाएगा। पैसनर ने कहा, एकता आर कपूर ने टेलीविजन कंटेंट इंडस्ट्री में मार्केट नेतृत्व के साथ बालाजी को भारत के अग्रणी मनोरंजन खिलाड़ियों में से एक बना दिया है, जो अपनी लंबे समय से चल रही सीरीज और ओटीटी प्लेटफॉर्म के साथ भारत और साउथ एशिया में बड़े पैमाने पर दर्शकों तक पहुंच रहा है। उन्होंने कहा, हम अपने डायरेक्टोरेट अवार्ड के साथ टेलीविजन इंडस्ट्री पर उनके उल्लेखनीय करियर और प्रभाव को सम्मानित करने के लिए उत्सुक हैं। 1994 में अपने माता-पिता के साथ बालाजी की शुरूआत करने के बाद से एकता आर कपूर भारतीय टेलीविजन में एक प्रमुख हस्ती रही हैं, भारतीय फिल्म स्टार और निमार्ता जीतेंद्र कपूर और मीडिया एग्जीक्यूटिव शोभा कपूर। उन्हें भारत के टेलीविजन परिदृश्य को नया रूप देने, टेलीविजन कंटेंट की एक पूरी शैली को आगे बढ़ाने और भारत के सैटेलाइट टेलीविजन बूम की शुरूआत करने का श्रेय दिया जाता है। बालाजी बैनर के तहत, उन्होंने 17,000 घंटे से अधिक टेलीविजन और 45 फिल्मों को प्रोड्यूस और क्रिएट किया है और देश के पहले भारतीय ओटीटी प्लेटफॉर्म में से एक, ऑल्ट बालाजी को लॉन्च किया है।

पर एकता आर कपूर ने कहा, यह सम्मान पाकर मैं विनम्रता और उत्साह की गहरी भावना से भर गई हूं। यह अवॉर्ड मेरे दिल में एक खास जगह रखता है, क्योंकि यह एक ऐसी यात्रा का प्रतीक है जो केवल काम से आगे जाती है - यह मेरे पर्सनल और प्रोफेशनल लाइफ का एक अहम पहलू है। उन्होंने आगे कहा, इस प्रतिष्ठित मंच के जरिए ग्लोबल मंच पर अपने देश का प्रतिनिधित्व करना एक अविश्वसनीय सम्मान है। टेलीविजन ने मुझे अपनी पहचान खोजने में मदद करने में अहम भूमिका निभाई है, खासकर एक महिला के रूप में जो महिलाओं के लिए कहानियां बनाने का काम करती है।

यह पुरस्कार मुझे इंटरनेशनल लेवल पर उनका और हमारी साझा उपलब्धियों का प्रतिनिधित्व करने की अनुमति देता है। बालाजी के ज्यादातर शो सामान्य एंटरटेनमेंट ब्रॉडकास्टर्स के लिए चैनल संचालक बने हुए हैं। बालाजी ने लगभग हर बड़े टीवी अवॉर्ड जीते हैं। कपूर फॉर्च्यून इंडिया की एशिया की 50 सबसे पावरफुल महिलाओं में से एक हैं और वेरायटी500 में लिस्टेड भारतीय टेलीविजन बाजार की इकलौती महिला हैं - जो ग्लोबल मीडिया जगत को आकार देने वाले 500 सबसे प्रभावशाली बिजनेस लीडर्स का एक इंडेक्स है।

सात सितंबर को रिलीज होगी शाहरुख की फिल्म जवान

- नॉट रमैया वस्तावैया गाना हुआ रिलीज

शाहरुख खान के साथ पार्टी करने के लिए हो जाइए तैयार क्योंकि जवान का नॉट रमैया वस्तावैया गाना रिलीज हो गया है। हाल ही में एक सत्र के दौरान शाहरुख ने अपनी बहुप्रतीक्षित फिल्म जवान के अपकमिंग गीत नॉट रमैया वस्तावैया की झलक के साथ अपने प्रशंसकों को शानदार सरप्राइज दिया था। इसके बाद गाने की प्रत्याशा को बढ़ाते हुए, निमार्ताओं ने एक टीजर के जरिए फिल्म के तीसरे गाने की एडिशनल झलकियां जारी कीं, जिसने दर्शकों को इसके रिलीज के लिए बेसब्र कर दिया। और अब आखिरकार दर्शकों का इंतजार खत्म हो गया है क्योंकि नॉट रमैया वस्तावैया गाना रिलीज हो गया है। नॉट रमैया वस्तावैया गाना निश्चित रूप से एक शानदार पार्टी नंबर होने के अपने वादे पर खरा उतरा है। अपनी हालिया रिलीज के साथ, इसने हम पर जादू कर दिया है, शाहरुख के जादुई आकर्षण और जोरदार एनर्जी ने भी लोगों को क्रेजी कर दिया है। गाने में ट्रेंडसेटर डांस मूव्स बिल्कुल अनूठे हैं, जो हमें डांस फ्लोर पर जाने के लिए मजबूर कर देते हैं। इसके अलावा, गाने को तीन अलग-अलग भाषाओं में रिलीज किया गया है, जिससे यह सुनिश्चित हो सके कि पार्टी का माहौल बरकरार रहे। नॉट रमैया वस्तावैया के हिंदी वर्जन को अनिरुद्ध रविचंदर ने कंपोज किया हैं, और इसके बोल लिरिसिस्ट कुमार द्वारा लिखे गए हैं, जिनके पास लेटेस्ट हिट्स की एक सीरीज है।

अनिरुद्ध रविचंदर, विशाल ददलानी और शिल्पा राव की प्रतिभाशाली तिकड़ी ने इस दीवाना कर देने वाले गीत को अपनी आवाज दी हैं, जबकि वैभवी मर्चेंट ने खूबसूरती से कोरियोग्राफ किया हैं। वहीं इसके तेलुगु वर्जन भी है जिसे अनिरुद्ध रविचंदर ने ही कपोंज किया हैं लेकिन इसके बोल प्रशंसित ऑस्कर विजेता गीतकार चंद्रबोस द्वारा लिखे गए हैं। वैभवी मर्चेंट की कोरियोग्राफ के साथ इस धमाकेदार पार्टी नंबर में श्रीराम चंद्रा, रक्षिता सुरेश और अनिरुद्ध रविचंदर की आवाज हैं। इसके अलावा, तमिल वर्जन, जिसका नाम नॉट रमैया वस्तावैया है, अनिरुद्ध रविचंदर द्वारा रचित हैं, जिसके बोल लोकप्रिय गीतकार विवेक द्वारा लिखे गए हैं, जिनके पास लेटेस्ट हिट्स की एक सीरीज है। अनिरुद्ध रविचंदर, श्रीराम चंद्रा और रक्षिता सुरेश ने इस गाने को अपनी खूबसूरत आवाज दी हैं, जिसे वैभवी मर्चेंट ने खूबसूरती से कोरियोग्राफ किया हैं। जवान एटली द्वारा निर्देशित, गौरी खान द्वारा निर्मित और गौरव वर्मा द्वारा सह-निर्मित रेड चिलीज एंटरटेनमेंट की प्रस्तुति है। यह फिल्म 7 सितंबर, 2023 को दुनिया भर के सिनेमाघरों में हिंदी, तमिल और तेलुगु भाषाओं में रिलीज होगी।

रिया चक्रवर्ती की पसंद बन गए जेरोधा के को-फाउंडर निखिल कामथ

बॉलीवुड एक्ट्रेस रिया चक्रवर्ती इन दिनों निखिल कामथ को डेट कर रही हैं। रिया चक्रवती को फिर से प्यार मिल गया है। एक्ट्रेस कथित तौर पर ऑनलाइन स्टॉक ट्रेडिंग प्लेटफॉर्म जेरोधा के को-फाउंडर निखिल कामथ को डेट कर रही हैं। निखिल, जो पहले पूर्व मिस वर्ल्ड मानुषी छिल्लर को डेट कर रहे थे, ने मानुषी को अनफॉलो करने के बाद इंस्टाग्राम पर रिया को फॉलो करना शुरू कर दिया है। रिया फोटो-शेयरिंग ऐप पर भी निखिल को फॉलो कर रही हैं। अपनी फिल्म द ग्रेट इंडियन फैमिली की रिलीज का इंतजार कर रहीं मानुषी ने भी निखिल को अनफॉलो कर दिया है। कथित तौर पर निखिल और मानुषी ने 2021 में डेटिंग शुरू की और अपने रिश्ते को निजी रखा था। उन्हें कई बार एक साथ घूमते हुए देखा गया। पिछले साल फीफा विश्व कप के दौरान उन्हें ऋषिकेश और कतर के दोहा में लुसैल स्टेडियम का दौरा करते हुए भी देखा गया था। 2021 में, रिया भी सीमा सजदेह के भाई बंटी सजदेह को डेट कर रही थी, जो खेल और मनोरंजन के क्षेत्र में सबसे बड़े फर्मों में से एक के मालिक हैं।

क्राइम ड्रामा है बंबई मेरी जान

बंबई मेरी जान के ग्लोबल प्रीमियर की घोषणा कर दी है। यह प्राइम वीडियो का आने वाले क्राइम ड्रामा है। इस सीरीज का प्रीमियर 14 सितंबर को भारत और 240 देशों और क्षेत्रों में विशेष रूप से प्राइम वीडियो पर होगा। एक्सेल मीडिया एंड एंटरटेनमेंट के रितेश सिधवानी, कासिम जगमगिया और फरहान अख्तर द्वारा निर्मित, एस. हुसैन जैदी की कहानी के साथ, बंबई मेरी जान रेंसिल डिसिल्वा और शुजात सौदागर द्वारा क्रिएट की गई हैं। वहीं ये सीरीज शुजात सौदागर द्वारा निर्देशित हैं। इस सीरीज में अमायरा दस्तूर अहम रोल में हैं। जबकि के के मेनन, अविनाश तिवारी, कृतिका कामरा और निवेदिता भट्टाचार्य जैसे बहुमुखी और प्रतिभाशाली कलाकार भी इसका हिस्सा हैं। यह फिक्शनल क्राइम सीरीज एक पिता और बेटे की एक मनोरंजक कहानी है, दोनों एक ही सिक्के के दो पहलू हैं। ये सीरीज अच्छाई और बुराई की जंग को अलग अंदाज में दिखाती है। आजादी के बाद के दिनों पर आधारित, यह कहानी एक युवा, दारा कादरी (तिवारी द्वारा अभिनीत) के जीवन और उत्थान को दर्शाती है, जो अपने पिता की कानून प्रवर्तन विरासत (मेनन द्वारा अभिनीत) और संगठित अपराध के केंद्र में अपनी यात्रा के बीच उलझा हुआ है। प्राइम वीडियो में इंडिया ओरिजिनल्स की हेड अपर्णा पुरोहित ने कहा, बंबई मेरी जान सपनों और महत्वाकांक्षाओं की एक जटिल और दिलचस्प कहानी है, जहां सत्ता के लिए कभी न मिटने वाली भूख किसी की पसंद को परिभाषित करती है। कहानी एक सिम्फनी की तरह है जो अपने मेन किरदारों की सोच और भावनाओं को गहराई से उजागर करती है, क्योंकि वे अपनी पसंद के परिणामों से जूझते हैं। उन्होंने आगे कहा, हम एक्सेल मीडिया एंड एंटरटेनमेंट के साथ अपना पांचवां प्रोजेक्ट पेश करने के लिए बहुत उत्साहित हैं।

हिरानी के साथ आमिर की अगली फिल्म दिसंबर 2024 में आयेगी

फिल्म निर्माता राजकुमार हिरानी के साथ अभिनेता आमिर खान की अगली फिल्म क्रिसमस पर रिलीज होगी हालांकि अभी तक इसका नाम नहीं रखा गया है। हाल ही में फिल्म निमार्ता राजकुमार हिरानी ने आमिर को एक स्क्रिप्ट सुनाई है, जिसे लेकर वो बेहद उत्साहित हैं। अभी अनुमान लगाया जा रहा है कि ये फिल्म एक डॉक्यूमेट्री होने वाली है। इसी के साथ आमिर अभिनय में वापसी करने के लिए पूरी तरह तैयार नजर आ रहे हैं। यह अक्षय कुमार की वेलकम 3 के साथ टकराएगी। इस फिल्म का प्री-प्रोडक्शन चल रहा है और यह 20 जनवरी, 2024 को फ्लोर पर जाएगी। आमिर खान ने अगली फिल्म के लिए दिसंबर 2024 को तय किया है।आमिर खान प्रोडक्शंस के प्रोडक्शन नंबर 16 ने अभी शीर्षक तय नहीं किया है पर कहा जा रहा है कि 20 दिसंबर 2024 क्रिसमस 2024 को ये रिलीज होगी। फिल्म का प्री-प्रोडक्शन जारी है और फिल्म 20 जनवरी 2024 को फ्लोर पर जाएगी।अधिक जानकारी जल्द ही मिलेगी। लाल सिंह चड्ढा की असफलता के बाद आमिर ने एक्टिंग से ब्रेक ले लिया। इस अभिनेता ने पंजाबी फिल्म कैरी ऑन जट्टा 3 के ट्रेलर लॉन्च के दौरान कहा था, मैंने अभी तक कोई फिल्म करने का फैसला नहीं किया है। मैं अभी अपने परिवार के साथ समय बिताना चाहता हूं। मैं इसके बारे में अच्छा महसूस कर रहा हूं क्योंकि मैं अभी यही करना चाहता हूं। मैं निश्चित तौर पर तभी फिल्म करूंगा जब मैं भावनात्मक रूप से तैयार हो जाऊंगा। अक्षय की वेलकम 3 का नाम कथित तौर पर वेलकम टू द जंगल रखा गया है। हाल ही में फिल्म निमार्ता राजकुमार हिरानी ने हाल ही में आमिर को एक स्क्रिप्ट सुनाई है, जिसे लेकर वो बेहद उत्साहित हैं। अभी अनुमान लगाया जा रहा है कि ये फिल्म एक डॉक्यूमेट्री होने वाली है। आमिर खान और हिरानी काफी अच्छे दोस्त हैं। दोनों लंबे वक्त से एक-दूसरे के साथ फिल्म करना चाह रहे है, लेकिन अबतक ऐसा कोई प्रोजेक्ट नहीं था जिसपर दोनों की सहमति बनी हो। हालांकि अब लगता है दोनों को एक ऐसी स्क्रीप्ट मिल गई है जिसपर दोनों की सहमति बन गई है। हिरानी ने आमिर के साथ एक बायोपिक बनाने का फैसला किया है।

शाहिद कपूर ने पगड़ी पहने कई तस्वीरें की पोस्ट

सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म इंस्टाग्राम पर बॉलीवुड स्टार शाहिद कपूर ने पगड़ी पहने कई तस्वीरें पोस्ट की। प्रथम फोटो में वह तैयार होते नजर आ रहे हैं। दूसरी फोटो में वह पगड़ी ठीक करवा रहे हैं। एक अन्य तस्वीर में शाहिद पिता पंकज कपूर के साथ पोज देते नजर आ रहे हैं। शाहिद ने ब्लैक कलर का कुर्ता और क्रीम कलर की पगड़ी पहनी हुई है। जबकि, उनके पिता पंकज कपूर ने वाइट शर्ट और पगड़ी के साथ कोट पहना हुआ है। फोटोज को शेयर करते हुए एक्टर ने कैप्शन में लिखा, पिताजी हमेशा कहते हैं घर पर शादी होगी तो पग पएगा ना। वर्कफ्रंट की बात करें तो, शाहिद को आखिरी बार अली अब्बास जफर द्वारा निर्देशित एक्शन थ्रिलर फिल्म ब्लडी डैडी में देखा गया। इसमें संजय कपूर, डायना पेंटी, रोनित रॉय, राजीव खंडेलवाल, अंकुर भाटिया और विवान भटेना भी हैं। यह 2011 की फ्रांसीसी फिल्म स्लीपलेस नाइट का रूपांतरण है।

भाई-बहन का बंधन हर भावना का अनुभव करता है: सुष्मिता

-एक्ट्रेस ने ऑन-स्क्रीन भाई-बहन के रिश्ते के बारे में कहा

नई दिल्ली (ईएमएस)। बालीवुड एक्ट्रेस सुष्मिता सेन ने सीरिज आर्या में अपने ऑन-स्क्रीन भाई-बहन के रिश्ते के बारे में कहा कि रक्षाबंधन एक उत्सव है, जहां आप इम्परफेक्ट बॉन्ड साझा करते हैं, मुश्किल समय में एक-दूसरे की ताकत बनने का वादा करते हैं। एक-दूसरे का सपोर्ट करने से लेकर सबसे मूर्खतापूर्ण चीजों पर लड़ने तक, भाई-बहन का बंधन हर भावना का अनुभव करता है। सुष्मिता ने कहा कि सीरिज आर्या में निभाए गए अंकुर भाटिया के साथ भाई-बहन के रिश्ते का ऐसा ही एक जटिल पहलू हमने सीरीज आर्या में देखा। हालांकि, आर्या (सुष्मिता) और संग्राम (अंकुर) के बीच भाई-बहन का अच्छा रिश्ता नहीं है, लेकिन एक-दूसरे के लिए प्यार और देखभाल अटूट है। इसके बारे में सुष्मिता ने कहा, भाई-बहन के रिश्तों को शब्दों में बयां करना बहुत मुश्किल है। वे लड़ते हैं, वे सुलह करते हैं, वे फिर से लड़ते हैं, यह चलता रहता है जिसका हम सभी आनंद लेते हैं। आर्या और संग्राम के बीच का बंधन ऐसा नहीं है, लेकिन उनके रिश्ते के बारे में मुझे जो पसंद है, वह यह है कि उन्होंने अपने कड़वे रिश्ते को स्वीकार किया है और एक-दूसरे के लिए अपने प्यार को जाने नहीं दिया है। रक्षाबंधन का बिल्कुल यही मतलब है। एक्ट्रेस ने कहा, एक उत्सव जहां आप इस इम्परफेक्ट बॉन्ड को अपनाते हैं और मुश्किल समय में एक-दूसरे की ताकत बनने का वादा करते हैं। बता दें कि सीरिज आर्या एक क्राइम-थ्रिलर ड्रामा है, जो राम माधवानी और संदीप मोदी द्वारा सह-निर्मित है, जिन्होंने सीरीज का निर्देशन भी किया है, जबकि विनोद रावत सह-निर्देशक के रूप में कार्यरत हैं।

मैजिक को बने 15 साल हो गए : फरहान

- फिल्म की 15वीं वर्षगांठ नी फैंस को दिया धन्यवाद

मुंबई (ईएमएस)। बॉलीवुड एक्टर फरहान अख्तर ने फिल्म की 15वीं वर्षगांठ मनाने के लिए अपने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट साझा किया। फरहान ने अपने करियर में इस फिल्म का महत्व बताते हुए सोशल मीडिया पर लिखा, मैजिक को बने 15 साल हो गए। उन फैंस को धन्यवाद, जिन्होंने इसके जादू को बरकरार रखा है। रॉक ऑन। रॉक ऑन!! 2008 में रिलीज हुई थी। फिल्म एक बैंड की जर्नी को दिखाती है, जो टूट जाता है और 10 साल बाद फिर एक साथ आता है। फिल्म में फरहान ने सिंगर से निवेश बैंकर बने आदित्य श्रॉफ का किरदार निभाया, जो अपनी पत्नी को खोने के बाद म्यूजिक में वापस लौटा। इस प्रक्रिया में, उनका बैंड मैजिक अपने सभी सदस्यों के साथ अपने मतभेदों को दूर करके फिर से एक साथ आता है। वर्तमान में फरहान अख्तर डॉन 3 और जी ले जरा के लिए तैयारी कर रहे हैं। बता दें कि फरहान अपनी फिल्म रॉक ऑन के 15 साल पूरे होने का जश्न मना रहे हैं। उन्होंने इस फिल्म से एक्टिंग की शुरूआत की। अभिषेक कपूर द्वारा निर्देशित इस फिल्म में फरहान ने बैंड मैजिक के लीड सिंगर का किरदार निभाया था। उनके साथ मुख्य गिटार पर अर्जुन रामपाल, ड्रम बजाते पूरब कोहली और कीबोर्ड पर ल्यूक केनी थे।

डिस्लेक्सिक की वजह से सनी देओल की स्कूल में होती थी पिटाई

मुंबई (ईएमएस)। सनी देओल के डिस्लेक्सिक होने की वजह से स्कूल में टीचर से मार खानी पड़ती थी। उन्हें डफर जैसे शब्द भी सुनने पड़ते थे। इन दिनों सनी देओल फिल्म गदर 2 को लेकर लाइमलाइट में बने हुए हैं। तारा सिंह के किरदार में उनका एक्शन दर्शकों को खूब पसंद आ रहा है। गदर 2 में सनी दुश्मनों की धुलाई करते हुए नजर आ रहे हैं, लेकिन कभी किसी ने उनकी भी धुलाई की थी। दरअसल, सनी देओल ने हाल ही में दिए एक इंटरव्यू में अपने बचपन के दिनों के बारे में बात की। एक्टर ने कहा कि स्कूल के दिनों में उन्हें खराब नंबर लाने के लिए टीचर से खूब मार पड़ती थी और डफर जैसे शब्द सुनने पड़ते थे। उन्होंने इसके पीछे का कारण भी बताया। सनी देओल ने खुलासा किया की वो डिस्लेक्सिक थे, लेकिन उस दौरान उन्हें इसके बारे में पता भी नहीं था। सनी देओल ने रणवीर इलाहाबादिया के साथ बातचीत में कहा कि बचपन में मैं डिस्लेक्सिक था। उस समय, हम यह भी नहीं जानते थे कि इसका मतलब क्या है!

सूडोकु नवताल- 6540

सरल

5	9			3			8	7
8	7		1		5			
		2			9			4
	6				2		3	5
3	8		4	1	7		2	9
2	4		6				1	
7			3			8		
			5		8		7	3
9	3			2			6	1

Jagrutidaur.com, Bangalore

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -6539 का हल

7	4	8	3	9	2	1	5	6
2	6	9	5	7	1	8	4	3
3	1	5	4	8	6	7	2	9
5	7	4	8	6	9	3	1	2
8	9	1	2	3	4	6	7	5
6	3	2	1	5	7	4	9	8
4	8	7	6	2	5	9	3	1
9	2	6	7	1	3	5	8	4
1	5	3	9	4	8	2	6	7

शब्दजाल- 7287

ऐ	म	मा	अ	शो	का	म	न	ह	क	रा	
हा	त	सू	ह	री	ल	जी	स	ल	का	ज	
चु	वी	रा	द	अं	फ्यु	त	र	म	ल	टी.	
प	र	दा	ज	ल	क	जी	ओ	मु	व	त	
चु	अ	न	ष	ल	म	मी	छ	झे	सी	ला	
प	मी	ज	स	जि	स्वा	क	प	कु	गु	श	
के	ह	बु	न	टी	म	मी	टे	छ	हा	ण	
न	पू	सु	पा	बी	पं.	सौ	ल	क	ना	स	
मों	रे	क	सू	ह	ग	ने	ने	हा	न	त	
आ	प	बे	व	फा	दी	र	ह	ना	क	थ	
दो	स्ती	न	प	द	न	इ	ह	है	ह	धी	

शब्दजाल में करीना कपूर की 10 फिल्मों के नाम ढूंढिए. नाम ऊपर से नीचे, दाएं से बाएं एवं तिरछे हो सकते हैं

ऐतराज, अशोका, चुप चुप के, दोस्ती, बेवफा, तलाश, अजनबी, मुझे कुछ कहना है, रीफ्युजी, ओमकारा.

शब्दजाल - 7286 का हल

अ	व	र	नो	ए	ब्री	स	प	ला	नी	का	
धु	है	क	ज	इं	डे	ने	ह	इं	म	ल	
म	क्या	दि	ल	ने	क	हा	ड	सा	प	नि	
हु	रा	ल	मा	ज	ल	स	रा	न	इ	ही	
को	ई	मे	रे	दि	ल	से	पु	छे	क	नि	
द	जे	कि	र	क	पा	का	म	न	रि	या	
शी	मा	दे	प्या	व	था	य	अ	म	क	ती	
द	दे	श	रे	न	प	य	यु	घु	व	ला	
स	दि	ल	मो	ले	दा	र	जा	वा	वी	दे	
क्षि	ज	ति	ह	हि	द	ह	मा	द	ल	र	
त	र	सु	न	मा	स्व	रा	ज	त	र	म	

Jagrutidaur.com, Bangalore

अष्टयोग- 6240

5	1		4	2		7
	31		28		30	1
		7	3		2	
4	33		29	1	31	6
3		1		5		
	34	6	35		40	3
2	3		1	6	7	

प्रस्तुत खेल सुडोकू व जोड़ की पद्धति का मिश्रण है. खड़ी व आड़ी पंक्तियों में 1से 7 तक के अंक लिखने अनिवार्य हैं. गहरे काले वर्ग में लिखी संख्या चारों और के 8 वर्गों की संख्या का कुल योग होगी. सीधी अथवा आड़ी पंक्तियों में 1 से 7 तक के अंक होना अनिवार्य है.

अष्टयोग 6239 का हल

5	7	2	4	1	6	3
2	23	1	26	6	40	6
1	2	3	4	5	6	7
4	32	4	32	4	32	4
7	6	5	4	3	2	1
6	47	7	35	7	26	2
3	7	6	1	2	4	5

Jagrutidaur.com, Bangalore

नीरज चोपड़ा डायमंड लीग फाइनल के लिए क्वालिफाई : ज्यूरिख मीट में 85.71 मीटर के जेवलिन थ्रो के साथ दूसरे नंबर पर रहे

ज्यूरिख।

भारत के स्टार जेवलिन थ्रोअर नीरज चोपड़ा और लॉन्ग जंपर मुरली श्रीशंकर ने डायमंड लीग फाइनल के लिए क्वालिफाई कर लिया। इस लीग का फाइनल अगले महीने अमेरिका के यूजीन में 16 और 17 सितंबर को होगा। स्विट्जरलैंड के ज्यूरिख शहर में लीग की 11वीं मीट में नीरज 85.71 मीटर के बेस्ट स्कोर के साथ दूसरे स्थान पर रहे, जबकि मुरली ने लॉन्ग जंप इवेंट में 7.99 मीटर डिस्टेंस निकाला और 5वां स्थान हासिल किया।

जेवलिन इवेंट में नीरज की आखिरी कोशिश बेस्ट रही - जेवलिन थ्रो इवेंट में नीरज चोपड़ा दूसरे नंबर पर रहे। उनका बेस्ट थ्रो छठे अटेम्प्ट में आया, इसमें उन्होंने 85.71 मीटर का डिस्टेंस कवर किया। ज्यूरिख मीट में दूसरे नंबर पर रहने पर नीरज को 7 पॉइंट्स मिले। उनके अब टोटल 23 पॉइंट्स हो गए हैं। वह ओवरऑल स्टैंडिंग्स में तीसरे नंबर पर हैं। डायमंड लीग की फाइनल स्टैंडिंग्स में चेक रिपब्लिक के याकुब वादलेच पहले नंबर पर हैं। उनके 29 पॉइंट्स हैं, वे ज्यूरिख मीट में भी 85.86 मीटर के थ्रो के साथ पहले नंबर पर हैं। फाइनल स्टैंडिंग्स में जर्मनी के जूलियन वेबर दूसरे नंबर पर हैं, उनके 25 पॉइंट्स हैं। ज्यूरिख राउंड में वह 85.04 मीटर के बेस्ट थ्रो के साथ तीसरे नंबर पर रहे। नीरज ने पहले प्रयास में 80.79 मी., दूसरे और तीसरे में फाउल, चौथे में 85.22 मी., पांचवां फाउल और छठे में 85.71 मीटर स्कोर किया।

लॉन्ग जम्प इवेंट: मुरली ने 7.99 मीटर की छलांग लगाई - मुरली श्रीशंकर ज्यूरिख मीट के लॉन्ग जम्प इवेंट में 5वें नंबर पर रहे। उन्हें इसके लिए 4 पॉइंट्स मिले। डायमंड लीग में अब उनके कुल 14 पॉइंट्स हो गए हैं। वह फाइनल स्टैंडिंग्स में तीसरे नंबर पर हैं। मुरली ने पहले प्रयास में 7.99 मी., दूसरे में 7.96, तीसरे में फाउल, चौथे में 7.96 और 5वें में 7.93 मीटर स्कोर किया। इस इवेंट में ग्रेनेडा के मिल्टियादिस टेंटोग्लो ने टॉप किया। उन्होंने 8.20 मीटर जम्प किया। जमैका के तजय गेल (8.07 मी.) दूसरे, अमेरिका के जैरियन लॉसन (8.05 मी.) तीसरे और राडेक जुस्का (8.04 मी.) चौथे नंबर पर रहे।

क्या है डायमंड लीग - डायमंग लीग एथलीट्स का एक टूर्नामेंट है, जिसमें 16 खेलों के 14 बार इवेंट होते हैं। हर इवेंट में टॉप-8 खिलाड़ियों को पॉइंट्स मिलते हैं, पहले नंबर के खिलाड़ी को 8 और 8वें नंबर के खिलाड़ी को एक पॉइंट मिलता है। 14 इवेंट के बाद सभी खिलाड़ियों के पॉइंट्स काउंट होते हैं। टॉप-10 पोजिशन पर फिनिश करने वाले खिलाड़ियों को डायमंड लीग फाइनल में जगह मिलती है। इसमें जीतने वाले खिलाड़ी को डायमंड लीग विजेता की ट्रॉफी और कैश प्राइज मिलता है।

न्यूज ब्रीफ

यूएस ओपन...डिफेंडिंग चैम्पियन कार्लोस अल्कारेज तीसरे राउंड में पहुंचे: कार्लोस ने लॉयड हैरिस को हराया; ओन्स जेबुअर भी अगले दौर में पहुंची

न्यूयार्क। डिफेंडिंग चैम्पियन कार्लोस अल्कारेज साउथ अफ्रीका के लॉयड हैरिस को हराकर सीजन के आखिरी ग्रैंडस्लैम यूएस ओपन के तीसरे दौर में पहुंच गए। मेंस सिंगल्स में एलेक्जेंडर ज्वेरेव भी तीसरे राउंड में पहुंच गए है।

वहीं विमेंस सिंगल्स में पिछले साल की रनर-अप ओन्स जेबुअर भी तीसरे राउंड में जगह बनाई। स्पेन के 20 साल के कार्लोस अल्कारेज ने न्यूयार्क में खेले गए दूसरे दौर के मैच में हैरिस को 6-3, 6-1, 7-6(4) से हराकर यूएस ओपन के तीसरे दौर में प्रवेश किया। जर्मनी के 12वीं वरीयता प्राप्त एलेक्जेंडर ज्वेरेव भी तीसरे राउंड में पहुंच गए है। ज्वेरेव ने हमवतन डेनियल अल्टमायर को 7-6 (7/1), 3-6, 6-4, 6-3 से हराकर तीसरे दौर में जगह पक्की की। ट्यूनीशिया की पांचवीं वरीयता प्राप्त खिलाड़ी जेबुअर ने रोमांचक मुकाबले में चेक की युवा टेनिस खिलाड़ी लिंडा नोस्कोवा को 7-6(7), 4-6, 6-3 से हराया। जेबुअर ने 18 साल की नोस्कोवा पर लगातार दबाव बनाए रखा। स्टार टेनिस खिलाड़ी नोवाक जोकोविच साल के आखिरी ग्रैंडस्लैम यूएस ओपन के तीसरे राउंड में पहुंच चुके हैं। 23 बार के ग्रैंड स्लैम विजेता जोकोविच ने यूएस ओपन के दूसरे राउंड में स्पेन के बर्नबे जपाटा मिरालेस को सीधे सेटों में हराया। जोकोविच ने आर्थर ऐश स्टेडियम कोर्ट पर 76वीं रैंकिंग वाले मिरालेस के खिलाफ दो घंटे में 6-4, 6-1, 6-1 से जीत हासिल की। सर्बियाई स्टार का अगला मुकाबला हमवतन और 32वीं वरीयता प्राप्त लास्लो जेरे से है।

विश्वनाथन आनंद ने 37 साल बाद गंवाया भारत के शीर्ष खिलाड़ी का ताज, 17 साल के खिलाड़ी ने छीनी बादशाहत

नई दिल्ली। भारत के महान शतरंज खिलाड़ी विश्वनाथन आनंद ने 37 साल बाद अपनी बादशाहत गंवा दी है। अब वह देश के सबसे बेहतरीन रैंकिंग वाले खिलाड़ी नहीं हैं। 17 साल के ग्रैंडमास्टर डी गुकेश अब सबसे बेहतरीन रैंकिंग वाले भारतीय शतरंज खिलाड़ी हैं। आनंद ने तीन दशक से अधिक समय के बाद भारत के शीर्ष शतरंज खिलाड़ी का ताज गंवाया है। आनंद जुलाई 1986 से भारत के शीर्ष खिलाड़ी बने हुए थे। चेन्नई के 17 वर्षीय गुकेश हाल ही में बाकू में फिडे विश्व कप के क्वार्टर फाइनल में मैग्नस कार्लसन से हार गए थे। हालांकि, वह फाइड रैंकिंग में आनंद से आगे निकलकर विश्व में 8वें नंबर पर पहुंच गए हैं। गुकेश पहली बार फाइड रेटिंग सूची में शीर्ष 10 में शामिल हुए हैं। पांच बार के विश्व चैंपियन आनंद अब 9वें स्थान पर हैं। एक सितंबर से प्रभावी फाइड रेटिंग के अनुसार, गुकेश की रेटिंग 2758 है जबकि आनंद की रेटिंग 2754 है। गुकेश को एक अगस्त के बाद से रेटिंग सूची में तीन स्थान का फायदा हुआ है। शतरंज की दुनिया के सबसे युवा उपविजेता बनने वाले प्रगनानानंदा 2727 की रेटिंग के साथ सूची में 19वें नंबर पर पहुंच गए हैं। वह गुकेश और विश्वनाथन आनंद के बाद भारत के तीसरे नंबर के खिलाड़ी हैं। वर्तमान में फाइड रैंकिंग में शीर्ष 30 में पांच भारतीय हैं और उनमें विदित संतोष गुजराती (नंबर 27) और अर्जुन एरिगैसी (नंबर 29) शामिल हैं। अनुभवी पी हरिकृष्णा 31वें स्थान पर हैं। गुकेश ने बाकू में विश्व कप के दौरान लाइव वर्ल्ड फाइड रैंकिंग में अपने आदर्श और गुरु आनंद को पीछे छोड़ दिया था। आनंद एक जुलाई, 1986 से भारत के शीर्ष खिलाड़ी बने हुए थे। उन्होंने 37 वर्षों से अधिक समय के बाद शीर्ष स्थान गंवा दिया है।

पुरानी गेंद से भी गेंदबाजी को तैयार हैं शमी

पालेकल। एशिया कप में पाकिस्तान के खिलाफ मुकाबले से पहले अनुभवी तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी ने कहा है कि वह एकदिवसीय में नई गेंद की जगह पुरानी गेंद से भी अच्छी गेंदबाजी कर सकते हैं। शमी के अनुसार वह जरुरत के अनुसार पुरानी गेंद से भी गेंदबाजी के लिए तैयार हैं ओर इसमें उन्हें कोई परेशानी नहीं हैं। एशिया कप में भारत और पाक का मुकाबला शनिवार को होगा। अब देखना है कि इसमें जसप्रीत बुमराह की वापसी के बाद शमी को अवसर मिलता है या नहीं। बुमराह की गैर मौजूदगी में शमी सबसे अनुभवी खिलाड़ी थे। उन्होंने मोहम्मद सिराज के साथ गेंदबाजी की जिम्मेदारी संभाली थी। अब शमी ने कहा कि मुझे नई गेंद या पुरानी गेंद से गेंदबाजी करने में कोई परेशानी नहीं है। यह टीम प्रबंधन पर निर्भर करता है कि वह किसे उतरना सही समझता है। अगर मुझे नई गेंद दी जाती है और गेंदबाजी करने को कहा जाता है तो उसके लिए मैं हमेशा से ही तैयार हूं। उन्होंने कहा कि सफेद और लाल गेंद को लेकर काफी बात की जाती है।

एशिया कप में आज होगा भारत और पाकिस्तान का महामुकाबला

पालेकल।

एशिया कप क्रिकेट टूर्नामेंट में भारत और पाकिस्तान का अहम मुकाबला होगा। इस मैच पर दुनिया भर के प्रशंसकों की नजरें लगी रहेंगी। इस मुकाबले में भारतीय टीम के बल्लेबाजों और पाक गेंदबाजों के बीच सभी को कड़े संघर्ष की उम्मीद है। भारतीय टीम अपनी मजबूत बल्लेबाजी जबकि पाक टीम अपनी आक्रामक गेंदबाजी के लिए जानी जाती है। आगामी विश्वकप को देखते हुए ये मुकाबला और भी अहम हो जाता है क्योंकि इससे दोनो ही टीमों को अपनी तैयारियों का पता चल जाएगा। इस मुकाबले में रोहित शर्मा और विराट कोहली का सामना पाक के शाइन आफरीदी और हारिस रऊफ जैसे तेज गेंदबाजों से होगा। ऐसे में यहां की उछाल भरी पिच पर भारतीय बल्लेबाजों के कौशल की असली परीक्षा हो होगी।

एशिया कप इस बार 50 ओवरों के प्रारूप में हो रहा है जिससे इसमें खेल रही टीमों को एकदिवसीय विश्वकप के लिए अपनी तैयारियों को आंकने का भी अवसर मिल जाएगा। आयोजकों और क्रिकेटप्रेमियों के लिये भारत और पाक के मुकाबले का विशेष आकर्षण रहता है। इस मैच से जहां आयोजकों को भारी राजस्व मिलता है, वहीं प्रशंसकों को रोमांचक खेल भी देखने को मिलता है। इस मैच में अच्छा प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ी भी अपनी टीमों के चहेते बन जाते हैं।

इस मैच में भारतीय टीम की बल्लेबाजी कप्तान रोहित के अलावा विराट कोहली और शुभमन गिल पर आधारित रहेगी जबकि गेंदबाजी की कमान वापसी कर रहे जसपीत बुमराह के पास रहेगी।

भारतीय प्रशंसक उम्मीद करेंगे कि इस मैच में विराट, रोहित और शुभमन गिल पाक गेंदबाजों रऊफ, शाहीन और नसीम शाह पर जमकर रन बनाये। वहीं पाक प्रशंसक चाहेंगे कि शाहीन और रऊफ जैसे गेंदबाज तूफानी गेंदबाजी करें। दोनों टीमों अपने मध्यक्रम को लेकर अभी भी संशय में हैं। भारतीय टीम के विकेटकीपर बल्लेबाज लोकेश राहुल इस मैच में नहीं खेलेंगे, ऐसे में उनकी जगह ईशान किशन को विकेटकीपर बल्लेबाज के तौर पर जगह मिलना तय है। माना जा रहा है कि ईशान मध्यम्र में खेलेंगे क्योंकि प्रबंधन शीर्ष क्रम में शायद ही बदलाव करे। ईशान को राहुल की जगह चौथे या पांचवे नंबर पर उतारा जा सकता है।

दूसरी ओर पाक टीम भी अपने मध्यक्रम के कमजोर होने से परेशान है। उसके पास एकदिवसीय में इस क्रम के लिए अनुभवी खिलाड़ियों की कमी है। विश्व कप 2019 के बाद से पाकिस्तान ने केवल 29 एकदिवसीय खेले है जबकि भारत ने 57 मैच खेले हैं। पाकिस्तान ने 29 में से 12 मैच इसी साल खेले। उसके शीर्ष तीन बल्लेबाजों बाबर आजम, फखर जमां रन और इमामुल हक का बल्ला ही जमकर चला है। विकेटकीपर बल्लेबाज मोहम्मद रिजवान भी एकदिवसीय प्रारुप में अधिक रन नहीं बना पाये हैं जबकि टी20 में उनके नाम काफी रन हैं।

उसामा मीर, सऊद शकील और आगा सलमान भी अब तक अधिक रन नहीं बना पाये हैं। ऐसे में सातवें नंबर के बल्लेबाज इफ्तिखार अहमद और आठवें नंबर के शादाब खान पर ही रनों की गति बढ़ाने की जिम्मेदारी आती है। इन दोनो ने ही निचले क्रम पर रन बनाये हैं। वहीं गेंदबाजी की बात करें तो जसप्रीत बुमराह की वापसी से भारतीय आक्रमण पहले से बेहतर हुआ है। युवा प्रसिद्ध कृष्णा के आने से भी टीम को एक विकल्प मिला है। इन दोनों ने वापसी करते हुए आयरलैंड के खिलाफ अच्छी गेंदबाजी की थी पर देखना होगा कि उसी प्रभाव को ये दोनो एकदिवसीय प्ररुप में दिखा पाते हैं या नहीं। इसके अलावा भारतीय टीम के पास अनुभवी मोहम्मद शमी और सिराज भी हैं। भारतीय टीम के पास स्पिन ऑलराउंडर के तौर पर रविंद्र जडेजा का चयन तय है क्योंकि वह एक अच्छे बल्लेबाज हैं और सातवें नंबर पर भी बड़ी पारी खेल सकते हैं। दूसरे स्पिनर के लिए कुलदीप यादव और अक्षर पटेल में से किसी एक को जगह मिलेगी। कुलदीप ने काफी विकेट लिए हैं ऐसे में उनकी दावेदारी अक्षर से ज्यादा मजबूत है। ऑलराउंडर पंड्या को भी इस मैच में अच्छी गेंदबाजी और बल्लेबाजी करनी होगी। इसबार मौसम विभाग ने बारिश का पूर्वानुमान जताया है जिससे दोनों टीमों के प्रशंसकों की उम्मीदों पर पानी भी फिर सकता है क्योंकि इस मैच के लिए कोई अतिरिक्त दिन नहीं रखा गया है। इसलिए प्रशंसक दुआ करेंगें कि मौसम ठीक रहे।

दोनो की संभावित अंतिम ग्यारह :

भारत : रोहित शर्मा (कप्तान), विराट कोहली, हार्दिक पंड्या, सूर्यकुमार यादव, शुभमन गिल, रविन्द्र जड़ेजा, ईशान किशन (विकेटकीपर), जसप्रीत बुमराह, मोहम्मद सिराज, कुलदीप यादव, मोम्मद शमी

पाकिस्तान : बाबर आजम (कप्तान), फखर जमान, इमामुल हक, आगा सलमान, शादाब खान, इफ्तिखार अहमद, मोहम्मद नवाज, मोहम्मद रिजवान (विकेटकीपर), शाइन अफरीदी, हारिस रऊफ, नसीम शाह।

वायकॉम-18 ने 5963 करोड़ में खरीदे बीसीसीआई मीडिया राइट्स

भारत में होने वाले घरेलू और इंटरनेशनल मैच दिखाएंगे; एक मैच से 67.8 करोड़ कमाएगा बोर्ड

नई दिल्ली।

रिलायंस इंडस्ट्रीज के स्वामित्व वाली ब्रॉडकास्टिंग कंपनी वायकॉम-18 ने भारत में खेले जाने वाले घरेलू और इंटरनेशनल मैच के लिए बीसीसीआई के मीडिया राइट्स 5 हजार 963 करोड़ रुपए में खरीद लिए हैं। बोर्ड के मुकाबलों के टेलीविजन और डिजिटल राइट्स की नीलामी हुई, जिसे वायकॉम-18 ने अपने नाम किया। वायकॉम ने बीसीसीआई के साथ 5 साल का यानी 2028 तक का कॉन्ट्रैक्ट साइन किया है। बीसीसीआई सचिव जय शाह ने ट्वीट कर इसकी जानकारी दी। 5 साल भारत में 88 इंटरनेशनल मैच होंगे, यानी बोर्ड को एक मैच से करीब 67.8 करोड़ रुपए मिलेंगे। हालांकि इस डील में भारत में होने वाले घरेलू और विमेंस टीम के इंटरनेशनल मैच भी शामिल रहेंगे। इस बार की नीलामी पिछले साइकल से कम रही। पिछले राइट्स स्टार इंडिया ने 6138.10 करोड़ रुपए में खरीदे थे, जिसका कॉन्ट्रैक्ट इसी साल समाप्त हुआ। वायकॉम-18 को डिज्नी प्लस और सोनी स्पोर्ट्स से चुनौती मिली। बोर्ड ने पिछले साल आईपीएल मीडिया राइट्स के लिए भी ई-ऑक्शन कराया था, जबकि 2018 में बीसीसीआई राइट्स के लिए ऑफलाइन ऑक्शन हुए थे। मीडिया राइट्स के लिए भारतीय बोर्ड ने ई-ऑक्शन कराया। इसके तहत मीडिया राइट्स दो पैकेज में बिके। इनमें पैकेज-ए, टीवी के लिए है, जबकि पैकेज-बी डिजिटल और वर्ल्ड ब्रॉडकास्टिंग राइट्स के लिए था। ब्रॉडकास्ट साइकल सितंबर 2023 से शुरू होकर मार्च 2028 तक होगा। इस दौरान लगभग 88 इंटरनेशनल मैच होंगे। 2023 से 2028 साइकल में भारतीय टीम 88 मुकाबले खेलेगी। इनमें ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 21 और इंग्लैंड के खिलाफ 18 मुकाबले होंगे।

एशियाड के लिए ललित उपाध्याय की हॉकी टीम में वापसी

आकाशदीप और कार्ति की छुट्टी जुगराज भी हुए टीम से बाहर

नई दिल्ली।

अनुभवी ललित उपाध्याय ने चीन के हांगझोऊ में होने वाले एशियाई खेलों के लिए भारत की 18 सदस्यीय पुरुष हॉकी टीम में वापसी की लेकिन स्ट्राइकर आकाशदीप सिंह और कार्ति सेलवम को टीम में जगह नहीं मिली। एशियाई खेलों की टीमों के लिए यहां हॉकी इंडिया द्वारा आयोजित विदाई समारोह के दौरान टीमों की आधिकारिक घोषणा की गई। हॉकी इंडिया के चयनकर्ताओं ने इस महीने की शुरुआत में चेन्नई में एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी जीतने वाली टीम में शामिल तीन खिलाड़ियों आकाशदीप, कार्ति और रक्षक खिलाड़ी जुगराज सिंह को बाहर का रास्ता दिखाया। ड्रैग फ्लिकर हरमनप्रीत सिंह और मिडफील्डर हार्दिक सिंह एशियाई खेलों के लिए क्रमशः कप्तान और उप कप्तान की भूमिका निभाते रहेंगे। टीम में जुगराज की जगह संजय लेंगे, जबकि आकाशदीप और कार्ति की जगह ललित और अभिषेक को टीम में शामिल किया गया है।

एशियाई खेलों के लिए भारतीय हॉकी टीमें इस प्रकार हैं

पुरुष टीम : पीआर श्रीजेश, कृष्ण पाठक, वरुण कुमार, अमित रोहिदास, जरमनप्रीत सिंह, हरमनप्रीत सिंह (कप्तान), संजय, सुमित, नीलकांता शर्मा, हार्दिक

सिंह (उप-कप्तान), मनप्रीत सिंह, विवेक सागर प्रसाद, शमशेर सिंह, अभिषेक, गुरजंट सिंह, मनदीप सिंह, सुखजीत सिंह और ललित कुमार उपाध्याय।

सविता ही संभालेंगी महिला टीम की कमान - इस बीच गोलकीपर सविता पूनिया एशियाई खेलों में 18 सदस्यीय भारतीय महिला हॉकी टीम की अगुआई करेंगी। पिछले महीने जर्मनी और स्पेन दौरे पर टीम में शामिल अनुभवी सुशीला चानू, बलजीत कौर और ज्योति छतरी को टीम में जगह नहीं मिली है।

महिला टीम : सविता (कप्तान), बिचू देवी खारीबाम, दीपिका, लालरेमसियामी, मोनिका, नवनीत कौर, नेहा, निशा, सोनिका, उदिता, इशिका चौधरी, दीप ग्रेस एक्का (उप-कप्तान), वंदना कटारिया, संगीता कुमारी, वैष्णवी विट्ठल फाल्के, निक्की प्रधान, सुशीला चानू और सलीमा टेटे।

प्रगनाननंदा और उनके परिवार से मिले खेल मंत्री अनुराग ठाकुर; हिमाचली टोपी और शॉल देकर किया सम्मान

नई दिल्ली।

अनुराग ठाकुर ने प्रगनाननंदा और उनके माता-पिता के साथ मुलाकात के बाद कहा कि 18 साल की उम्र में देश का नाम रोशन कर प्रगनाननंदा ने देशवासियों का सिर गर्व से ऊंचा कर दिया है।

केंद्रीय खेल मंत्री अनुराग ठाकुर ने शतरंज खिलाड़ी प्रगनाननंदा और उनके माता-पिता के साथ दिल्ली में मुलाकात की। इस मुलाकात में उन्होंने भारतीय ग्रांडमास्टर को हिमाचली टोपी पहनाई और शॉल के साथ सम्मान किया। इसके बाद उन्होंने प्रगनाननंदा को एक खास थाल भी दी, जिसमें मां दुर्गा की मूर्ति बनी हुई थी। शतरंज विश्व कप में प्रगनाननंदा के सबसे युवा उपविजेता बनने के बाद पूरे देश में उनका स्वागत हो रहा है। जब वह देश वापस लौटे थे तो चेन्नई एयरपोर्ट पर बड़ी संख्या में लोग बुके और शॉल लेकर उनसे मिलने पहुंचे थे। इसके बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने उनसे और उनके माता-पिता से मुलाकात की। वहीं, आनंद महिंद्रा ने उनके माता-पिता को इलेक्ट्रिक कार देने का फैसला किया है। प्रगनाननंदा से मुलाकात के बाद अनुराग ठाकुर ने कहा सबसे पहले मैं प्रगनाननंदा को बधाई और शुभकामनाएं देता

हूं। भारत का नाम बहुत रोशन किया है और बहुत छोटी उम्र में ग्रांडमास्टर बने। मात्र 16 साल की उम्र में वो कर दिखाना, जो पहले कोई और नहीं कर पाया और अब 18 साल की उम्र में विश्व कप के फाइनल में पहुंचना। शानदार प्रदर्शन करना, इसके लिए मैं उन्हें बहुत-बहुत शुभकामनाएं देता हूं। इनको देखकर लाखों युवाओं को प्रेरणा मिलेगी कि वह चेस खेलें और अच्छा करें। अनुराग ठाकुर ने कहा हालांकि, शतरंज की उत्पत्ति भारत में ही हुई थी, लेकिन कई वर्ष लग गए भारत में शतरंज ओलंपियाड कराने में। सफल चेस ओलंपियाड यहां पर हुआ था, लेकिन उससे बड़ी बात है कि हमारे कई खिलाड़ियों ने अच्छा प्रदर्शन किया। जिस तरह से प्रगनाननंदा का सफर रहा है, 10 साल से लेकर 18 साल की उम्र तक। एक नहीं अनेक उपलब्धियां हैं, इसके लिए उन्हें बहुत-बहुत बधाई। प्रगनाननंदा की सफलता में उनके माता-पिता के योगदान पर बात करते हुए अनुराग ठाकुर ने कहा निश्चित रूप से मां-बाप का बहुत बड़ा योगदान गुरु के साथ-साथ होता होता है। सरकारें, फेडरेशन तो अपना रोल अदा करती हैं, लेकिन माता-पिता का रोल बहुत महत्वपूर्ण है। जैसा इन्होंने बताया कि बचपन में चाहे पेंटिंग के लिए व्यवस्था करनी हो या चेस बोर्ड लाना हो। हर मामले में उनके माता-पिता ने प्रेरणा दी और वहां से उन्हें एक पेशेवर खिलाड़ी बनाया। ये बहुत सारे खिलाड़ियों को सीखने की जरूरत है कि जब भी आप कुछ करें, दिल से करें, मेहनत करें और लगातार प्रयास करें कि अच्छा करें। मुझे बहुत खुशी है कि पिछले कुछ महीनों में भारतीय खिलाड़ियों ने बहुत अच्छा प्रदर्शन किया है। वहीं प्रगनाननंदा ने अनुराग ठाकुर के साथ मुलाकात करने के बाद कहा कि उन्हें जो समर्थन मिल रहा है, उससे काफी अच्छा लग रहा है। आमतौर पर खिलाड़ियों को इतना समर्थन नहीं मिलता, लेकिन अब ऐसा होना अच्छा है। खिलाड़ियों की उपलब्धियों पर हमेशा बात होती है, लेकिन उनके प्रयास को सामने लाना और सराहना करना अच्छा है।

एशिया कप की जर्सी पर पाकिस्तान का नाम नहीं

पीसीबी बोला- ये एसीसी का फैसला; पूर्व खिलाड़ियों ने पूछा- इमर्जिंग एशिया कप-अंडर-16 में नाम क्यों था

कोलंबो।

एशिया कप 30 अगस्त से शुरू हो चुका है। इस बार हाइब्रिड मॉडल पर पाकिस्तान और श्रीलंका में खेला जा रहा है। भारत सरकार के पाकिस्तान में टीम भेजने के विरोध को देखते हुए टीम इंडिया के मैच श्रीलंका में हो रहे हैं। एशिया कप दो मैच खेले जा चुके हैं। पहला मुकाबला 30 अगस्त को पाकिस्तान और नेपाल के बीच मुल्तान में खेला गया।

जबकि, दूसरा मुकाबला श्रीलंका और बांग्लादेश के बीच श्रीलंका के कैंडी में खेला गया। लेकिन दोनों ही मैचों में टीमों की जर्सी पर एशिया क्रिकेट काउंसिल के लोगो के साथ मेजबान पाकिस्तान का नाम नहीं था।

पूर्व खिलाड़ियों ने उठाए सवाल

इसको लेकर पाकिस्तान के पूर्व क्रिकेटर मोहसिन खान और राशिद लतीफ सहित कई खिलाड़ियों ने पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड और एशियन क्रिकेट काउंसिल की आलोचना की है। उन्होंने कहा कि पीसीबी और एसीसी को यह स्पष्ट करना चाहिए कि आखिर जर्सी पर एसीसी के लोगो के साथ पाकिस्तान का नाम क्यों नहीं है।

जबकि पिछले साल हुए टी-20 एशिया कप के दौरान एसीसी के लोगो

के साथ मेजबान श्रीलंका का नाम था। जबकि श्रीलंका में आर्थिक मंदी और राजनीतिक अस्थिरता के कारण टूर्नामेंट के मैच यूएई में खेले गए थे।

पीसीबी का जवाब-एसीसी का फैसला

उधर आलोचनाओं के बाद पीसीबी ने अपनी सफाई में कहा है कि एसीसी ने पिछले साल ही ये फैसला किया था कि आगे से टूर्नामेंट के लोगो के साथ मेजबान देश का नाम नहीं दिया जाएगा। पीसीबी की इस सफाई को फैंस पचा नहीं पा रहे हैं। उनका कहना है कि अगर ऐसा था तो पीसीबी ने इस प्रपोजल को स्वीकार कैसे किया क्योंकि 15 साल बाद पाकिस्तान किसी मल्टी नेशनल टूर्नामेंट की मेजबानी कर रहा है।

पीसीबी के जवाब से पूर्व खिलाड़ी सहमत नहीं

वहीं पूर्व क्रिकेट मोहसिन खान पीसीबी के इस जवाब से संतुष्ट नहीं हैं और सवाल किया है कि अगर ऐसा निर्णय एसीसी ने पिछले साल ले लिया था, तो एसीसी ने एशियाई इमर्जिंग नेशंस कप या मलेशिया में जुलाई में आयोजित एशियाई अंडर-16 प्रतियोगिता के लोगो पर मेजबान देश का नाम क्यों दिया है।

रिपोर्ट के मुताबिक पाकिस्तान के एक पूर्व खिलाड़ी ने नाम न छापने की शर्त पर कहा है कि इसकी वजह एसीसी अध्यक्ष और बीसीसीआई सचिव जय शाह हैं।

उन्होंने कहा कि भारत और पाकिस्तान के रिश्ते खराब हैं। ऐसे में बीसीसीआई ने सोचा होगा कि इस समय भारत की एशिया कप की जर्सी पर पाकिस्तान का नाम आना ठीक नहीं रहेगा। लतीफ ने भी इस संभावना से इनकार नहीं किया और कहा कि जो भी कारण हो, इस पर स्पष्टता जरूरी है।

आरओ का पानी खतरनाक...

हमें कुछ मिले या न मिले पर शरीर को पानी जरूर मिलना चाहिए। अगर पानी आरओ का हो तो, क्या बात है, लेकिन क्या वास्तव में हम आरओ के पानी को शुद्ध पानी मान सकते हैं? जवाब आता है बिल्कुल नहीं। यह जवाब विश्व स्वास्थ्य संगठन की तरफ से दिया गया है। डब्ल्यूएचओ ने बताया है कि आरओ के पानी के लगातार सेवन से हृदय संबंधी विकार, थकान, कमजोरी, मांसपेशियों में ऐंठन, सिरदर्द आदि दुष्प्रभाव पाए गए हैं। यह कई शोधों के बाद पता चला है कि इसकी वजह से कैल्शियम और मैग्नीशियम पानी से पूरी तरह नष्ट हो जाते हैं जो कि शारीरिक विकास के लिए अत्यंत आवश्यक है। वैज्ञानिकों के अनुसार मानव शरीर 500 टीडीएस तक सहन करने की क्षमता रखता है परंतु आरओ में 18 से 25 टीडीएस तक पानी की शुद्धता होती है जो कि नुकसानदायक है। इसके विकल्प में क्लोरीन को रखा जा सकता है जिसमें लागत भी कम होती है एवं पानी के आवश्यक तत्व भी सुरक्षित रहते हैं। जिससे मानव का शारीरिक विकास अवरूद्ध नहीं होता। जहां एक तरफ एशिया और यूरोप के कई देश आरओ पर प्रतिबंध लगा चुके हैं वहीं भारत में आरओ की मांग लगातार बढ़ती जा रही है और कई विदेशी कंपनियों ने यहां पर अपना बड़ा बाजार बना लिया है। स्वास्थ्य के प्रति जागरूक रहना और जागरूक करना जरूरी हैं। अतः अब शुद्ध पानी के लिए नए अविष्कारों की जरूरत है। याद रखें की लंबे समय तक आरओ का पानी लगातार पीने से शरीर कमजोर और बीमारीयों का घर बन जाता है। अतः प्राकृतिक यानी खनीज युक्त पानी परंपरागत तरीकों से साफ कर पीना हितकर है।

ऑनलाइन पेमेंट और भी आसान...

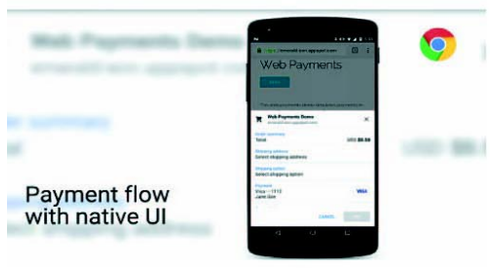

गूगल ने क्रोम का लेटेस्ट वर्जन रिलीज किया है, जिसका सबसे खास फीचर गूगल पे है और साथ ही परफॉरमैंस में सुधार हुआ है। क्रोम में गूगल पे फीचर एड करने से कंपनी ज्यादा से ज्यादा लोगों को यह सुविधा प्रदान करवाना चाहती है। गूगल ने वैब स्टैंडड्ज पर पेमेंट्स को आसान बनाने के लिए एंड्रायड पे को क्रोम में एड किया है। फिलहाल आई.ओ.एस. डिवाइसेस में इस फीचर के आने की कोई जानकारी नहीं है। एंड्रॉयड यूजर्स कुछ ही समय में ऑनलाइन पेमेंटस को संभव कर सकता है। गूगल ने अपने ब्लॉग में यह भी लिखा कि एंड्रॉयड के लिए क्रोम का नया वर्जन 15 प्रतिशत तेज होगा। नए अपडेट से क्रोम ज्यादा बैटरी की बचत भी करेगा। गूगल प्ले स्टोर पर गूगल क्रोम की अपडेट को फ्री में डाउनलोड किया जा सकता है।

नया ब्लूटूथ स्मार्ट बल्ब...

घर को आकर्षक और सुंदर बनाने में सबसे ज्यादा लाइटनिंग का यूज होता है। इस बात पर ध्यान देते हुए एसएमएफएक्स कंपनी ने नया ब्लूटूथ स्मार्ट बल्ब विकसित किया है जो 16 मिलियन रंगों से आपके ऑफ हुए मूड को भी पूरी तरह से बदल देगा। यह स्मार्ट बल्ब मौजूदा सॉकेट से आसानी से चलाया जा सकता है। साधारण बल्ब से 10 प्रतिशत ज्यादा एनर्जी सेविंग होने के साथ-साथ यह 40,000 घंटों की लाइफ भी देगा। इसमें आप लाइट्स को समय-समय पर शेडयूल कर सकते हैं और एप की मदद से कंट्रोल भी कर सकते हैं। उम्मीद की जा रही है कि आने वाले समय में इसे करीब 2664 रुपए कीमत में बिक्री के लिए उपलब्ध किया जाएगा।

कम समय में चार्ज होगी नई बैटरी...

निजी क्षेत्र की ग्रीनविजन टैक्नालॉजीज ने पर्यावरण अनुकूल उपकरणों को बढ़ावा देते हुए कम समय में चार्ज होने वाली और रखरखाव में आसान 'जेल प्रौद्योगिकी' आधारित बैटरी विकसित की है जो कि ई-रिक्शा के लिए उपयोगी साबित होगी। दावा है कि एक तरफ जहां यह बैटरी जल्दी चार्ज होती है वहीं दूसरी तरफ इसका रख-रखाव काफी आसान है क्योंकि इसमें पानी यानी डीएम वाटर डालने की आवश्यकता नहीं है। जेल तकनीक आधारित इस बैटरी का नाम 'वायेजर' रखा गया है। सामान्य बैटरी के मुकाबले इनका वजन हल्का और आकार छोटा है। इसे 6 घंटे में पूरी तरह चार्ज किया जा सकता है जबकि अन्य बैटरियों को चार्ज करने में 8 घंटे का समय लगता है। इसके लिए विशेष तौर पर तैयार चार्जर भी बनाया गया है जिससे इन बैटरी की उम्र और भी बढ़ जाती है। बार-बार चार्ज कर इसका 40,000 किलोमीटर तक उपयोग किया जा सकता है।

भविष्य में आपके घर में टेबल पर मौजूद सजावटी सामग्रियों के बीच आपकी 'शेपीज' यानी आपकी शेप का पुतला हो सकता है। सेल्फी को स्मार्टफोन में ही देख सकते हैं। लेकिन, अब 3डी सेल्फी का जमाना आने वाला है। इस थ्रीडी सेल्फी को आप एक छोटे पुतले की भांति अपने साथ रख सकते हैं।

अब बनवाएं अपना 3डी पुतला...

सेल्फी का क्रेज अभी कम भी नहीं हुआ है कि तेजी से नए आयाम लेती तकनीक की दुनिया में फोटोग्राफी के लिए एक नये फॉर्मेट का चलन शुरू हो गया है। डिजिटल कैमरा और स्मार्टफोन ने फोटोग्राफी की दुनिया को ऐसे बदला कि फोटो स्टूडियो का क्रेज कम हो गया। अब 3डी प्रिंटर तकनीक इसमें नया बदलाव ला रही है। आने वाले समय में लोगों का रुझान ऐसे स्टूडियो की ओर बढ़ सकता है, जहां वे छोटे आकार के खुद के 3डी पुतले बनवा सकते हैं। सेल्फी खींचने और उसे डिजिटल फॉर्मेट में सुरक्षित रखने का मौजूदा ट्रेंड निकट जल्द ही बदल सकता है। दक्षिण कोरिया अब फोटोग्राफी को सेल्फी और डिजिटल प्रारूप में सुरक्षित रखने से आगे 3डी प्रिंटिंग के दौर में ले जा रहा है। एक रिपोर्ट के मुताबिक, सियोल में कई थ्रीडी फोटो स्टूडियो खुल चुके हैं, जहां एक छोटे पुतले के रूप में आप अपनी या बच्चों की 3डी प्रिंटिंग हासिल कर सकते हैं। फिलहाल इसकी कीमत ज्यादा है, इसलिए पैसे वाले लोग ही यहां पहुंचते हैं, लेकिन भविष्य में इसकी कीमत कम होने पर यह आम लोगों की पहुंच से बाहर नहीं रहेगा।

एक साथ 100 कैमरे

अपना 3डी पुतला बनवाने की चाहत रखने वाले इन स्टूडियो में बीच में बने एक प्लेटफॉर्म पर खड़े होते हैं, जिसके चारों ओर करीब 100 कैमरे लगे हैं। ये सभी कैमरे अनेक एंगल से एक साथ आपकी 2डी तस्वीर खींचते हैं, जिन्हें सियोल की एक खास फैक्टरी में भेजा जाता है। इस फैक्टरी में 3डी प्रिंटर के लिए बनाए गए खास कंप्यूटर प्रोग्राम्स के दिशा-निर्देशों के तहत इसे ट्रांसफॉर्म किया जाता है ।

हजार लेयर में इमेज

ट्रांसफॉर्म के बाद 3डी प्रिंटर जिप्सम पाउडर की करीब 1,000 लेयर में आपकी उस इमेज को गढ़ता है, 2डी तस्वीरें लेते वक्त इसमें वह उन सभी छोटी-से-छोटी चीजों को शामिल करता है, ताकि वह बिल्कुल असली की तरह दिखे। हालांकि, इस फिगर यानी पुतले का आकार बहुत छोटा होता है ।

99 डॉलर में पांच सेमी

इस तरह बनाए जानेवाले 3डी पुतलों की कीमत 99 डॉलर से 299 डॉलर तक है। सबसे छोटा आकार पांच सेंटीमीटर है, जिसकी कीमत 99 डॉलर है, जबकि सबसे 30 सेंटीमीटर आकार के पुतले की कीमत 299 डॉलर है। एक रिपोर्ट में एशियाई देशों में फिलहाल इस नई तकनीक को दक्षिण कोरिया तक ही सीमित बताया गया है, लेकिन जल्द ही पूरी दुनिया में इसके प्रसार की उम्मीद जताई गई है। हालांकि, कई अन्य रिपोर्ट बताती हैं कि भारत समेत कई देशों में भी इसकी शुरुआत हो चुकी है ।

'सेल्फी' के बाद 'शेपीज'

भविष्य में आपके घर में टेबल पर मौजूद सजावटी सामग्रियों के बीच आपकी 'शेपीज' यानी आपकी शेप का पुतला हो सकता है। 'ब्लूमबर्ग टेक्नोलॉजी' के मुताबिक, लग्जम्बर्ग आधारित कंपनी 'आर्टेक' ने सितंबर, 2014 में पहली बार '3डी बॉडी स्कैनिंग बूथ' का डिजाइन तैयार कर ड्रेस समेत पूरे शरीर की इमेज स्कैनिंग करके 3डी प्रिंट के छोटे प्रतिरूप में मुहैया कराया था। कैलिफोर्निया के पालो आल्टो में आर्टेक के शोरूम में यह तकनीक प्रदर्शित की गई थी। ग्राहकों को यहां पांच इंच का पुतला दिया जाता है। फिगर बनाने वाले इस आइडिया को फिलहाल 'शेपीज' या '3डी सेल्फीज' नाम दिया गया है ।

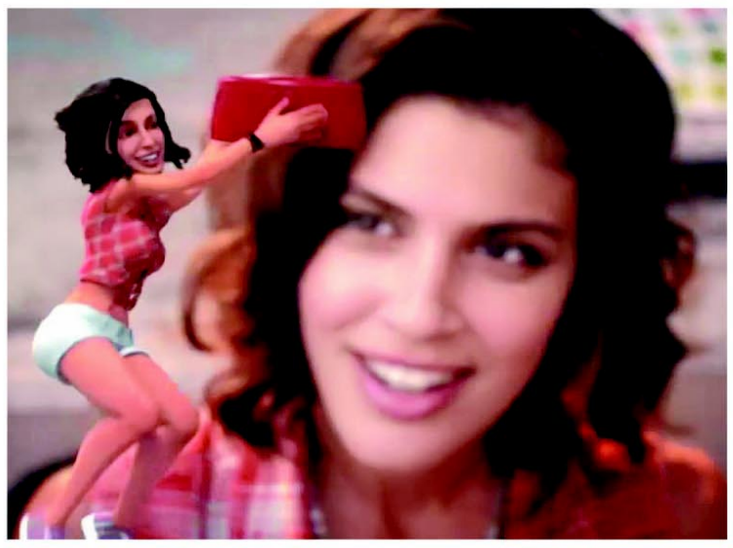

ऑनलाइन ऑर्डर

सेल्फी को स्मार्टफोन में ही देख सकते हैं। लेकिन, अब 3डी सेल्फी का जमाना आने वाला है। इस थ्रीडी सेल्फी को आप एक छोटे पुतले की भांति अपने साथ रख सकते हैं। 'माय3डीसेल्फी डॉट कॉम' इसके लिए बाकायदा ऑर्डर हासिल करता है।

पांच मिनट में 3डी मॉडल

आर्टेक शेपिफाई बूथ 3डी बॉडी स्कैनिंग और सेल्फी बनाने वाली ऑटोमेटेड मशीन है। महज 12 सेकेंड में ग्राहक की स्कैनिंग करके ऑटोमेटिक तरीके से पांच मिनट में 3डी मॉडल तैयार हो जाता है और कुछ दिनों में पूरी तरह तैयार करके इसे ग्राहक को भेज दिया जाता है। इस बूथ में प्रति घंटे 10 लोगों की स्कैनिंग की जा सकती है।

भारत में भी शुरुआत

हैदराबाद की एक फर्म '3डी स्फेयर' ने भी ऐसी एक शुरुआत की है। इसकी वेबसाइट पर दी गई जानकारी के मुताबिक, 3डी प्रिंटिंग के जरिए पुतले बनाने का काम यह चार चरणों में पूरा करता है। पहले चरण में यह पूरे शरीर की फोटोग्राफिक तकनीक के जरिए तस्वीर की 3डी स्कैनिंग की जाती है। स्कैनिंग से हासिल किए गए 3डी डाटा को संबंधित 3डी सॉफ्टवेयर में एडिट करता है। कलर 3डी प्रिंटर में इसे प्रिंट किया जाता है। तैयार हुए प्रोडक्ट यानी पुतले पर चिपके अतिरिक्त पाउडर को हटाया जाता है और उस पर ग्लू चिपकाया जाता है।

क्लोन मी का 3डी प्रोडक्ट

यह 3डी सेल्फी से क्लोन बनाने वाली एक कंपनी है, जो इनोवेटिव टेक्नोलॉजी और उत्तम कोटि की शिल्पकारी के जरिए 3डी फिगर तैयार करती है। यह कंपनी पांच चरणों में 3डी फिगर बनाती है। इच्छुक लोगों को सबसे पहले शोरूम आना होता है या फिर आप ऑनलाइन अपनी तस्वीर भेज सकते हैं। इसके प्रधान कार्यालय में स्कैनिंग को अंतिम रूप देते हुए उसकी गुणवत्ता बढ़ाई जाती है। 3डी फिगर तैयार होने के बाद शिल्पकारों द्वारा साज-सज्जा करते हुए इसे अंतिम स्वरूप प्रदान किया जाता है इसे रिफाइनमेंट कहते हैं।

स्कैबीज क्या है

इसके लक्षण और उपचार

स्कैबीज घुन से होने वाला खुजली वाला त्वचा का संक्रमण है। इसके अंडो और मल से होने वाले एलर्जिक प्रतिक्रिया के कारण रोगी को दाने या मुंहासे होते हैं। इसका उपचार आसानी से हो सकता है।

यह बीमारी एक-दूसरे के संपर्क में आने से होती है। इसके अलावा यदि आप इस बीमारी से संक्रमित किसी भी व्यक्ति के कपड़े, बिस्तर या फर्नीचर प्रयोग करते हैं तो यह आपको भी हो सकती है। भीड़भाड़ वाली जगहें, जैसे - जेल, नर्सिंग होम और बच्चों की देखभाल करने वाले स्थानों पर स्कैबीज संक्रमण के फैलने का खतरा अधिक होता है।

क्या होता है स्कैबीज

स्कैबीज त्वचा का वह संक्रमण है जो घुन के कारण होता है। जब घुन आपकी त्वचा की परत को भेदते हुए अंदर प्रवेश कर जाती है, तब यह समस्या होती है। स्कैबीज किसी को भी हो सकती है। यह किसी भी उम्र, आय और सामाजिक स्तर के लोगों को हो सकती है। यहां तक कि जो लोग स्वयं को बेहद स्वच्छ रखते हैं उन्हें भी स्कैबीज हो सकती है।

कैसे फैलती है

स्कैबीज घुन के काटने से तो फैलती ही है साथ ही यह बीमारी संक्रमित व्यक्ति के साथ शारीरिक नजदीकी से भी हो सकती है। यह एक संचारित रोग है, जो तौलिए, चादर और अन्य निजी वस्तुएं इस्तेमाल करने से हो सकती है। स्कैबीज एक साथ परिवार के कई सदस्यों को हो सकती है। इतना ही नहीं यदि किसी संक्रमित व्यक्ति को इसके लक्षण न भी नजर आ रहे हों, तब भी वह दूसरे व्यक्ति को इस रोग से संक्रमित कर सकता है।

लक्षण

स्कैबीज से गंभीर खुजली होती है, जो अक्सर रात के समय बढ़ जाती है। इसके साथ ही रेशेज के साथ छोटे फफोले और घाव हो जाते हैं। छोटे बच्चों और बुजुर्गों में खुजली की समस्या अधिक होती है। बच्चों की त्वचा अपेक्षाकृत अधिक संक्रमित होती है।

कैसे होता है निदान

डॉक्टर स्कैबीज के निदान की प्रक्रिया आपके लक्षणों के आधार पर करता है। स्कैबीज का सबसे कारण किसी संक्रमित व्यक्ति के साथ शारीरिक संपर्क होता है। इसके बाद डॉक्टर बड़े आराम से संक्रमित और रूखी त्वचा को खुरचकर सूक्ष्मदर्शी द्वारा उसकी जांच करता है। अधिकतर लोगों को इस जांच से कोई दर्द नहीं होता।

कैसे होता है इलाज

स्कैबीज अपने आप ठीक नहीं होती। आपको डॉक्टर की सुझायी खास क्रीम अथवा लोशन का इस्तेमाल करना होता है। कुछ गंभीर मामलों में आपको दवा का भी सेवन करना पड़ सकता है। स्कैबीज में दी जाने वाली कुछ दवायें बच्चों, बुजुर्गों, गर्भवती महिलाओं और स्तनपान करवा रहीं माताओं के लिए सुरक्षित नहीं होतीं। इन दवाओं के खतरनाक प्रभावों से बचने के लिए अपने डॉक्टर की सुझाई दवाओं को सही प्रकार पालन करें और डॉक्टरी सलाह को अनदेखा न करें। अगर आपको स्कैबीज है, तो आपको और आपके समीप रहने वाले परिजनों का इलाज एक ही समय पर होना चाहिए। इससे संक्रमण फैलने का खतरा कम हो जाता है। इसके साथ ही आपको अपने कपड़े और तौलिए आदि भी सावधानीपूर्वक साफ करने चाहिए। घावों से होने वाले रक्तस्राव भी अच्छी तरह साफ करना चाहिए। इलाज के बाद सामान्य दो से चार सप्ताह तक खुजली रहती है। घुन के द्वारा हुई एलर्जी को दूर करने में आपके शरीर को इतना समय तो लगता ही है।

बैटरी बर्बाद कर रहे ये एप्स...

एक स्मार्टफोन कितना भी स्मार्ट हो, एप्स के बगैर अधूरा ही रहता है। स्मार्टफोन को खरीद कर हम सबसे पहला काम एप्स डाउनलोड करने का ही करते हैं। इनमें कई तरह के एप्स शामिल होते हैं, कुछ एंटरटेनमेंट के, तो कुछ जरूरी काम के। साथ ही कुछ ऐसे भी होते हैं, जो कभी-कभार काम आते हैं, लेकिन, क्या आप जानते हैं कि इन एप्स का आपके फोन पर क्या असर पड़ता है?

गेमिंग एप

कई गेमिंग ऐप्स भी हैं, जो आपके फोन की बैटरी लाइफ को खतरे में डालते हैं। जैसे कि हाल ही में खासा लोकप्रिय रहा पोकेमोन गो जैसे गेम भी काफी हद तक फोन की बैटरी लाइफ को कम करते हैं।

फेसबुक एप: यह एप लगभग हर स्मार्टफोन यूजर के फोन में होता है। हम में से कई इस पर पूरा टाइम एक्टिव भी रहते होंगे। लेकिन, आपको जान कर हैरानी होगी कि फेसबुक एप सबसे ज्यादा बैटरी इस्तेमाल करनेवाले ऐप्स में से एक है।

स्नैपचैट: सोशल मीडिया एप्स सबसे ज्यादा पसंद किए जाते हैं। इन दिनों स्नैपचैट का बुखार सभी को है, चाहे वह कोई सेलेब्रिटी हो या आम यूजर। यह एप्प भी मोबाइल स्टोरेज के साथ ही बैटरी भी अधिक खर्च करता है।

नेटफ्लिक्स: इसमें कोई शक नहीं कि नेटफ्लिक्स भी उन एप्स में से एक है, जो अधिक बैटरी कंज्यूम करता है। इस एप से फोन की बैटरी बहुत ही जल्दी खत्म हो जाती है।

स्मार्टफोन में मौजूद कई एप्स वाकई जरूरी होते हैं, और वह आपके फोन के लिए भी सुरक्षित होते हैं लेकिन, ऐसे भी कई एप्स होते हैं, जो आपके फोन की बैटरी लाइफ को बरबाद कर देते हैं। ये एप्स हर समय आपके स्मार्टफोन में रन करते हैं, चाहे आप फोन इस्तेमाल कर रहे हों या नहीं। यही कारण है कि कई स्मार्टफोन यूजर्स को बैटरी लाइफ से शिकायत होती है। फोन को कितना भी चार्ज किया जाए, उसकी बैटरी बहुत जल्दी खत्म होने लगती है। आज हम आपको ऐसे ही कुछ एप्स के नाम बताने वाले हैं, जिन्हें आप न ही डाउनलोड करें, तो अच्छा होगा। इनमें से कई एप्स बेहद फेमस भी हैं।

एवीजी एंटी वायरस एप्प

एंटी वायरस एप आपके फोन की सुरक्षा के लिए काम आते हैं, लेकिन आपको बता दें कि ये फोन की बैटरी की सुरक्षा नहीं करते हैं, बल्कि काफी बैटरी खर्च करते हैं।

सफल फेंगशुई का आधार...

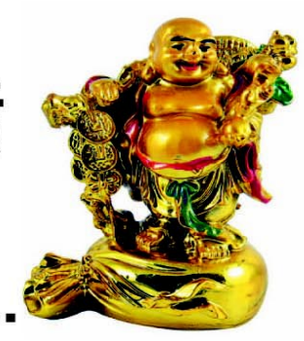

फेंगसुई ऊर्जा को संतुलित करने की पद्धति का नाम है। इनके संतुलन से ही फेंगशुई प्रभावकारी होता है। इस विधा में जल, लकड़ी, अग्नि, पृथ्वी और धातु की दिशा के अनुरूप व्यवस्था ही सफल फेंगशुई का निर्माण करती है। यही कारण है कि घर का निर्माण ऐसा होना चाहिए कि सूरज की रोशनी घर में अवश्य आए। चीनी वास्तु फेंगशुई का इतिहास करीब तीन हजार वर्ष पुराना है। फेंगशुई का शाब्दिक अर्थ है हवा और पानी। यह विधा पांच तत्वों पर आधारित है- जल, लकड़ी, अग्नि, पृथ्वी और धातु। इस विधा में नाकारात्मक ऊर्जा यिन व साकारात्मक ऊर्जा यांग के नाम से जानी जाती है। ये परस्पर विरोधी ऊर्जाएं हैं, जो एक दूसरे के विरुद्ध कार्य करती हैं। इसके अतिरिक्त ब्राह्मांड की ऊर्जा जिसे ची के नाम से जाना जाता है। फेंगशुई, ब्राह्मंड की ऊर्जा तथा यिन व यांग। घर की ऊर्जा व दिशाओं के अनुरूप तत्वों को व्यवस्थित करना और घर में रसोई, मुख्य शयन कक्ष, बच्चों का शयनकक्ष, धन व बहुमूल्य वस्तुओं को रखने का कक्ष या अलमारी, पढ़ाई का कक्ष आदि की तत्वों व दिशाओं के अनुरूप व्यवस्था ही सफल फेंगशुई का आधार है। जो घड़ियां बंद हों, उन्हें या तो घर से हटा देना चाहिए या फिर चालू कर देना चाहिए। घर में झाड़ू का उपयोग करने के बाद उसे इस तरह रखना चाहिए कि किसी की इस पर नजर न जाए। फेंगशुई के अनुसार इसका संबंध घर के धन और संपत्ति से होता है। पूरे घर में कालीन बिछा देने से पॉजिटिव शक्तियां घर के अंदर नहीं रह पाती। शीशे को घर के मुख्य द्वार पर नहीं लगाना चाहिए। बाथरूम के दरवाजे के ठीक सामने भी कोई शीशा नहीं होना चाहिए। घर में बच्चों को डर लगे तो पीले रंग का बल्ब लगाना चाहिए। घर का मुख्य द्वार अन्य दरवाजों की तुलना में बड़ा होना चाहिए। मुख्य गेट दो पल्लों का होना चाहिए। मुख्य द्वार के दोनों ओर खिड़कियां नहीं होने चाहिए, इससे घर के मालिक को आर्थिक परेशानी हो सकती है। घर में नकारात्मक ऊर्जा का प्रभाव दूर करने के लिए चीनी बेम्बू का प्रयोग करें। भाग्य को चमकाने के लिए मकान या व्यापार स्थल के मुख्य द्वार पर पवन घंटियां तथा चीनी सिक्के लगाएं। कछुए को घर में रखना प्रगति व स्वास्थ्य की दृष्टि से शुभ होता है।

मुद्रक एवं प्रकाशक राकेश शर्मा द्वारा अजय त्यागी के लिए ईको प्रिंटिंग प्रेस, पोस्ट एवं पीएस : गड़चुक, कटाबाड़ी मस्जिद के पास, कामरूप (मेट्रो), गुवाहाटी-35 से मुद्रित एवं **गुड लक पब्लिकेशंस, हाउस नं. 30, डी. नेउग पथ, डोना प्लैनेट के नजदीक, एबीसी, जीएस रोड गुवाहाटी-5 से प्रकाशित।**
संपादक : राकेश शर्मा, मोबाइल : 94350-14771, 97070-14771 ● **कार्यकारी संपादक : डॉ. आसमां बेगम ● फोन : 0361-2960054 (संपादकीय)** e-mail : viksitbharatsamacharghy@gmail.com, **(सभी विवाद सिर्फ गुवाहाटी न्याय क्षेत्र के अधीन)**